भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत
सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

jagrukjanta.net

28 मई - 3 जून 2025

ज्येष्ठ, पक्ष - शुक्ल, तिथि - द्वितीया , संवत 2082 पृष्ठ : 8+4 जयपुर, बुधवार वर्ष-11, अंक-13, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

हिन्दू संस्कृति-साड़ी पहनना सिर्फ बाईयों के लिए ही रह जाएगा क्या?

सटीक

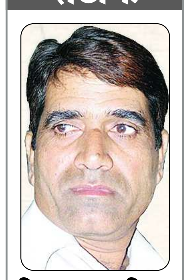

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

यूं तो आज के जमाने में कोई किसी की सुनता ही कहां है। सब अपने मर्जी के मालिक हो रहे हैं। जैसा मन को भाए वही काम करने लग जाते हैं। जो जी में आया वही खाया, जो जी में आया वही पहना। जो जी में आया वहां ही चल दिए। कई बार इन तमाम चीजों और अवहेलनाओं को देखकर घर के बड़े लोग अपने मन को मारकर मन ही मन शर्मिंदा और बेइज्जती महसूस करते हैं। क्योंकि उनकी इन बातों को महत्व देने वाले गिने-चुने परिवार और लोग ही रह गए हैं। अगर कहो तो तपाक से जवाब मिलता है आजकल सब ऐसा ही पहनते हैं ऐसा ही खाते हैं। ऐसा ही करते हैं। आपको इन सबसे क्या मतलब है। आज हम बात करते हैं भारतीय पहनावे साड़ी की। आजकल महिलाओं ने साड़ी से दूरी बनाना शुरू कर दिया है। यूं तो बहुत पहले से ही धीरे-धीरे पहनावे में बदलाव आने लग गया था। मगर इस दौरान तेजी से हमारी परंपरागत वेशभूषा से दूर होते जा रहे हैं। आजकल तमान उन घरों में जो अपने आपको सभ्य और पढ़ा-लिखा समझते हैं अगर अपवाद को छोड़ दें तो साड़ी को लगभग तिलांजलि ही दे दी है। इनके देखादेखी आधुनिक बनने के फेर में साधारण परिवारों में भी ऐसा ही होने लगा है। ऐसे घरों में महिलाओं ने साड़ी ब्लाउज की जगह सलवार कुर्ता या फिर पजम्मी और कुर्ता पहनना अपना स्टेटस बना लिया है। पजम्मी बिलकुल ही पैरों के चिपकी हुई होती है जिसे अच्छा तो नहीं कहा जा सकता। (ज्यादा शब्द यहां लिखने में नहीं आ रहे हैं) जबकि परंपरागत पहनावे में महिलाएं सुन्दर भी दिखती हैं और परिवार के बड़ों का सिर गर्व से ऊंचा भी होता है। देश, कुटुम्ब और परिवार की मान-मर्यादा को कायम रखने में महिलाओं का बड़ा योगदान रहा है। मगर इस दौरान गृहणियां पारंपरिक पहनावे से दूर होती जा रही हैं और अब साड़ी अधिकतर घरों में काम करने वाली बाईयों को ही पहने हुए देखा जा रहा है। गांवो से शहरों में पढ़ने आने वाली छात्राएं भी आधुनिक दिखने के फेर में भोंडे वस्त्र पहने दिखाई दे जाती है। प्रातः मोर्निंग वॉक के समय बड़ी उम्र की महिलाएं भी छोटे-छोटे हाफ पेंट टाइप के वस्त्र पहने देखी जा सकती हैं। अगर यूं ही चलता रहा तो धीरे-धीरे ये सब भी गायब होने में देर नहीं लगेगी। पहले सिर से साड़ी खिसकी, फिर कंधे से दुपट्टा गायब हुआ। अब धीरे-धीरे साड़ी गायब होती जा रही है। एक तरफ सरकार और साधु-संत एवं अन्य धर्म-संस्कृति से जुड़ी संस्थाएं भारतीय संस्कृति को बचाने की बात करते हैं। दूसरी ओर ऐसी संस्थाएं और लोग स्वयं ही इनसे दूर होते देखे जा रहे हैं। इसलिए संस्कृति की जड़ हमारा पहनावा है सबसे पहले इसको बचाने की बात होनी चाहिए। तभी हमारी संस्कृति को बचाई जा सकेगी। हालांकि कई मंदिरों में भोंडे वस्त्रों को पहनने पर पाबंदी लगाई जाने की बातें सामने आने लगी है। जिसे अच्छी पहल कही जा सकती है।

shivdayalmishra@gmail.com

बनाने में निजी कंपनियां मदद करेंगी, 7 हजार किग्रा. विस्फोटक लेकर उड़ेगा, रडार नहीं पकड़ सकेंगे

5वीं पीढ़ी के स्वदेशी लड़ाकू विमान के मॉडल को मंजूरी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। भारत में बनने वाले 5वीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान यानी एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (AMCA) के प्रोडक्शन मॉडल को मंजूरी मिल गई है। केंद्र सरकार ने मंगलवार को यह जानकारी दी। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि एयरक्राफ्ट को बनाने के लिए सरकारी के साथ निजी कंपनियों को भी बोली लगाने का मौका दिया जाएगा। एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी (ADA) जल्द ही इसके लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (EoI) जारी करेगा।

एयरक्राफ्ट बनाने में निजी कंपनियों को मौका देने की घोषणा से डिफेंस और इससे जुड़े सेक्टर्स

की कंपनियों के शेयर्स में करीब 6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स भी 52 सप्ताह के नए हाई 8,674.05 पर पहुंच गया।

AMCA प्रोजेक्ट को 2024 में मंजूरी

- अप्रैल, 2024 में सुरक्षा पर कैबिनेट समिति (CCS) ने 5वीं पीढ़ी के स्वदेशी फाइटर जेट के डिजाइन और विकास के लिए 15 हजार करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट को मंजूरी दी थी। यह फाइटर जेट 'एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट' (Advanced Medium Combat Aircraft - AMCA) है।
- ADA इस प्रोग्राम के एग्जीक्यूशन और एयरक्राफ्ट डिजाइन करने के लिए नोडल एजेंसी है। ADA रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) के तहत आता है।
- यह भारतीय वायुसेना के अन्य लड़ाकू विमानों से बेहतर होगा। दुश्मन के रडार से बचने के लिए हाईटेक स्टेल्थ टेक्नोलॉजी से लैस होगा। इंटरनेशनल लेवल पर इस्तेमाल हो रहे 5वीं पीढ़ी के अन्य स्टेल्थ लड़ाकू विमानों के जैसा या उससे भी बेहतर होगा।
- AMCA को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) भारत में ही बनाएगा। HAL पहले ही तेजस का उत्पादन कर रहा है।
- AMCA को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) भारत में ही बनाएगा। HAL पहले ही तेजस का उत्पादन कर रहा है।

AMCA स्वदेशी तकनीक से बनने वाला दूसरा फाइटर जेट

एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट यानी AMCA देश में ही विकसित होने वाला दूसरा फाइटर एयरक्राफ्ट होगा। इससे पहले भारत में लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (LCA) तेजस और उसके एडवांस्ड वर्जन तेजस मार्क-1 को तैयार किया जा चुका है। इसके और भी उन्नत संस्करण मार्क-1-ए पर काम चल रहा है।

मानसून को लेकर मौसम विभाग का ताजा पूर्वानुमान

झमाझम होगी बारिश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। मौसम विभाग की तरफ से जारी किए गए ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, इस साल सामान्य से अधिक बारिश होगी। मौसम विभाग ने मंगलवार को कहा कि भारत में बारिश औसत से 106 प्रतिशत अधिक होने की उम्मीद है। यह अनुमान अप्रैल में लगाए गए पूर्वानुमान से ज्यादा है। भारत में दीर्घावधि औसत वर्षा 868.6 मिमी है। मौसम विभाग ने कहा कि मानसून सीजन (जून से सितंबर) 2025 के दौरान पूरे देश में सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने कहा कि जून से सितंबर 2025 के दौरान, उत्तर-पश्चिम और पूर्वी भारत के कुछ क्षेत्रों और पूर्वोत्तर भारत के कई क्षेत्रों को छोड़कर देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है। आईएमडी जून के अंतिम सप्ताह में जुलाई की वर्षा का पूर्वानुमान जारी करेगा।

इन राज्यों में 2-3 दिनों में पहुंच रहा है तापमान

दक्षिण-पश्चिम मानसून एक सप्ताह पहले 24 मई को केरल में दस्तक दी। दक्षिण-पश्चिम मानसून की सामान्य शुरुआत की तारीख 1 जून है। अगले 2-3 दिनों के दौरान महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के कुछ हिस्सों में मानसून पहुंच सकता है। इसके साथ ही पूर्वोत्तर राज्यों के शेष हिस्सों और पश्चिम बंगाल और सिक्किम के कुछ हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए मौसम संबंधी स्थितियां अनुकूल हैं। बता दें कि पिछले पांच वर्षों के दौरान, मानसून दो मौकों- 2022 और 2024 में जल्दी आया है।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट
»मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
»सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
»असाध्य घाव/शुगर के घाव
»कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
»अचानक बहरापन (Hearing Loss)
»डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.
नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर
Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur
E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में अहम बैठक

पुरालेख को डिजिटल रूप में बदलेगा राजस्थान, डॉक्यूमेंट्स म्यूजियम भी बनेगा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य बजट घोषणा के अंतर्गत बीकानेर स्थित ऐतिहासिक पुरालेखों को डिजिटल प्रारूप में संरक्षित करने एवं 'डॉक्यूमेंट्स म्यूजियम' भवन के निर्माण को लेकर सचिवालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने की। इस अवसर पर प्रमुख शासन सचिव (पर्यटन) रवि जैन, बीकानेर आर्काइव्स के निदेशक नितिन गोयल सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि बीकानेर में मौजूद ऐतिहासिक दस्तावेजों को डिजिटलीकरण के माध्यम से संरक्षित किया जाए, ताकि भविष्य की पीढ़ियां इस धरोहर से जुड़ सकें। साथ ही उन्होंने डॉक्यूमेंट्स म्यूजियम भवन के निर्माण की प्रक्रिया को शीघ्र प्रारंभ करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुरालेख ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और शोध की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं और इन्हें संरक्षित करना हमारी प्राथमिकता है।

प्रदेश में बांसवाड़ा के रास्ते होगा मानसून का मंगल प्रवेश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। दक्षिण-पश्चिम मानसून ने देश में अपने निर्धारित समय से आठ दिन पहले ही दस्तक दे दी है। यह अब मुंबई तक भी पहुंच गया है। ऐसे में अब संभावना है कि मानसून जून के दूसरे सप्ताह तक बांसवाड़ा जिले के रास्ते राजस्थान में भी प्रवेश कर लेगा। बता दें कि बांसवाड़ा को राजस्थान का 'चेरापूंजी' कहा जाता है। राज्य में सबसे अधिक बारिश इसी जिले में दर्ज की जाती है। मानसून का प्रवेश भी पिछले कई साल से बांसवाड़ा के रास्ते ही आता रहा है। इस बार भी यही संभावना है कि इसी रास्ते राजस्थान में मानसूनी बादल अपनी मेहरबानी बरसाएंगे। यहां बारिश का सामान्य औसत 992 मिलीमीटर है। साल 2024 में 1084.78 मिलीमीटर बरसात हुई थी। बारिश को मापने के लिए 14 विभिन्न स्थानों पर वर्षामापी केंद्र स्थापित किए गए हैं।

इस साल मानसून समय से पहले आया

राजस्थान के बांसवाड़ा-डूंगरपुर जिले में यह मान्यता भी रही है कि मुंबई में बारिश होने के सात से 10 दिन के भीतर यहां भी बारिश शुरू हो जाती है। चूंकि, इस वर्ष मुंबई में मानसून समय से पहले आया है। ऐसे में यदि इन संभावनाओं पर गौर करें तो आगामी पखवाड़े के भीतर वागड़ में प्री-मानसून शुरू हो जाएगा।

हरमाड़ा से सीतापुरा दौड़ेगी जयपुर मेट्रो-2

43 किमी. के रूट में बनेंगे 36 स्टेशन

जागरूक जनता
ऑन लाइन पढ़ने के लिए स्कैन करें
ई-पेपर व अन्य खबरें देखें
jagrukjanta.net

जागरूक खबरें

दसवीं बोर्ड का रिजल्ट आज बुधवार को दोपहर 4.30 पर होगा जारी

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान बोर्ड ने कक्षा 10वीं के रिजल्ट जारी होने की तारीख का ऐलान कर दिया है। बोर्ड ने कहा कि 10वीं कक्षा का परिणाम आज बुधवार को जारी किया जाएगा। ऐसे में जो उम्मीदवार इस साल कक्षा 10वीं की परीक्षा में शामिल हुए हैं वे आधिकारिक वेबसाइट rajeduboard.rajasthan.gov.in और rajresults.nic.in पर जाकर अपना रिजल्ट देख सकेंगे।

मॉडर्न टेलर्स एण्ड फैब्रिक्स के नए शोरूम का उद्घाटन आज

जयपुर @ जागरूक जनता। मॉडर्न टेलर एण्ड फैब्रिक्स के नए शोरूम का बुधवार प्रातः 10.15 बजे ऑपनिंग सेरेमनी कार्यक्रम आयोजित होगा। शोरूम ओपनिंग की जानकारी देते हुए मोहन नामदेव ने बताया कि खोरा बीसल के मुख्य बाजार में संस्था की नई ब्रांच खोली जा रही है, जिसका उद्घाटन 28 मई को किया जायेगा।

बीओटी कंसल्टिंग ने ग्लोबल बाजार में रखा कदम

जयपुर @ जागरूक जनता। अगली पीढ़ी के वेंचर स्टूडियो बीओटी कंसल्टिंग ने ग्लोबल डिलीवरी सेंटर्स (जीडीसी) के लिए जयपुर में अपनी नई एसईजेड सुविधा के साथ भारतीय बाजार में आज प्रवेश किया। बीओटी कंसल्टिंग के सीईओ मनप्रीत सिंह ने मंगलवार को यहां मीडिया को यह जानकारी देते हुए बताया कि बीओटी कंसल्टिंग ने 2.5 एकड़ में फैले, महिंद्रा वर्ल्ड सिटी जयपुर में अपने 250 से अधिक सीटर डिलीवरी सेंटर का निर्माण किया है जो कि 500 से अधिक उच्च गुणवत्ता वाली टेक्निकल जॉब्स रिं एट करेगी। राजस्थान सरकार के साथ हुए 10 नवंबर 2024 को एमओयू पर हस्ताक्षर के साथ बीओटी कंसल्टिंग जयपुर की प्रतिष्ठा को भारत के नवाचार, प्रतिभा और डिजिटल बुनियादी ढांचे के लिए उभरते केंद्र के रूप में और मजबूत करेगा। यह विस्तार टियर-2 शहरों में टिकाऊ, उच्च-प्रदर्शन वाले डिलीवरी इकोसिस्टम के निर्माण के बीओटी के विजन की नींव रखता है, जो ग्लोबल परिवर्तन के लिए तैयार हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार के साथ हुए एमओयू के अनुसार काम शुरु कर दिया गया हैं।

डीपीआर को मुख्यमंत्री ने दी स्वीकृति, केन्द्र की मंजूरी मिलते ही शुरू होगा काम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर मेट्रो फेज-2 की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) का अनुमोदन कर दिया है। इस डीपीआर को मेट्रो रेल नीति 2017 के तहत केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय से स्वीकृति के लिए भिजवाया गया है। केन्द्र सरकार की मंजूरी मिलते ही जयपुर में इस परियोजना का निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। गौरतलब है कि वर्ष 2025-26 के राज्य बजट में जयपुर मेट्रो के फेज-2 का कार्य हाथ में लिए जाने की घोषणा की गई थी। उधर, मंगलवार को सीतापुरा से टोडी मोड़ तक प्रस्तावित मेट्रो परियोजना को लेकर आज एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता राज्य की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी जी ने की।

42.80 किलोमीटर का रूट, कुल 36 स्टेशन बनेंगे

जयपुर मेट्रो फेज टू का यह प्रोजेक्ट शहर के उत्तर-दक्षिण मुख्य ट्रांजिट कॉरिडोर टोडी मोड से प्रहलादपुरा तक प्रस्तावित है। डीपीआर के मुताबिक इस रूट की कुल लंबाई लगभग 42.80 किलोमीटर होगी। इसमें कुल 36 स्टेशन बनाए जाने प्रस्तावित हैं। 34 मेट्रो स्टेशन एलीवेटेड और 2 स्टेशन अंडरग्राउंड बनाया जाना तय किया गया है। मेट्रो फेज टू का यह कॉरिडोर शहर के प्रमुख आवासीय, व्यावसायिक, शैक्षणिक और वीकेआई, तथा सीतापुरा जैसे औद्योगिक क्षेत्र को आपस में जोड़ेगा। दूसरे चरण में हवाई अड्डे के प्रस्तावित नवीन टर्मिनल के ठीक नीचे एक भूमिगत मेट्रो स्टेशन का प्रस्ताव किया गया है। जिससे निर्बाध कनेक्टिविटी उपलब्ध हो सकेगी। फेज-2 का काम पूरा होने पर जयपुर शहर के टोंक रोड, विद्याधर नगर, प्रस्तावित अंतरराज्यीय बस टर्मिनल्स, सवाई मानसिंह अस्पताल, सवाई मानसिंह स्टेडियम, कलेक्ट्रेट जैसे महत्वपूर्ण स्थलों को भी सीधे कनेक्टिविटी मिलेगी। जयपुर मेट्रो के प्रस्तावित फेज-2 को वर्तमान में मानसरोवर से बड़ी चौपड तक संचालित फेज-1 से कनेक्टिविटी हेतु फेज-1 के रेलवे स्टेशन मेट्रो स्टेशन से प्रस्तावित खासा कोठी मेट्रो स्टेशन के मध्य एक फुट ओवर ब्रिज तथा गवर्नमेंट हॉस्टल और चांदपोल मेट्रो स्टेशन के बीच एक स्पर लाइन भी प्रदान की गई है जिससे दोनों एलाइनमेंट के बीच निर्बाध आने-जाने की सुविधा मिल सकेगी।

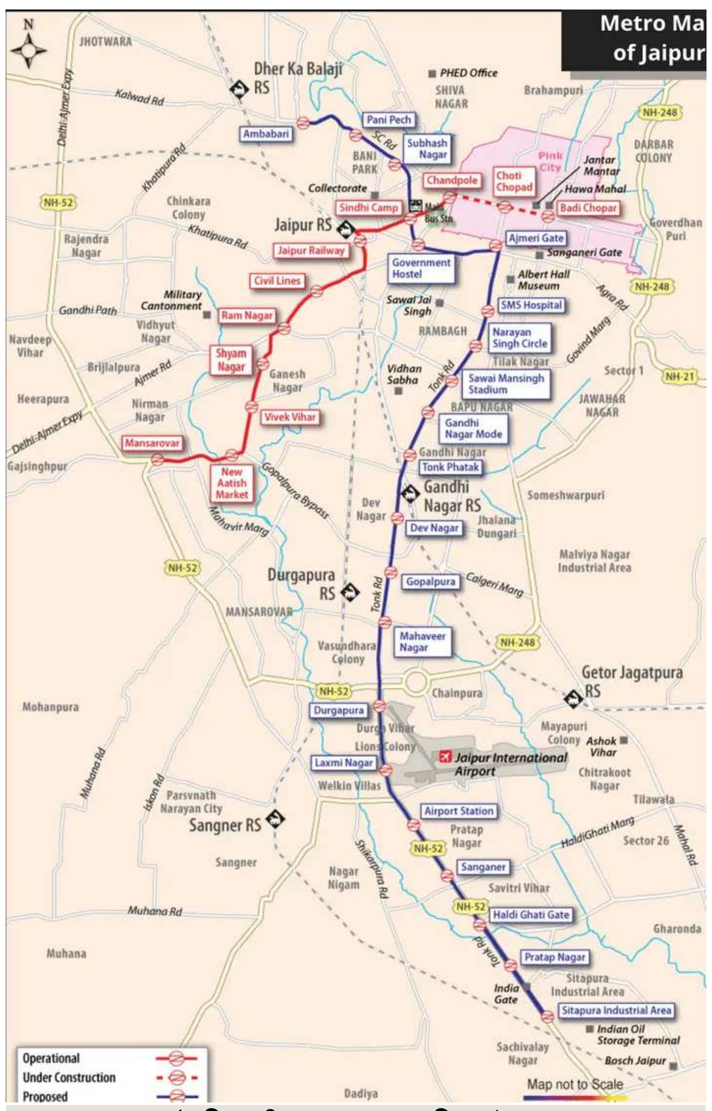

जयपुर के लिए मील का पत्थर साबित होगा यह रूट

जयपुर मेट्रो फेज टू का यह रूट शहरी परिवहन के क्षेत्र के लिए एक नया मील का पत्थर साबित होगा। इस प्रोजेक्ट से न केवल जयपुर वासियों का सफर सुगम होगा बल्कि शहर की अर्थव्यवस्था और निवेश की संभावनाओं को भी नई ऊंचाइयां मिलेंगी। मेट्रो फेज टू परियोजना का रिं यान्वयन राज्य एवं केंद्र सरकार की नई 50 अनुपात 50 प्रतिशत संयुक्त उद्यम कंपनी राजस्थान मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन द्वारा किया जाएगा। यह कंपनी जयपुर शहर की सभी वर्तमान और भविष्य की मेट्रो परियोजनाओं की जिम्मेदारी निभाएगी। मेट्रो फेज टू की लागत 12, 260 करोड़ रुपये आंकी गई है। इस परियोजना के लिए एडीबी और एआईआईबी ने वित्तीय ऋण प्रदान करने की सहमति दी है।

हवाई अड्डे के नीचे बनेगा अंडरग्राउंड स्टेशन

जयपुर मेट्रो के दूसरे चरण में हवाई अड्डे के प्रस्तावित नवीन टर्मिनल के ठीक नीचे एक अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन का प्रस्ताव किया गया है, जिससे निर्बाध कनेक्टिविटी उपलब्ध हो सकेगी। फेज-2 के माध्यम से टोंक रोड, विद्याधर नगर, प्रस्तावित अंतरराज्यीय बस टर्मिनल्स, सवाई मानसिंह अस्पताल, सवाई मानसिंह स्टेडियम, कलेक्ट्रेट जैसे महत्वपूर्ण स्थलों को भी सीधे कनेक्टिविटी मिलेगी।

इन स्टेशनों से होकर गुजरेगी जयपुर मेट्रो

टोडी मोड़, हरमाड़ा घाटी, हरमाड़ा, वीकेआई रोड नंबर 14, वीकेआई रोड नंबर 9, वीकेआई रोड नंबर 5, विद्याधर नगर, सेक्टर 2, भवानी निकेतन, अंबाबाड़ी, पानीपेच, कलेक्ट्रेट, खासा कोठी सर्कल, गवर्नमेंट हॉस्टल, अशोक मार्ग, एसएमएस हॉस्पिटल, नारायण सिंह सर्कल, रामबाग सर्कल, नेहरू पैलेस, गांधीनगर स्टेशन, गोपालपुरा, दुर्गापुरा, बीटू बायपास चौराहा, पिंजरापोल गौशाला, हल्दीघाटी गेट, कुंभा मार्ग, जीईसीसी, सीतापुरा, गोनेर मोड़, बीलवा, बीलवा कलां, सहारा सिटी, प्रहलादपुरा।

36 स्टेशन में से 2 स्टेशन होंगे अंडरग्राउंड

यह परियोजना जयपुर शहर के उत्तर-दक्षिण मुख्य ट्रांजिट कॉरिडोर टोडी मोड से प्रह्लादपुरा तक प्रस्तावित है, जिसकी लंबाई लगभग 42.80 किलोमीटर होगी। इसमें कुल 36 स्टेशन प्रस्तावित हैं जिनमें से 34 एलीवेटेड और 2 अंडरग्राउंड होंगे। यह कॉरिडोर शहर के प्रमुख आवासीय, व्यावसायिक, शैक्षणिक एवं औद्योगिक क्षेत्रों जैसे वीकेआई औद्योगिक क्षेत्र तथा सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र को आपस में जोड़ेगा। इसके अतिरिक्त, दूसरे चरण में हवाई अड्डे के प्रस्तावित नवीन टर्मिनल के ठीक नीचे एक भूमिगत मेट्रो स्टेशन का प्रस्ताव किया गया है, जिससे निर्बाध कनेक्टिविटी उपलब्ध हो सकेगी। फेज-2 के माध्यम से टोंक रोड, विद्याधर नगर, प्रस्तावित अंतरराज्यीय बस टर्मिनल्स, सवाई मानसिंह अस्पताल, सवाई मानसिंह स्टेडियम, कलेक्टेउट जैसे महत्वपूर्ण स्थलों को भी सीधे कनेक्टिविटी मिलेगी।

एक फुट ओवर ब्रिज भी

जयपुर मेट्रो के प्रस्तावित फेज-2 को वर्तमान में मानसरोवर से बड़ी चौपड तक संचालित फेज-1 से कनेक्टिविटी के लिए फेज-1 के रेलवे स्टेशन मेट्रो स्टेशन से प्रस्तावित खासा कोठी मेट्रो स्टेशन के मध्य एक फुट ओवर ब्रिज और गवर्नमेंट हॉस्टल और चांदपोल मेट्रो स्टेशन के बीच एक स्पर लाइन भी बनाई जाएगी। जिससे दोनों एलाइनमेंट के बीच निर्बाध आने-जाने की सुविधा मिल सकेगी।

12,260 करोड़ आएगा खर्च

इस परियोजना का क्रियान्वयन राज्य व केंद्र सरकार की नई 50-50 संयुक्त उद्यम कंपनी राजस्थान मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन की ओर से किया जाएगा। यह कंपनी जयपुर शहर की सभी वर्तमान और भविष्य की मेट्रो परियोजनाओं की जिम्मेदारी संभालेगी। लगभग 12 हजार 260 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत वाली इस परियोजना के लिए एडीबी और एआइआइबी ने वित्तीय ऋण देने की सहमति दी है।

लेशिष जैन जार जयपुर के अध्यक्ष और विशाल माथुर महासचिव बने

जयपुर @ जागरूक जनता। जयपुर के वरिष्ठ पत्रकार लेशिष जैन को जार (जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान) की जयपुर ईकाई के अध्यक्ष और विशाल माथुर को महासचिव पद पर नियुक्त किया गया है। जैन कई समाचार पत्रों में काम कर चुके हैं। माथुर को पत्रकारिता के विभिन्न क्षेत्रों में काम करने का अनुभव है। दोनों पदाधिकारी जल्द ही जयपुर शहर की कार्यकारिणी गठित करेंगे। साथ ही जार के विस्तार, मजबूती के लिए समय देकर काम करेंगे।

क्षेत्र के वरिष्ठ समाजसेवी शंकर शर्मा का सम्मान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। संतश्री बाबा मेहरदास मंदिर ट्रस्ट ने वरिष्ठ समाजसेवी शंकर शर्मा को मंदिर में श्रेष्ठ सेवाओं के लिये अध्यक्ष लोकचंद हरिरामाणी ने सम्मानित किया। सम्मान में शाल ओढ़ाकर मिष्ठान आ पैकेट भेंट किया गया। इस मौके पर ट्रस्ट के अध्यक्ष हरिरामानी ने बताया कि शंकर शर्मा ने गत एक वर्ष से मंदिर में सुन्दर कांड के ग्रुप पाठ, मंदिर की साज सजावट से लेकर सफाई की शानदार व्यवस्था बनाये रखने में अहम् भूमिका निभाई है। समारोह में नगेन्द्र वशिष्ठ, शशि हरिरामानी एवं पूजा प्रभारी मधु शर्मा, देवेन्द्र शर्मा, रमेश, गणेश सभी की सहभागिता रही।

उत्साह से निकाली तिरंगा यात्रा, एकता, देशभक्ति का दिया संदेश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। ऑपरेशन सिंदूर के बाद देशभर में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में विद्याधर नगर वार्ड 24 लाइब्रेरी शिव हनुमान मंदिर से तिरंगा यात्रा पूरे उत्साह, उमंग के साथ निकाली गई। यात्रा भैरव मंदिर, राधा गोविंद मंदिर से होती हुई जे.पी. कॉलोनी स्थित श्री लीलाधारी हनुमान मंदिर पर विसर्जित हुई। जिसमें विद्याधर नगर मंडल के सभी कार्यकर्ता, पार्षद, गणमान्य लोग तिरंगा यात्रा में सम्मिलित हुए। इस दौरान जयपुर शहर सांसद मंजू शर्मा, पार्षद रूपकंवर, राकेश कुमार अग्रवाल भाजपा विद्याधर नगर मंडल अध्यक्ष पंडित मनोज शर्मा, वार्ड 24 अध्यक्ष सतीश जागा, युवा मोर्चा अध्यक्ष वार्ड 24 हर्षा सागर महिला मोर्चा अध्यक्ष वार्ड 24, बूथ अध्यक्ष रवि शंकर शर्मा विकास मीणा मनोज सैन भगवान सहाय हरिओम सिंह चौहान सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने तिरंगा रैली में सभागिता निभाई।

मस्ती की पाठशाला" में बच्चों ने लिया आध्यात्मिक आनंद, जुंबा-योग और मैजिक शो से बढ़ा उत्साह

जैन युवक परिषद के धार्मिक शिविर बन रहे प्रेरणा स्रोत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। श्री जैन रत्न युवक परिषद, जयपुर के तत्वावधान में धार्मिक शिक्षण एवं नैतिक संस्कार शिविर के अंतर्गत रामबाग स्थित निजी विद्यालय में "मस्ती की पाठशाला" का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य बच्चों के आध्यात्मिक, मानसिक व शारीरिक विकास के साथ-साथ उन्हें नैतिक मूल्यों की शिक्षा देना रहा। कार्यक्रम प्रभारी पीयूष जैन ने बताया कि कार्यक्रम में जुंबा, योग, ध्यान, मेडिटेशन और मैजिक शो जैसी गतिविधियों के माध्यम से बच्चों का उत्साहवर्धन किया गया। इस आयोजन में जयपुर के विभिन्न क्षेत्रों से आए 13 शिविरों के लगभग 600 बच्चों, शिक्षकों एवं संयोजकों ने भाग लिया।

बच्चों को अच्छे योग प्रदर्शन के लिए पुरस्कार भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने अत्यंत आनंद और मस्ती की अनुभूति की। एक ही स्थान पर इतने शिविरों का समागम अपने आप में अद्भुत, अकल्पनीय और अत्यंत प्रशंसनीय रहा। कार्यक्रम की विशेष प्रस्तुति में प्रसिद्ध गायिका डॉ. सीमा दफ्तरी का योगदान सराहनीय रहा, जिन्होंने अपने संगीत से बच्चों को आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान की। कार्यक्रम प्रभारी पीयूष जैन ने बताया कि परिषद के अध्यक्ष सुनील कोठारी, कार्याध्यक्ष पीयूष सुराणा, मंत्री अभिनंदन जामड, उप शाखा प्रमुख आशीष बोथरा और अभिनव गोखरू, कोषाध्यक्ष अर्पित मूसल तथा संयुक्त सचिव अनंत जैन और रवि जैन की सक्रिय भूमिका रही। शिविर संयोजक रजत सुखलेचा और अमोघ जैन ने शिविर संचालन में योगदान दिया।

कोठारी ने बताया कि गर्मी की छुट्टियों में जयपुर शहर के विभिन्न13 स्थानों पर धार्मिक एवं नैतिक शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। शिविरों में बच्चों को धार्मिक, नैतिक और संस्कारों की शिक्षा दी जा रही है। उन्होंने बताया कि लगातार 30 वर्षों से ये शिविर जयपुर शहर के विभिन्न स्थानों पर आयोजित किए जा रहे हैं।

6 से 12 तक के विद्यार्थियों की निःशुल्क आर-कैट टेक वर्कशॉप-समर कैंप 3 से

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान सेंटर फॉर एडवांस्ड टेक्नोलॉजी (आर-कैट) कक्षा 6 से 12 के विद्यार्थियों के लिए एक रोमांचक टेक वर्कशॉप-समर कैंप 2025 का आयोजन कर रहा है। जयपुर स्थित आर-कैट परिसर में 3 जून से शुरू होने वाला यह समर कैंप विद्यार्थियों को तकनीक की दुनिया में कदम रखने और भविष्य के लिए तैयार होने का सुनहरा अवसर प्रदान करेगा। इस समर कैंप में विद्यार्थियों को ग्राफिक डिजाइन, वेबसाइट डेवलपमेंट का परिचय, पायथन प्रोग्रामिंग का परिचय, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का परिचय, वीडियो एडिटिंग और कंटेंट क्रिएशन तथा नो-कोड प्लेटफॉर्म के माध्यम से मोबाइल ऐप डेवलपमेंट जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की जाएगी। यह समर कैंप छात्रों को तकनीकी कौशल विकसित करने और भविष्य की डिजिटल दुनिया के लिए तैयार होने का अनूठा अवसर प्रदान करेगा। 3 जून से प्रतिदिन सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित होने वाले इस निःशुल्क समर कैंप के लिए विद्यार्थियों को सिक्योरिटी डिपॉजिट के रूप में 1000 रुपए जमा करवाने होंगे, जो वापसी योग्य हैं। समर कैंप से सभी पाठ्यक्रमों के लिए सीटें सीमित हैं। अधिक जानकारी आर-कैट की वेबसाइट पर उपलब्ध है- https://rcat.rajasthan.gov.in/

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में नीति आयोग की शासी परिषद की 10वीं बैठक

आर्थिक समृद्धि, सतत विकास व समावेशी प्रगति का रोडमैप होगा 'विकसित राजस्थान@2047' विजन डॉक्यूमेंट

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में विकसित राजस्थान का संकल्प हो रहा साकार - मुख्यमंत्री शर्मा

राज्य में जल और ऊर्जा सुरक्षा के बिन्दुओं पर केन्द्र सरकार से और अधिक सहयोग का किया अनुरोध

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को नई दिल्ली के भारतमंडपम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की शासी परिषद की दसवीं बैठक में शामिल हुए। मुख्यमंत्री शर्मा ने बैठक में विकसित राजस्थान के संकल्प को पूरा करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की विस्तार से चर्चा की और प्रदेश में जल और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार से अधिक सहयोग का भी अनुरोध किया।

बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार विकसित राजस्थान का लक्ष्य हासिल करने के लिए हर पहलू पर तेजी से काम कर रही है। इसी दिशा में आर्थिक समृद्धि, सतत् विकास और समावेशी प्रगति को केन्द्र में रखते हुए नीति आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप 'विकसित राजस्थान@2047' विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में ऑपरेशन सिंदूर से देश को विश्व में मिला सम्मान

मुख्यमंत्री शर्मा ने अपने संबोधन में ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ सशक्त एवं साहसी रूख दिखाकर देश को वैश्विक मंच पर जो सम्मान दिलाया है उसके लिए मैं उनका आभार एवं धन्यवाद प्रकट करता हूं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व से हमें गहरी प्रेरणा मिली है तथा राज्य स्तर पर हम राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी सभी पहलों को पूरा समर्थन देने के लिए और भी अधिक दृढ़ संकल्पित हुए हैं। शर्मा ने कहा कि दो दिन पहले 22 मई को प्रधानमंत्री जी के सीमावर्ती बीकानेर जिले में संबोधन के समय जनसाधारण में जो अद्भुत उत्साह एवं राष्ट्रभक्ति का जज्बा देखने को मिला वैसा भावुक दृश्य मैंने अपने जीवन में कभी नहीं देखा। ये जनता का प्रधानमंत्री के प्रति अटूट विश्वास दर्शाता है।

उन्होंने रामजल सेतु लिंक परियोजना तथा यमुना जल समझौते को मूर्त रूप देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ये जल परियोजनाएं विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने में अहम भूमिका निभाएंगी।

राइजिंग राजस्थान समिट से मिली निवेश को नई उड़ान

शर्मा ने कहा कि विकसित राजस्थान के पथ पर आगे बढ़ने के लिए प्रदेश में निवेश बहुत जरूरी है। इसके लिए हमारी सरकार ने अपने कार्यकाल के पहले ही साल में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का सफल आयोजन कर 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त किए हैं तथा इन प्रस्तावों में से सवा तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव धरातल पर प्रारम्भ हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने एक जिला एक उत्पाद नीति 2024, एमएसएमई पॉलिसी 2024, निर्यात प्रोत्साहन नीति 2024, एकीकृत क्लस्टर विकास योजना, टेक्सटाइल एवं अपैरल पॉलिसी 2025, लॉजिस्टिक पॉलिसी 2025, डाटा सेंटर पॉलिसी 2025 को तैयार करके राजस्थान में समावेशी विकास और रोजगार के अवसर सृजन करने की दिशा में उत्कृष्ट कार्य किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस आधारित इंडस्ट्रीयल पॉलिसी शीघ्र जारी की जाएगी। इस नीति के माध्यम से ग्रीन टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देने के लिए रिसर्च और डेवलपमेंट पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य में 15 औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना हेतु 2000 करोड रुपए से अधिक के कार्य प्रारंभ किए गए हैं तथा 20 नए औद्योगिक क्षेत्र भूखंड आवंटन हेतु खोले गए हैं जिससे राज्य के औद्योगिक विकास एवं विकास दर को नई ऊंचाइयों पर ले जाया जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में समयबद्ध रूप से भर्ती परीक्षा आयोजित करवाकर 67 हजार से अधिक पदों पर नियुक्तियां प्रदान की गई है तथा 1 लाख 87 हजार पदों हेतु प्रक्रिया विभिन्न चरणों में है।

सर्कुलर इकोनॉमी बनेगी विकास की वाहक

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि सर्कुलर इकोनॉमी के व्यापक प्रचार प्रसार के लिए राजस्थान सर्कुलर इकोनॉमी इंसेंटिव स्कीम 2025 लाई जा रही है जिसके अंतर्गत रिसाइक्लिंग, रीयूज के क्षेत्र में रिसर्च एवं डवलपमेंट के लिए 2 करोड रुपए का अनुदान दिया जाएगा। साथ ही, सर्कुलर इकोनॉमी के क्षेत्र में कार्यरत एमएसएमई, स्टार्टअप को विभिन्न योजनाओं में दिए जा रहे ऋण अनुदान में 0.5 प्रतिशत की अतिरिक्त छूट प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य में 15 वर्ष से पुराने वाहनों का उपयोग निषिद्ध करने तथा नई टेक्नोलॉजी के प्रदूषण रहित वाहनों के उपयोग को प्रोत्साहन देने के लिए राजस्थान व्हीकल स्क्रैप पॉलिसी लाई जा रही है।

अक्षय ऊर्जा में राजस्थान सिरमौर

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सरकार ने अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में कई अहम कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि अक्षय ऊर्जा क्षमता में 10000 मेगावाट की वृद्धि की गई है तथा राजस्थान सौर ऊर्जा एवं अक्षय ऊर्जा क्षमता में देश में प्रथम स्थान पर है। राज्य में पीएम कुसुम योजना, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, नवीन राजस्थान एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति की बेहतर क्रियान्विति के लिए लगातार प्रयास किया जा रहे हैं।

केन्द्र सरकार से किए गए अनुरोध

मुख्यमंत्री ने बैठक में केंद्र सरकार से अनुरोध करते हुए कहा कि पोंग बांध की कुल भराव क्षमता 1400 फीट ऊंचाई तक अनुमत है लेकिन पर्याप्त वर्षा के दौरान भी इस बांध में अधिकतम सीमा तक जल भराव नहीं किया जा रहा है। पोंग बांध को पूर्ण क्षमता तक जल भराव करने के संबंध में शीघ्र निर्णय लिया जाए जिससे भागीदार राज्यों को अपने हिस्से का पूर्ण जल प्राप्त हो सके। साथ ही उन्होंने 51.5 किलोमीटर लंबी फिरोजपुर फीडर की लाइनिंग हेतु स्वीकृति शीघ्र प्रदान करने का भी आग्रह किया। शर्मा ने आग्रह किया कि कालीसिंध और छबड़ा थर्मल परियोजनाओं में अतिरिक्त इकाइयों एवं 3200 मेगावाट की नई थर्मल इकाई को पिट हैड से 500 किलोमीटर से अधिक दूरी होने के कारण राज्य में स्थापना हेतु शिथिलन प्रदान की जाए। साथ ही, उन्होंने साउथ ईस्टर्न कोल फील्ड से दिए जा रहे 20 लाख मीट्रिक टन कोयले को नॉर्दन कोलफील्ड से उपलब्ध करवाने का भी अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने राज्य में ऊर्जा सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए केंद्र सरकार से आग्रह किया कि पीएम कुसुम योजना के कंपोनेंट-ए के तहत राज्य को 5000 मेगावाट ऊर्जा उत्पादन तथा बैट्री स्टोरेज के लिए 5000 मेगावाट आवर का अतिरिक्त लक्ष्य आवंटित किया जाए। साथ ही, उन्होंने राजस्थान को आवंटित 115 गीगावाट बिजली उत्पादन के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु 40 गीगावाट अतिरिक्त ऊर्जा के इवेक्युएशन हेतु प्लान तत्काल बनाने का अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री शर्मा ने नई दिल्ली स्थित राजस्थान हाउस के पुनर्निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

प्रदेश की कलात्मक स्थापत्य शैली का खूबसूरत तरीके से होगा समन्वय

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली/जयपुर। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने नई दिल्ली के पृथ्वीराज रोड़ स्थित राजस्थान हाउस के पुनर्निर्माण कार्यो का निरीक्षण किया। शर्मा ने अधिकारियों को कार्यों में और अधिक गति लाते हुए तय समय-सीमा में इन्हें पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करते हुए पुनर्निर्माण कार्य को पूरा किया जाए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को जानकारी दी कि राजस्थान हाउस के पुनर्निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जा रहा है। लोअर बेसमेंट में अंडर ग्राउंड वाटर टैंक एवं सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के सिविल कार्य पूर्ण होने के साथ ही हाउस के ऊपरी भाग के स्ट्रक्चर निर्माण का करीब 70 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है।उल्लेखनीय है कि नई दिल्ली स्थित राजस्थान हाउस का पुनर्निर्माण कार्य चल रहा है। इस कार्य में राजस्थान की कलात्मक स्थापत्य शैली का खूबसूरत तरीके से समन्वय किया जाएगा। भवन की बाहरी दीवार पर धौलपुर सैण्ड स्टोन का कार्य किया जाएगा। नवीन राजस्थान हाउस में दो बेसमेंट, भूतल और 6 फ्लोर का प्रावधान रखा गया है। भवन के बेसमेंट में पार्किंग तथा मुख्य भवन में लॉबी, कैफेटेरिया, वेटिंग एरिया, डाईनिंग एरिया, फव्वारा, हैंगिंग झूमर, एट्रियम आदि बनाए जाएंगे। वहीं प्रथम तल पर कॉन्फ्रेंस हॉल, पुस्तकालय व जिम तथा छत पर टैरेस गार्डन, पार्टी हॉल, योग कक्ष आदि की सुविधाएं मिलेंगी।

मुख्यमंत्री ने श्री बटुक भैरव मंदिर में किए दर्शन

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जनपथ लेन स्थित देवस्थान विभाग द्वारा संचालित श्री बटुक भैरव मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

नगरीय निकाय पुर्नगठन एवं पुर्नसीमांकन के प्रस्तावों को समीक्षा बैठक आयोजित

जयपुर @ जागरूक जनता। मंत्रिमण्डल सचिवालय, राजस्थान सरकार के आदेशों की अनुपालना में मंगलवार को स्वायत्त शासन विभाग के सभागार में राज्य में नगरीय निकायों के पुनर्गठन एवं पुनर्सीमांकन के प्राप्त प्रस्तावों को लेकर परीक्षण एवं समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मंत्रीमण्डलीय उप समिति के सदस्य राज्यमंत्री वन विभाग संजय शर्मा, राज्यमंत्री सहकारिता विभाग गौतम कुमार तथा समिति के संयोजक राज्यमंत्री नगरीय विकास विभाग झाबर सिंह खर्रा द्वारा इस बैठक में अजमेर, कोटा, उदयपुर और बीकानेर संभाग की नगरीय निकायों के पुनर्गठन एवं पुनर्सीमांकन के प्रस्तावों पर समीक्षा एवं गहन चर्चा की गई। उल्लेखनीय है कि जोधपुर, भरतपुर एवं जयपुर संभाग की नगरीय निकायों के पुनर्गठन एवं पुनर्सीमांकन के प्रस्तावों पर मंत्रीमण्डलीय उप समिति की अगली बैठक बुधवार को आयोजित की जायेगी।

स्वर्ण जयंती पार्क, मजार डेम एवं किशन बाग मॉडल रूप में होगा विकसित-दीया

क्षेत्र को राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक बनाने की संभावनाओं पर किया गया विचार-विमर्श

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य बजट घोषणा की स्वीकृति के तहत विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र स्थित स्वर्ण जयंती पार्क, मजार डेम एवं किशन बाग के धोरों को भारतीय सेना के सहयोग से मॉडल स्वरूप में विकसित किए जाने को लेकर आज एक महत्वपूर्ण संयुक्त बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में परियोजना के विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (DPR) पर गहन चर्चा की गई। यह बैठक राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ साउथ वेस्टर्न कमांड लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, जयपुर विकास प्राधिकरण की आयुक्त आनंदी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में क्षेत्र के समग्र विकास, सौंदर्यीकरण, पर्यावरण संरक्षण तथा पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ सैन्य सहयोग के माध्यम से क्षेत्र को राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक बनाने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। परियोजना का मुख्य उद्देश्य इन क्षेत्रों को स्वच्छ, हरित एवं शैक्षणिक मनोरंजन से युक्त विकसित करना है, जिससे स्थानीय नागरिकों, युवाओं, बच्चों और पर्यटकों को एक समृद्ध एवं प्रेरणादायक वातावरण मिल सके। इस पहल से न केवल क्षेत्रीय विकास को गति मिलेगी बल्कि सेना और नागरिक प्रशासन के समन्वित प्रयासों से एक आदर्श मॉडल भी प्रस्तुत होगा, जो राज्य के अन्य क्षेत्रों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा।

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक में की मानसून पूर्व तैयारियों की समीक्षा

मानसून से पहले सुनिश्चित हों बाढ़ नियंत्रण एवं बचाव के समस्त आवश्यक इंतजाम-कलक्टर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को मानसून सीजन से पहले बाढ़ नियंत्रण एवं बचाव के सभी आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। कलक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक का आयोजन हुआ। जिसमें मानसून पूर्व तैयारियों की समीक्षा की गई।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने विभागीय अधिकारियों को अलर्ट मोड पर रहते हुए आपसी समन्वय स्थापित करते हुए बाढ़ नियंत्रण एवं बचाव कार्यों को सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम जयपुर ग्रेटर एवं जयपुर हैरिटेज के अधिकारियों को सिवरेज एवं नालों की गुणवत्तापूर्ण सफाई का कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करने, सफाई के बाद सड़क पर जमा कीचड़ एवं गंदगी का उठाव करवाने, खुले सिवरेज के खुले चौंबर्स और मेनहोल पर ढक्कन लगावाने एवं नालों पर फैरो कवर लगवाने के निर्देश दिये। जिला कलक्टर ने बाढ़ नियंत्रण कक्षों की स्थापना के साथ-साथ मिट्टी के कट्टों, ट्रेक्टर-ट्रॉलियों, जेसीबी, पोकलेन, मडपंप, सहित मानव संसाधन की उपलब्धता भी सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया।

बैठक में जिला कलक्टर ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को ढीले तारों को कसने, झुके हुए बिजली के पोलों को सीधा करने, खुले फीडरों बंद करने, खुले तारों को दुरुस्त करने एवं लो-लाइन पैनल बॉक्स एवं ट्रांसफार्मर को ऊंचाई पर लगवाने एवं मानसून सीजन के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को पाइप लाइन की लीकेज दुरुस्त करने, आवश्यकता होने पर टैंकरों से पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था करने के निर्देश दिये। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को जिले के सभी बांधों पर सहज दृश्य एवं बड़े अक्षरों में अंकित चेतावनी बोर्ड लगवाने के निर्देश दिये। उन्होंने पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों को जिले के सभी छोटे बड़े तालाबों पर चेतावनी बोर्ड लगवाने के निर्देश दिये।

सम्पादकीय

बेनकाब होगा पाकिस्तान

ऑपरेशन सिंदूर के जरिये पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ढांचों को नष्ट करने के बाद अब समय है इस्लामाबाद की हकीकत और भारत के बदले रुख से दुनिया को वाकिफ कराने का। पाकिस्तान तब तक अपनी हरकतों से बाज नहीं आएगा, जब तक उसे कुछ देशों का समर्थन मिलता रहेगा। इस समर्थन को कूटनीति के जरिये ही खत्म किया जा सकता है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने देश को आतंकवाद के खिलाफ अपनी रणनीति बदलने पर मजबूर किया है। अभी तक पाकिस्तान अपनी करतूतों को परमाणु बम की ओट में छिपाता रहा था, लेकिन नई दिल्ली ने साफ चेतावनी दे दी है कि यह धमकी अब नहीं चलेगी। अगर पाकिस्तानी सेना ने आतंकियों की आड़ में भारत में अस्थिरता फैलाने की कोशिश की, तो उसे मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर आतंक के खिलाफ लड़ाई में भारत का न्यू नॉर्मल है और दुनिया को पता होना चाहिए कि पाकिस्तान की टेरर पॉलिसी के चलते यह नौबत आई है। अपने यहां मौजूद आतंकी ढांचों पर एक्शन तो दूर, पाकिस्तान ने उन्हें हमेशा बचाने की कोशिश की। ये अड्डे हिंदुस्तान और बाकी दुनिया के लिए भी बड़ा खतरा बने हुए थे।

पाकिस्तान ने संघर्ष को भड़काने के लिए खूब झूठ फैलाया। उसका यह चेहरा बेनकाब करने की जरूरत है कि भारत से टक्कर की चाहत में वह अपने नागरिकों को भी ढाल बना लेता है, और नई दिल्ली की लड़ाई आम लोगों से नहीं बल्कि आतंकियों और उनके आकाओं से है। हिंदुस्तान ने सिंधु जल संधि को इसलिए निलंबित किया, क्योंकि एक तो इस ट्रीटी में भारतीय हितों का ख्याल नहीं रखा गया था और दूसरे, पाकिस्तान ने कभी पड़ोसी धर्म नहीं निभाया। पाकिस्तान को पानी पर सहानुभूति बटोरने का मौका नहीं मिलना चाहिए।

पाकिस्तान बार-बार दुस्साहस इसलिए कर पाता है, क्योंकि उसे चीन और तुर्किये जैसे देशों से मदद मिल जाती है। इस बार भी इन दोनों मुल्कों ने अपने निहित स्वार्थ के चलते पाकिस्तान को सपोर्ट किया। भारत की कूटनीतिक पहल से दोनों देशों पर दबाव पड़ेगा और दूसरे देश भी पड़ोसी मुल्क की सच्चाई से वाकिफ होंगे। सरकार ने सातों डेलिगेशन में सभी दलों के प्रतिनिधियों को शामिल किया है। यह दिखाता है कि राजनीतिक मतभेदों को भुलाकर राष्ट्रीय हित के मसले पर पूरा देश एक है - आतंकवाद से लड़ाई में सरकार को सभी का समर्थन हासिल है। भारत की एकजुटता संदेश है और चेतावनी भी कि पाकिस्तान से सीमापार आतंक का सच हम सभी देशों के सामने लाने को प्रतिबद्ध हैं।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी भारत पुलवामा आतंकवादी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान में एयरस्ट्राइक की थी। पाकिस्तान ने इस एयरस्ट्राइक को छिपाने के लिए विदेशी डेलीगेशन को उन जगहों पर जाने ही नहीं दिया था जहां भारत ने तबाही मचाई थी। हालांकि इस बार भारत ने अपनी कूटनीतिक व्यूह रचना से दुनिया में पाकिस्तान के वास्तविक चेहरे को सामने लाने का प्रयास किया है। जिसमें काफी हद तक भारत सफल भी होगा। भारत के ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान पाकिस्तान की ओर से सीजफायर की अपील की गई। जिस पर भारत ने कठोर रवैये के साथ हामी भरते हुए पाकिस्तान को चेतावनी दे दी है कि अगर इस तरह का कायराना हमला हुआ तो भारत इसका मुंहतोड़ जवाब देगा।

हमारी रसोई ही सबसे बड़ा मेडिकल स्टोर है। खान-पान की चीजें जो रोज भोजन में मौजूद रहती हैं, उन्हें कुछ कम या अधिक मात्रा में अगर औषधि के रूप में प्रयोग किया जाए, तो हमारे शरीर पर उनका कोई नकारात्मक असर भी नहीं पड़ता है। जिन्हें दवाओं के दुष्परिणाम कहते हैं, वे नहीं होते।

परम्परा के ज्ञान ने भी संजोयी प्रकृति

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

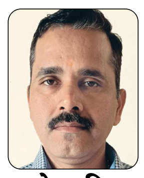

ज्ञानेन्द्र मिश्रा
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

परंपरा जो ज्ञान हमें सौंपती है, वह सिर्फ अंधविश्वास नहीं होता, जैसा कि आजकल कुछ लोग मानते हैं। परंपरा का ज्ञान हमारे जीवन और पर्यावरण संरक्षण के लिए इतना जरूरी है कि जगदीशचंद्र बोस की दादी की कही बात उनके लिए वरदान बन जाती है।

कोई कार्यक्रम हो, सम्मेलन हो या सभा यहां अक्सर उपहार के रूप में पौधे मिलने लगे हैं। अक्सर ये बांस या तुलसी के पौधे होते हैं। पौधों को उपहार में देना दरअसल पौधों के प्रति चिंता जताना है। यही नहीं, पौधे या पेड़ हमारे जीवन के लिए कितने जरूरी हैं, यह भी बताना है। कई होटल अपने यहां उपयोग में आने वाले नींबू के बीजों से पौधे तैयार करते हैं और उन्हें अपने ग्राहकों को उपहार में देते हैं। बहुत-से आभिजात्य कहे जाने वाले लोग जन्मदिन और शादी के उपहार के रूप में भी पौधे देने लगे हैं।

अगर किसी ने बांस के वृक्षों को देखा हो तो उन्हें पता होगा कि वे कितने लंबे-चौड़े होते हैं। इन्हें दुनिया की सबसे बड़ी घास कहा जाता है। इन्हें इतने छोटे-छोटे गमलों में लगा देख कर ऐसा महसूस होता है जैसे किसी ने इनके विकास को रोक कर इन्हें बौना बनने पर मजबूर कर दिया हो। बोन्साई यानी बड़े-बड़े पेड़ों को छोटे-छोटे गमलों में लगा देखना काफी तकलीफ देता है। विशालकाय बरगद, आम, नीम, अशोक जब इनमें लगे दिखते हैं, तो उनकी हालत देख कर अफसोस होता है। उनकी कराह सुनाई नहीं देती तो क्या वह होती ही नहीं। गमले में लगे इन पेड़ों को कई बार जमीन में लगाने का मन करता है। मगर कैसे! महानगरों में जो लोग फ्लैटों में रहते हैं, वे पेड़ों के लिए अपने घर में कच्ची मिट्टी वाली जमीन कैसे और कहां से तलाशें! पेड़ों के प्रति संवेदनशीलता होने के बावजूद ऐसी मजबूरी है जिससे निजात नहीं पाई जा सकती।

बताया जाता है कि जब कोई पेड़ काटने के लिए कुल्हाड़ी लेकर उसकी तरफ बढ़ता है तो पेड़ डर से कांपने लगता है। यह कितना सही है, इसका अनुभव मुझे तो नहीं है, लेकिन एक अध्ययन में यह भी बताया गया था कि पेड़ हत्यारे को भी पहचानते हैं। यानी वे अच्छे और बुरे, मित्र और हत्यारे तक की पहचान कर सकते हैं। हमें इसका अहसास नहीं है तो शायद यह हमारा अज्ञान है। यों परंपरा से हम जानते हैं कि पेड़ों में जीवन होता है। उनके भी सुख-दुख होते हैं। हां, उनके भेजे संदेशों या उनकी भाषा को हम नहीं समझ सकते या समझना नहीं चाहते। महान वैज्ञानिक जगदीशचंद्र बसु ने यह शोध किया था और साबित किया था कि पेड़ों में भी जीवन होता है। एक बार जब वे शाम के वक्त किसी पौधे को छू रहे थे, तो उनकी दादी ने कहा था कि पौधे को तंग मत करो। वह सो रहा है। इसी पर उन्होंने सोचा कि सोते-जागते तो वे हैं जो जीवित हों। और इसी आधार पर शोध कर साबित किया कि पौधों में जीवन होता है। हालांकि भारतीय मानस में पौधों को जीवित मानने की परंपरा रही है।

इसे घर की महिलाएं और लोग विज्ञान के मोटे-मोटे पोथे पढ़े बिना भी जानते रहे हैं। लेकिन हमारे वैज्ञानिक सोच की खासियत यही है कि वह तब तक किसी बात को नहीं मानती, जब तक कि उसे किसी प्रयोगशाला में साबित न किया गया हो। जीवन की प्रयोगशाला का शायद इस सोच के लिए कोई महत्त्व नहीं है। जबकि जीवन के अनुभवजन्य ज्ञान, जो खान-पान, मौसम, चिकित्सा और जल से भी जुड़े हैं, वे सदियों से चले आए हैं और उन्होंने मनुष्य को लाभ पहुंचाया है। आयुर्वेद तो दवा के साथ इसीलिए पथ्य और परहेज पर ध्यान देता है। हमारी रसोई ही सबसे बड़ा मेडिकल स्टोर है। खान-पान की चीजें जो रोज भोजन में मौजूद रहती हैं, उन्हें कुछ कम या अधिक मात्रा में अगर औषधि के रूप में प्रयोग किया जाए, तो हमारे शरीर पर उनका कोई नकारात्मक असर भी नहीं पड़ता है। जिन्हें दवाओं के दुष्परिणाम कहते हैं, वे नहीं होते। पुराने जमाने में इसी ज्ञान का परिणाम था कि घर-घर में नीम और तुलसी के औषधिमूलक पेड़-पौधे लगाए जाते थे। इमली के पेड़ के नीचे भूत का डर दिखा कर सोने से मना किया जाता था। बताया जाता है कि इमली के पेड़ के नीचे सोने से शरीर पर पेड़ से निकलने वाली अम्लीय गैस का भारी दुष्प्रभाव पड़ता है। यह धारणा थी कि लोगों को जब तक डराया नहीं जाए, वे नहीं मानते। इसी क्रम में यह अंधविश्वास पैदा हुआ होगा। लेकिन इसका आधार वैज्ञानिक था। परंपरा जो ज्ञान हमें सौंपती है, वह सिर्फ अंधविश्वास नहीं होता, जैसा कि आजकल कुछ लोग मानते हैं। परंपरा का ज्ञान हमारे जीवन और पर्यावरण संरक्षण के लिए इतना जरूरी है कि जगदीशचंद्र बोस की दादी की कही बात उनके लिए वरदान बन जाती है।

(ये लेखक के अपने विचार है)

भारत में बेरोजगारी और रोजगार सृजन की चुनौतियां

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

राम शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

भारत की अर्थव्यवस्था जापान को पछाड़कर चौथे नंबर पर आ गई है। नीति आयोग ने इसकी जानकारी दी है। यह खुशी देने वाला समाचार है, लेकिन भारतीय अर्थव्यवस्था के आगे अभी कई चुनौतियां हैं, जिनमें से एक है बढ़ती बेरोजगारी। एक सौ चालीस करोड़ से अधिक की आबादी वाले भारत के लिए जनसंख्या कार्यबल के रूप में एक उपलब्धि है, लेकिन इस कार्यबल को पर्याप्त रोजगार उपलब्ध कराना एक गंभीर चुनौती है। दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक होने के बावजूद, देश में बेरोजगारी की उच्च दर देखी जा रही है, खासकर युवाओं और शिक्षित वर्ग के बीच। यह समस्या तकनीकी प्रगति, कौशल असंतुलन और कृषि से उद्योग व सेवा क्षेत्र में हो रहे संक्रमण के कारण और भी गहरी हो गई है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी के हालिया आंकड़ों के अनुसार, भारत में बेरोजगारी दर पिछले कुछ वर्षों में 6% से 8% के बीच रही है। शहरी बेरोजगारी ग्रामीण बेरोजगारी से अधिक है। यह स्थिति युवा स्नातकों और कुशल श्रमिकों के लिए विशेष रूप से चिंताजनक है, जिन्हें उचित नौकरियां ढूंढ़ने में कठिनाई होती है। इन आंकड़ों के अनुसार युवा बेरोजगारी (15-24 वर्ष) लगभग 23% (आईएलओ का अनुमान), स्नातक बेरोजगारी लगभग 17% है।

ये आंकड़े भारत के रोजगार बाजार में एक संरचनात्मक समस्या को दर्शाते हैं, जहां आर्थिक विकास के बावजूद रोजगार सृजन उस अनुपात में नहीं हो पा रहा है। भारत की जीडीपी वृद्धि के बावजूद, अधिकांश नई नौकरियां अनौपचारिक क्षेत्र में सृजित हो रही हैं। जहां नौकरी की सुरक्षा, सामाजिक लाभ और उचित वेतन का अभाव है। विनिर्माण और आईटी जैसे औपचारिक क्षेत्र में रोजगार के अवसर पर्याप्त रूप से नहीं बढ़े हैं। भारत के अधिकांश स्नातक पुरानी शिक्षा प्रणाली के कारण उद्योग-प्रासंगिक कौशल से वंचित हैं। नियोक्ताओं को अक्सर कुशल श्रमिकों की कमी का सामना करना पड़ता है, जबकि लाखों लोग अपर्याप्त प्रशिक्षण के कारण बेरोजगार हैं।

भारत के लगभग 45% कार्यबल की आजीविका कृषि पर निर्भर है, जो जीडीपी में केवल 15% योगदान देती है। कम उत्पादकता और घटते लाभ के कारण, कई ग्रामीण श्रमिकों को गैर-कृषि नौकरियों की तलाश करनी पड़ती है, लेकिन वैकल्पिक रोजगार के अवसर सीमित हैं। विनिर्माण और सेवा क्षेत्र में स्वचालन के बढ़ते उपयोग ने कम कौशल वाले श्रम की माँग को कम कर दिया है। हालाँकि तकनीक नई नौकरियाँ पैदा करती है, लेकिन यह परिवर्तन धीमा है, जिससे कई श्रमिक बेरोजगार हो जाते हैं। भारत का विनिर्माण क्षेत्र, जो बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा कर सकता है, अपेक्षा के अनुरूप नहीं बढ़ा है। नियामक बाधाओं, बुनियादी ढाँचे की कमी और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के कारण 'मेड इन इंडिया' पहल को सीमित सफलता मिली है। हर साल लगभग 1.2 करोड़ युवा रोजगार बाजार में प्रवेश करते हैं, जिसके लिए भारत को अभूतपूर्व पैमाने पर नौकरियाँ सृजित करने की आवश्यकता है। वर्तमान आर्थिक नीतियाँ और औद्योगिक विकास इस माँग को पूरा करने में असमर्थ हैं।

रोजगार सृजन में चुनौतियाँ

सरकार ने स्किल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और मुद्रा लोन जैसी योजनाएँ शुरू की हैं, लेकिन खराब रि यान्वयन, भ्रष्टाचार और जागरूकता की कमी के कारण उनका प्रभाव सीमित है। नौकरियों का सृजन करने वाले उद्योगों में निजी निवेश नौकरशाही की जटिलताओं, उच्च करों और अनिश्चित आर्थिक नीतियों के कारण धीमा है। भारतीय शिक्षा प्रणाली सैद्धांतिक ज्ञान पर अधिक जोर देती है, जबकि व्यावहारिक कौशल पर कम। व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थानों को पर्याप्त धन नहीं मिलता और उनका प्रबंधन खराब है, जिससे नौकरी की आवश्यकताओं और कार्यबल के कौशल के बीच असंतुलन पैदा होता है। भारत के 80% से अधिक कार्यबल को अनौपचारिक क्षेत्र में रोजगार मिलता है, जहाँ सामाजिक सुरक्षा का अभाव है।

आखर आखर झरे उजियार

सुखमय जीवन का महामंत्र शुभस्य शीघ्रम

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

गोपाल प्रभाकर
पत्रकार
@jagrukjanta.net

हर सदी के विचारवान लोगों का प्रयास रहता है कि आने वाली पीढ़ी को वर्तमान पीढ़ी से बेहतर समय देखने को मिले। सुख सुविधाओं से परिपूर्ण उनके जीवन में आनन्द के फूल खिलें. उनकी सोच और कार्य संस्कृति अच्छे विचारों की सुगंध से सुवासित हो। सुखमय सृष्टि का बीज मंत्र है- शुभस्य शीघ्रम. कोई भी अच्छा विचार आए, ऐसा विचार आए जिसमें लोक मंगल का भाव हो, तुरन्त कार्य रूप में परिणत कर दीजिए. उसे कल पर मत टालिये। पर हाँ, किसी पर गुस्सा आ रहा हो, किसी के लिए अशुभ चिंतन चल रहा हो, उसे लम्बित कर दीजिए अथवा भूल जाइए। इससे अप्रिय घटना टल जाएगी। शुभ विचार को तुरन्त क्रिया पटल पर लाने में वैसे ही देर नहीं करनी चाहिए, जैसे कोई कवि, शायर,वैज्ञानिक या विचारक अच्छे विचार को तुरन्त ही कागज पर लिपिबद्ध कर लेता है। सबसे पहले हम अपने को चिंतन के तल पर संभालें। हम ज्यादातर चंचल मन के अनुसार संचालित होते हैं। जब जो चाहा देख लिया, जो चाहा सुन लिया, जो चाहा पढ़ लिया, मनचाहा बोल दिया यानी हमारी कोई खास प्राथमिकता नहीं है. जैसे हम मन के ही अधीन हो गए हैं। विचारवान व्यक्ति खूब चिंतन मनन करते हैं। क्या उचित है, क्या अनुचित है। स्वयं, परिवार, समाज और राष्ट्र के लिए क्या हितकारी है क्या अहितकर है। इन सब बातों का मन्थन जरूरी है। हमारे हर कदम पर नजर रहे कि इससे हमारा वर्तमान सँवारना चाहिए और हमारा भविष्य निखरना चाहिए। फिर एक बात और अपने प्रयासों के उपरांत सर्वशक्तिमान ईश्वर के प्रति विश्वास भी रहना चाहिए कि वो जो भी करेगा,अच्छा करेगा। अच्छे के लिए करेगा। 'ऑल इज वैल' की अवधारणा से प्रेरित होकर एक फिल्म भी आई थी. उसका सारांश ये ही था कि जो हुआ, अच्छा हुआ. जो हो रहा है, अच्छा हो रहा है। जो होगा वो भी अच्छा होगा या फिर कुछ अच्छे के लिए ही होगा। शुभ के प्रति गीता का ये संदेश हम सब को कर्मयोग और शरणागति की प्रेरणा देता है।

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

पुलस्त्य जी की पत्नी हविर्भू से अगस्त्य जी और महातपस्वी विश्रवा दो पुत्र हुए।विश्रवा मुनि के इड विडा के गर्भ से यक्षराज कुबेर जन्मे। उनकी दूसरी पत्नी केशिनी के गर्भ से रावण, कुंभकर्ण एवं विभीषण उत्पन्न हुए। पुलह की पत्नी गति से वीरयान, कर्मश्रेष्ठ और सहिष्णु तीन पुत्र जन्मे। क्रतु की पत्नी क्रिया से बालखिल्य मुनि आदि साठ हजार ऋषियों का जन्म हुआ। वशिष्ठ जी की पत्नी अरुंधती से चित्रकेतु आदि सात ब्रह्मर्षि जन्मे। इनके नाम हैं-चित्रकेतु, सुरोचि, विरजा, मित्र, उल्वण, वसुभृधान और धूमान। अथर्वा मुनि की पत्नी चित्ति से दधीचि ऋषि जन्मे। इनका एक नाम अश्वशिरा भी है। भृगुजी की भार्या ख्याति से धाता और विधाता जन्मे। उनके श्री नाम की एक कन्या ने भी जन्म लिया। धाता और विधाता का विवाह मेरू ऋषि की पुत्री आयाति और नियति से हुआ। इनके मृकण्ड और प्राण दो पुत्र हुए। मृकण्ड के मार्कण्डेय और प्राण के वेदशिरा मुनि का जन्म हुआ। भृगुजी के एक कवि नाम का पुत्र भी हुआ। उनके उशना अर्थात दैत्य गुरु शुक्राचार्य हुए। मनु पुत्री प्रसूति और दक्ष प्रजापति के सोलह कन्याएं जन्मी। दक्ष कन्या सती का विवाह भगवान शंकर के साथ हुआ। एक का अग्नि देव से, एक का पितृगण से और तेरह का धर्म से विवाह हुआ। **क्रमशः**

ओपिनियन

सड़क हादसे बढ़ा रहे सामाजिक दूरियां

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

अमित बैजनाथ
पत्रकार
@jagrukjanta.net

सड़क दुर्घटनाएं पीड़ित परिवारों के लिए आय में कमी, जीवन स्तर में गिरावट और मनोवैज्ञानिक तनाव पैदा कर सकती हैं, जिससे परिवार कई चुनौतियों का सामना करते हैं। सड़क दुर्घटना में होने वाली मौत या चोट से परिवार के कमाऊ सदस्य की आय बंद हो जाती है, जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति खराब हो जाती है।

हाल ही में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (मॉर्थ) ने लोकसभा में पूछे गए एक सवाल के जवाब में बताया कि देश में रोजाना 1264 से अधिक सड़क हादसे होते हैं, जिसमें हर दिन 462 से अधिक लोगों की मौत हो जाती है। इनमें ज्यादातर लोग 25 से 35 वर्ष के होते हैं। मंत्रालय ने बताया कि देश में तमिलनाडु में सबसे ज्यादा सड़क हादसे हुए हैं। उसके बाद मध्य प्रदेश, केरल, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र और फिर राजस्थान में सबसे ज्यादा सड़क हादसे हुए हैं। वहीं हादसों में मौत के मामले में उत्तर प्रदेश के बाद तमिलनाडु, फिर महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और फिर राजस्थान का नंबर आता है। मंत्रालय के अनुसार, देश में सड़क हादसों की संख्या लगातार बढ़ रही है और हर साल 1.7 लाख से अधिक लोगों की मौत ऐसी दुर्घटनाओं में हो जाती है। यह पूरी दुनिया में होने वाली कुल मौतों का करीब 15 प्रतिशत से अधिक है। मंत्रालय की ओर से यह आंकड़ा वर्ष 2024 तक देशभर में हुए सड़क हादसों व उसमें जान गंवाने वाले लोगों के आधार पर बताया गया है।

असल में भारत सहित दुनिया के तमाम देशों में अधिकांश सड़क दुर्घटनाएं लापरवाही या जागरुकता की कमी के कारण होती हैं। ऐसे में जीवन रक्षा के लिए सड़क सुरक्षा शिक्षा आवश्यक हो जाती है। सड़क सुरक्षा पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ओर से जारी रिपोर्ट कहती है कि दुनिया भर में सड़क दुर्घटनाओं के कारण सालाना लगभग 1.19 मिलियन लोगों की मौत होती है और 20 से 50 मिलियन लोग गैर-घातक चोट से प्रभावित होते हैं। सड़क यातायात से होने वाली मौतों और चोटों में से आधे से ज्यादा लोग कमजोर वर्ग के सड़क उपयोगकर्ताओं जैसे कि पैदल यात्री, साइकिल चालक एवं मोटरसाइकिल चालक और उनके सहयात्री होते हैं। रिपोर्ट कहती है कि विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में सड़क यातायात से होने वाली चोटों की दर ज्यादा है, जिनमें से 92 प्रतिशत मौतें निम्न एवं मध्यम आय वाले देशों से होती हैं।

अगर भारत में सड़क दुर्घटना संबंधी आंकड़ों की बात करें तो एनसीआरबी की रिपोर्ट कहती है कि वर्ष 2020 के महामारी लॉकडाउन के दौरान देश में 1.33 लाख लोगों की मृत्यु हुई थी। वहीं 2021 में सड़क दुर्घटनाओं में 1.55 लाख लोगों की मृत्यु हुई। सबसे अधिक मौतें दोपहिया वाहनों (44.5 प्रतिशत) के कारण हुई। दुर्घटनाओं में बसों के कारण तीन प्रतिशत मौतें हुई। वहीं कुल मौतों में से आधे से अधिक मौत तेज गति से वाहन चलाने के कारण हुई। खतरनाक एवं लापरवाह ड्राइविंग भी मौतों का प्रमुख कारण रहा। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2022 में 4,61,312 सड़क दुर्घटनाएं हुई। अधिकांश दुर्घटनाएं राष्ट्रीय राजमार्गों (1,51,997) पर हुई। रिपोर्ट बताती है कि पिछले वर्ष की तुलना में दुर्घटनाओं की संख्या में 11.9 प्रतिशत, हताहतों की संख्या में 9.4 प्रतिशत और घायलों की संख्या में 15.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

अगर राजस्थान की बात करें तो सरकार की ओर से जारी एक रिपोर्ट कहती है कि साल 2023 में प्रदेश में कुल 24,694 दुर्घटनाएं हुई, जिनमें 11,762 लोगों की मौत हुई, जबकि 23,041 लोग घायल हुए। वहीं साल 2024 में 24,838 दुर्घटनाएं हुई, जिनमें 11,790 लोगों की मौत हुई, जबकि 22,927 लोग घायल हुए। प्रदेश में सड़क हादसों में जान गंवाने वालों में बड़ी तादाद 18 से 25 साल की आयु वर्ग के युवा हैं। साल 2023 में जान गंवाने वालों में 18 से 25 साल की उम्र के 2,780 युवा थे। यह कुल मौतों का करीब 24 फीसदी है। इसी तरह, बिना हेलमेट पहने हादसा होने पर मौत की दर 32 फीसदी है, जबकि 17 फीसदी गंभीर रूप से घायल हुए। हादसों में जान गंवाने वाले 16 फीसदी पैदल चलने वाले लोग थे, जबकि 46 फीसदी मृतक दोपहिया वाहन सवार थे। इसी तरह, जान गंवाने वालों में 18 फीसदी कार-टैक्सी सवार हैं। हादसों में 35 फीसदी मौत नेशनल हाईवे पर हुई, जबकि 20 फीसदी मौत स्टेट हाईवे पर हुई।

जागरूक जनता Selfie विद डॉटर

आरुषि डॉटर अल्का-संदीप अग्रवाल, चौमू जयपुर

हमे भेजें

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

पंचांग

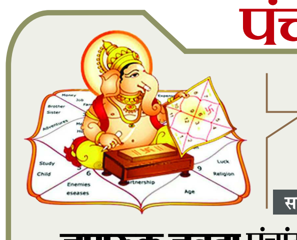

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 28/05/2025

सूर्योदय : 05:38 **सूर्यास्त** : 19:10 **चन्द्रोदय** : 06:14 **चन्द्रास्त** : 20:58 **शक सम्वत** : 1947 विश्वावसु **विक्रम संवत्** : 2082 कालयुक्त **अमान्ता महीना** : वैशाख **पूर्णिमांत** : वैशाख **सूर्य राशि** : वृषभ **चन्द्र राशि** : वृषभ **पक्ष** : शुक्ल **तिथि** : द्वितिया, 25:57 तक **वार** : बुधवार **दिक्र ऋतु** : ग्रीष्म **द्रिक-वैदिक अयन** : उत्तरायण

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : मृगशीर्षा, 24:30 तक
योग : धृति, 19:10 तक
प्रथम करण : बालवा, 15:29 तक
द्वितिय करण : कौवाला, 25:57 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:03 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	04:23 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:37 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	07:11 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	07:12 पी एम से
अमृत काल	04:33 पी एम से
निशिता मुहूर्त	11:58 पी एम से
सर्वार्थ सिद्धि योग	05:25 ए एम से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : सूर्य
अग्नि वास : पृथ्वी

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05:37 - 07:18	उद्वेग	19:09 - 20:28
अमृत	07:18 - 09:00	शुभ	20:28 - 21:46
काल काल वेला	09:00 - 10:41	अमृत	21:46 - 23:04
शुभ	10:41 - 12:23	चर	23:04 - 00:23
रोग वार वेला	12:23 - 14:04	रोग	00:23 - 01:41
उद्वेग	14:04 - 15:46	काल	01:41 - 03:00
चर	15:46 - 17:28	लाभ	03:00 - 04:18
लाभ	17:28 - 19:09	उद्वेग	04:18 - 05:36

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज द्वितीया

आज कौन सा कार्य करें

द्वितीया को राज संबंधी कार्य (सरकारी कार्य), व्रतबंध, प्रतिष्ठा, विवाह, यात्रा, भूषणादि के लिए शुभ होते हैं।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।
ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋय दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।
यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

ज्येष्ठ, शुक्ल, द्वितीया, 2082 बुधवार, 28 मई - 3 जून, 2025

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
सन्तान को लेकर किसी परेशानी का समाधान मिलेगा। कार्यक्षेत्र में टीमवर्क की भावना का पालन करना चाहिये। पारिवारिक झगड़ों का निपटारा हो सकता है। मार्केटिंग सम्बन्धी कार्य लाभकारी सिद्ध होंगे।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
अपनी योग्यता को सिद्ध करने के अवसर मिलेंगे। पारिवारिक जीवन में अस्थिरता रहेगी। जॉब को लेकर आपको थोड़ा परेशान होना पड़ सकता है। जीवनसाथी को स्वास्थ्य समस्या हो सकती है।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
दिनचर्या काफी थकाऊ हो सकती है। जिम्मेदारियों का पालन करना पड़ेगा। दिन की शुरुआत नकारात्मक होने की सम्भावना है। दोपहर के बाद धीरे-धीरे आप काफी अच्छा महसूस करेंगे।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
पारिवारिक सदस्यों के सुझाव से काम करना हितकर होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में देरी न करें। दिन की शुरूआत में जो काम उलझे हुये थे शाम तक उन्हें सुलझाने में सफलता मिलेगी।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
पारिवारिक जीवन में खुशहाली रहेगी। व्यवसाय में आय अपेक्षाकृत कम होने की सम्भावना है। लम्बी दूरी की यात्रा से परेशानी हो सकती है। अपनी महत्वाकांक्षाओं को बच्चों पर न थोपें।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
नौकरी में बदलाव का विचार बना रहे हैं तो सफलता मिल सकती है। कुछ लोग आपके अच्छे कार्यों व योगदान की उपेक्षा कर सकते हैं। किन्तु आपको इन सबसे अप्रभावित रहना होगा।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
कार्यक्षेत्र में आय बढ़ सकती है। आप कहीं पर्यटन की योजना बना सकते हैं। घर में सुख-शान्ति का माहौल रहेगा। आत्मचिन्तन के माध्यम से अपनी कमियों को दूर करने का प्रयास करें।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
ऐसा कोई कार्य न करें जिससे किसी दूसरे के हित प्रभावित हों। प्रेमी जन से मतभिन्नता के कारण झगड़ा हो सकता है। सेहत को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे। दाम्पत्य सम्बन्धों में पारदर्शिता रखें।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
पुराने रिश्तेदारों से मिलना हो सकता है। निजी जीवन की परेशानियों का निवारण होगा। नया कार्य शुरू कर सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद प्राप्त होगा। कार्यक्षेत्र को लेकर यात्रा करनी पड़ेगी।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
कार्यक्षेत्र की आन्तरिक व्यवस्था पर काम करेंगे। नये उद्यमों की शुरूआत कर सकते हैं। वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा। प्रतिद्वन्दी कमजोर पड़ेंगे। अपच के कारण आपको परेशानी होगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
आपके सभी कार्य समय पर सम्पूर्ण हो जायेंगे। कारोबारियों के लिये दिन बहुत अच्छा है। पुरानी उधारी चुकाने में सफलता मिलेगी।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
घर के परिजन आपका मनोबल बढ़ायेंगे। आपको अपने मान-सम्मान की चिन्ता रहेगी। व्यावसायिक सम्पर्क में वृद्धि होगी।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड सीनियर सैकण्डरी की परीक्षा परीणाम जारी

एन. के. पब्लिक स्कूल के छात्र काश्वी का प्रदेश में दूसरा जिले में प्रथम स्थान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। शिक्षा के क्षेत्र में एक बार फिर गर्व का क्षण सामने आया जब एन. के. पब्लिक स्कूल के मेधावी छात्रा काश्वी शर्मा ने राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड सीनियर सैकण्डरी की परीक्षा में राज्य स्तर पर 99.00 प्रतिशत अंक प्राप्त कर राजस्थान में दूसरा तथा जयपुर जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया। विज्ञान वर्ग में अंश मिश्रा ने 97.00 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी श्रेष्ठता साबित की, आकांक्षा झरवाल 96.60 प्रतिशत, दीपांशु 96.60 प्रतिशत, निधि कुलदीप 95.80 प्रतिशत, जतिन माथुर 95.20 प्रतिशत, राधिका गोयल 95.20 प्रतिशत, मानसी मीणा 94.20 प्रतिशत, नीलांजना सिंह 93.60 प्रतिशत, बिपाशा मौर्य 92.40 प्रतिशत, विजय सिंह 92.40 प्रतिशत, अनुष्का 91.80 प्रतिशत, खुशाली भगत 91.00 प्रतिशत, वैभव बैमाड 90.40 प्रतिशत, हर्षिता 90.20 प्रतिशत लेकर विज्ञान वर्ग में अव्वल रहे।

वाणिज्य संकाय में काश्वी शर्मा 99.00 प्रतिशत लेकर सिरमौर रही वही अनमोल अग्रवाल 96.00 प्रतिशत, खुशी अग्रवाल 95.40 प्रतिशत, दक्ष गुप्ता 94.40 प्रतिशत, सृष्टि सैन 93.40 प्रतिशत, आव्या पौद्दार 92.60 प्रतिशत, गौरव टेलर 92.00 प्रतिशत, नेहल अग्रवाल 90.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की इस प्रकार विद्यालय का बोर्ड परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा।

इस गौरवान्वित अवसर पर विद्यालय के प्रबंध निदेशक एवं निदेशक महोदय द्वारा छात्र-छात्राओं का माल्यार्पण कर सम्मान किया गया।

इस गौरवशाली अवसर पर विद्यालय के प्रबंध निदेशक डॉ. एन. सी. लुनायच ने छात्रा काश्वी शर्मा व समस्त विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा- 'काश्वी शर्मा की यह ऐतिहासिक सफलता विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुशासित वातावरण और शिक्षकों के समर्पण का प्रतिफल है, साथ ही यह देखकर अत्यन्त हर्ष होता है कि विज्ञान वर्ग के सभी विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में सफलता प्राप्त कर विद्यालय की प्रतिष्ठा को नई ऊँचाईया प्रदान की है।''

हमारा विश्वास है कि शिक्षा केवल अंक प्राप्त करना नहीं, बल्कि सम्पूर्ण व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया है। काश्वी और सहपाठियों ने यह सिद्ध किया है कि जब लक्ष्य स्पष्ट है और मार्गदर्शन सटीक हो, तो सफलता सुनिश्चित होती है। मैं सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों और विद्यालय परिवार को इस शानदार उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं देता हूँ।

इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक कुलदीप सिंह ने कहा-''यह हमारे विद्यालय के लिए अत्यन्त गर्व का क्षण है कि हमारी छात्रा काश्वी शर्मा ने राज्य स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त कर एक मिशाल कायम की है साथ ही अंश मिश्रा का 97.00 प्रतिशत प्राप्त करना और विज्ञान वर्ग के सभी विद्यार्थियों का प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण होना हमारे विद्यालय की शिक्षा प्रणाली, शिक्षकों की कर्त्तव्यनिष्ठा एवं विद्यार्थियों की लगन सच्चे अर्थो में उत्कृष्टता की ओर अग्रसर है।''

काश्वी शर्मा, अंश मिश्रा की यह सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, यह हमारे समर्पण और साझा प्रयासों का परिणाम है हमें विश्वास है कि हमारे विद्यार्थी भविष्य में भी इसी प्रकार विद्यालय, समाज और राष्ट्र का गौरव बढाते रहेंगे, मैं सभी विद्यार्थियों अभिभावकों, शिक्षकों एवं सम्पूर्ण विद्यालय परिवार को इस अद्वितीय सफलता हेतु हार्दिक बधाई देता हूँ।इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या चित्रा राजे बसेरा ने इस अद्वितीय सफलता पर गर्व व्यक्त करते हुए छात्रों को शुभकामनाएं दी और सभी आगन्तुक महानुभावों का आभार व्यक्त कर धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर विद्यालय के सलाहकार विद्यानिधि त्रिवेदी, समन्वयक डॉ. नाहिद खान एवं समस्त शिक्षक, अभिभावकगण उपस्थित रहे।

रितिका का जयहिंद शुभकामना ग्रुप ने किया सम्मान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के 12वीं कॉमर्स में 96% अंक प्राप्त करने पर समाजसेवी लोकचंद हरिरामानी और पत्रकार नगेन्द्र वशिष्ठ ने जयहिंद शुभकामना ग्रुप के सौजन्य से कु.रितिका रामचंदनी को सम्मानित किया। इस अवसर पर रितिका का प्रशस्ति पत्र, रिस्ट वॉच, शाल और माला पहनाकर सम्मान किया गया। रितिका ने बताया मेरे प्रेरणा के स्रोत परिवार की अपार खुशियाँ रही, 10वीं में मैरिट आने पर परिवार की खुशियाँ देख मैंने निश्चय किया की मुझे और श्रेष्ठ करना ही है। भविष्य मे चार्टर्ड अकाउंटेंट क्षेत्र में जाकर जनकल्याण के लिये भी श्रेष्ठ कार्य करने का मेरा सपना है। योगेश रामचंदनी (पापा) नारायण रामचंदनी (दादा) एवं मम्मी, दादी ने भी इस मौके पर रितिका को शुभकामनाएं दी।

अभियान में वितरित किए निःशुल्क परिंडे

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। गोपाल सेवा भाव ट्रस्ट के सदस्यों द्वारा , स्थानीय निवासियों के सहयोग से इंदिरा गांधी नगर के सेक्टर 1, 3,4,9, कुंदनपुरा में गत एक माह में निःशुल्क परिंडे, दानाघर चिड़ियाघर वितरण, एवं लगाने का अभियान चलाया गया। ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी डा अशोक दुबे ने बताया गौरैया की घटती हुई संख्या बहुत चिंता का विषय है, गौरैया की उपस्थिति स्वच्छ पर्यावरण को भी दर्शाती है। अभियान की शुरुआत डा अखिल शुक्ला, अध्यक्ष हिंदी प्रचार प्रसार संस्थान, डा सुरेंद्र शर्मा, द्वारा की गई। डॉ. अशोक दुबे ने बताया कि अभियान में संदीप शर्मा ,कपिल पचौरी, पुरुषोत्तम बघेल, मनीष शर्मा, दीपक, पुनीत, सेक्टर 3 से, देवकीनंदन शर्मा पारीक संतोष भोलाराम महावर चुन्नीलाल शंभू बना कालूराम मीणा, शौर्य प्रताप सिंह कुशल शर्मा। सेक्टर 4 से गुणीराम मीणा, धर्मेन्द्र सिंह, दुर्गेश मीणा, दिनेश शर्मा सेक्टर 9 से हंसराज मीणा, धनसिंह मीणा द्वारा सेवा कार्य में सहयोग किया गया।

सरकार का सफाई कर्मचारियों पर ध्यान नहीं-गहलोत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने राज्य की भजनलाल सरकार पर उसका सफाई कर्मचारियों की ओर ध्यान नहीं होने का आरोप लगाते हुए कहा है कि पिछले दस दिन में प्रदेश के विभिन्न जगहों पर सेप्टिक टैंक एवं गटर की सफाई करते हुए ग्यारह लोगों की मौत हो चुकी है। गहलोत ने मंगलवार को सोशल मीडिया के माध्यम से यह बात कही। उन्होंने कहा कि पिछले 10 दिन में ही डीग, बीकानेर और अब जयपुर में सेप्टिक टैंक एवं गटर की सफाई करते हुए 11 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। ऐसा लगता है कि राज्य सरकार का सफाई कर्मचारियों की ओर ध्यान नहीं है।

प्रदेश में शराब की उम्र सीमा 25 साल करने की मांग, राजस्थान प्रदेश नशाबंदी समिति ने लिखा मुख्यमंत्री को पत्र

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान प्रदेश नशाबंदी समिति ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर शराब खरीदने और पीने की आयु 18 वर्ष से बढ़ाकर 25 वर्ष करने की मांग की है। राजस्थान प्रदेश नशाबंदी समिति के अध्यक्ष धर्मवीर कटेवा ने बताया कि युवाओं में शराब की खपत आग की तरह फैल रही है। युवा शराब पीने की प्रवृति को सामाजिक प्रतिष्ठा मानने की भूल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र, चंडीगढ़, मेघालय में शराब खरीदने और पीने की न्यूनतम आयु 25 वर्ष तय की है । इसलिए राजस्थान में भी शराब खरीदने और पीने की उम्र 18 वर्ष से बढ़कर 25 वर्ष की जाए। इससे युवाओं को इस आदत से फंसने में बचाया जा सकता है। सभी बार रेस्टोरेंट संचालक उम्र के प्रावधान को प्रमुखता से दर्शाए ऐसे निर्देश भी जारी किए जाएं। समिति ने रात्रि 8 बजे बाद भी शराब की दुकानों पर आसानी से शराब मिलने पर चिंता प्रकट की है। यदि किसी शराब की दुकान पर रात्रि 8 बजे बाद शराब मिलती है तो स्थानीय थानाअधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाए। साथ ही उन्होंने शराब की दुकान के बाहर साइन बोर्ड निर्धारित आकार से बहुत बड़ा होने का मुद्दा उठाते हुए निर्धारित साइज में ही साइन बोर्ड लगाने की मांग की है।

भुवनेश तिवाड़ी ने नलखेड़ा में मां बगलामुखी शक्तिपीठ के किए दर्शन, पुजारियों का किया सम्मान

नलखेड़ा, आगर (मध्य प्रदेश) @ जागरूक जनता। विराज फाउंडेशन के प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाडी ने आगर जिले के नलखेड़ा कस्बे में स्थित मां बगलामुखी शक्तिपीठ मंदिर में दर्शन कर माँ का आशीर्वाद प्राप्त किया। नगेन्द्र वशिष्ठ ने बताया कि इस अवसर पर उन्होंने मंदिर के मुख्य भूपेंद्र पुजारी का सम्मान कर उनका आशीर्वाद लिया। मंदिर के आचार्य शुभम शास्त्री को भी उनके धार्मिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धा, भक्ति और गरिमा का विशेष वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर विराज फाउंडेशन के प्रदेश पदाधिकारी कैप्टन श्रीराम शर्मा, डॉ. एम.के. अग्रवाल तथा सुशील धाकड़ भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी ने माँ बगलामुखी से देश और समाज की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की।

श्रीसंत बाबा मेहरदास मंदिर में निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर संपन्न

जयपुर @ जागरूक जनता। खेतान हार्ट एंड सुपर स्पेसलिस्ट हॉस्पिटल द्वारा बीते बीते दिनों श्रीसंत बाबा मेहरदास मंदिर, मुरलीपुरा में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर संयोजक बजरंग बहड़ दाधीच ने बताया कि खेतान हार्ट हॉस्पिटल के मैनेजिंग डायरेक्टर वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ दिविज खेतान, जनरल फिजिसियन डॉ विनोद चौधरी ने मरीजो की निःशुल्क जाँच की। जिसमें ईसीजी, खून व सुगर की जांच की गई। हॉस्पिटल के सहयोगी स्टाफ मोहित, मुस्कान, विकाश, तरुण के सहयोग से 62 मरीजों को उचित सलाह व ईलाज दिया गया। शिविर में मंदिर के मुख्य ट्रस्टी लोकचंद हरिरामानी, शशि, कैलाश, महावीर, शंकर नारायण, मनीष, करण, रुचिका, भूमिका, लाजवंती व अन्य गणमान्यों ने शिविर में सराहनीय सहयोग किया।

आंगीकम द्वारा भव्य भरतनाट्यम कार्यशाला का शुभारंभ

जयपुर @ जागरूक जनता। आंगीकम नृत्य अकादमी द्वारा आयोजित एक विशेष भरतनाट्यम कार्यशाला का शुभारंभ जे.सी.सी.ए. रानी सती नगर, निर्माण नगर स्थित परिसर में गणेश पूजन के साथ हुआ। यह कार्यशाला भारतीय शास्त्रीय नृत्य परंपरा को संरक्षित व प्रसारित करने की दिशा में एक सराहनीय पहल मानी जा रही है। इस कार्यशाला की आयोजक, निकिता मुद्गल ने जानकारी दी कि लगभग सभी आयु वर्ग की 50 नृत्यांगनाएं इस पांच दिवसीय कार्यशाला में भाग ले रही हैं। प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु प्रसिद्ध नृत्याचार्य डॉ. ज्ञानेंद्र वाजपेयी को आमंत्रित किया गया है जो भरतनाट्यम के सुप्रसिद्ध विद्वान हैं। मुद्गल ने भरतनाट्यम की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा, "यह नृत्य न केवल शारीरिक अभिव्यक्ति का माध्यम है बल्कि भारतीय संस्कृति, परंपरा और आध्यात्मिकता का जीवंत प्रतिबिंब भी है। ऐसी कार्यशालाओं के माध्यम से युवा पीढ़ी को अपने सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।" कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को भरतनाट्यम की तकनीकी बारीकियों, अभिव्यक्ति शैली (भाव), मुद्राओं और रचनात्मक प्रस्तुति की विधियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह आयोजन न केवल नृत्य प्रेमियों के लिए बल्कि संस्कृति अनुरागियों के लिए भी एक प्रेरणा स्रोत सिद्ध होगा।

अहिल्याबाई होल्कर स्मृति अभियान का समापन 31 को

जयपुर @ जागरूक जनता। भाजपा का जवाहर सर्किल स्थित इंटरटेनमेंट पैराडाइज में तिरंगा यात्रा और अहिल्या बाई होल्कर जयंती से जुड़े सांस्कृतिक राष्ट्रवाद कार्यक्रम होगा। इसमें भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा 31 मई को राजस्थान आएंगे। पार्टी के प्रदेश प्रभारी डॉ राधामोहन अग्रवाल भी मौजूद रहेंगे। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि नड्डा के कार्यक्रम की तैयारियां शुरू कर दी है। अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती 31 मई को है। 21 मई से प्रदेश भर में अहिल्याबाई होल्कर स्मृति अभियान शुरू किया गया।

मातृत्व सम्मान दिवस

समाजसेवी महिलाएं 'महिला रत्न' से सम्मानित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। भारतीय जैन संघटना पिंक सिटी चैप्टर द्वारा रविवार, 25 मई को आयोजित मातृत्व सम्मान दिवस समारोह में सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली 20 महिलाओं को 'महिला रत्न सम्मान' से अलंकृत किया गया। समारोह की मुख्य अतिथि सांसद मंजू शर्मा रहीं, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में भगवान महावीर कैंसर अस्पताल की अध्यक्ष अनिला कोठारी उपस्थित थीं।

समारोह को संबोधित करते हुए सांसद मंजू शर्मा ने कहा कि महिलाएं घर के साथ-साथ बाहर भी पूरी मजबूती के साथ काम कर रही हैं और समाज के पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए महत्वपूर्ण कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी सशक्त महिलाओं का सम्मान देश और प्रदेश का सम्मान है। चैप्टर अध्यक्ष सुनील कोठारी ने बताया कि कार्यक्रम में सम्मानित होने वाली महिलाएं शिक्षा, भिक्षावृत्ति उन्मूलन, ब्लड कैंप, भोजन वितरण, धरोहर संरक्षण, सीएलजी सदस्यता, एचआईवी ग्रसित बच्चों की देखभाल, वृक्षारोपण, सूखा प्रभावित क्षेत्रों में जल संरक्षण, मटका वितरण व जरूरतमंदों को राशन उपलब्ध कराने जैसे विविध क्षेत्रों में सेवा कार्य कर रही हैं। इस अवसर पर BJS के संप्रति सिंघवी, आतिश लोढ़ा, शरद कांकरिया, पी. सी. छाबड़ा, सचिव यश बापना, मनोज मोहनोत, पंकज जैन, प्रदीप चोरोड़िया, प्रभा बापना, सुशीला कोठारी, मिताली चोरोड़िया सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जयपुर के अनेक वरिष्ठ नागरिकों के साथ-साथ BJS के राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय पदाधिकारी और चैप्टर के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

काश! न लिया होता कश

World No Tobacco Day
31 मई (शनिवार) पर विशेष

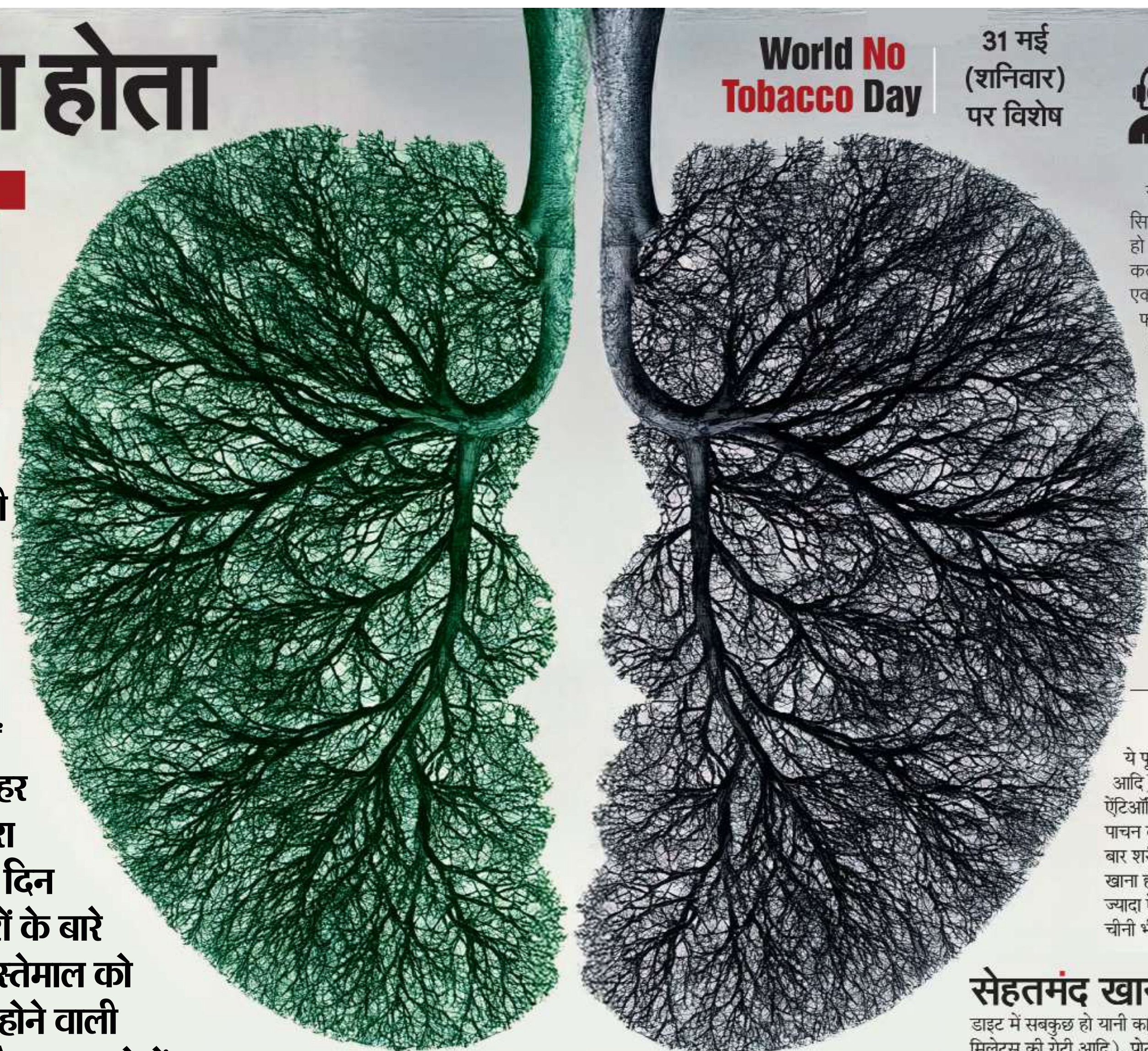

सांसों की माला का ताना-बाना न बिगड़े, इसके लिए फेफड़ों का दमदार होना जरूरी है। स्मोकिंग वह कारगुजारी है जो फेफड़ों को बीमार और बहुत बीमार करती जाती है। आजकल बड़ी तादाद में टीनएजर्स भी स्मोकिंग की लत की चपेट में आ रहे हैं। इस लत से बाहर कैसे निकले और फेफड़ों की मजबूती के लिए क्या कर सकते है। हर साल 31 मई को, विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 'वर्ल्ड नो टोबैको डे' मनाया जाता है। इस दिन का मुख्य उद्देश्य तंबाकू के सेवन के खतरों के बारे में लोगों को जागरूक करना और इसके इस्तेमाल को कम करना है। यह दिन तंबाकू के कारण होने वाली बीमारियों और मौतों के बारे में जानकारी फैलाकर लोगों को तंबाकू छोड़ने के लिए प्रेरित करता है।

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सांसों की जरूरत है जैसे ज़िंदगी के लिए...'। यह सच है कि सांसों और धड़कनों का होना ही हमारे ज़िंदा होने की निशानी है। इसलिए उन चीजों से परहेज करना चाहिए जो इन्हें रोकती हैं। हर मिनट हमारा दिल औसतन 70 से 90 बार धड़कता है और इस दौरान हम करीब 15 से 20 बार सांस भी ले लेते हैं। सीधा हिसाब करें तो 3 से 4 धड़कनों के बीच में 1 बार ही सांस की जरूरत पड़ती है। इसलिए सांस भी गहरी और क्वॉलिटी वाली लेनी चाहिए ताकि शरीर की जरूरत पूरी हो सके। सांस खींचने के बाद जब हवा नाक के सुराखों से होते हुए गले में मौजूद विंड पाइप को पार करते हुए फेफड़ों में मौजूद छोटी-छोटी थैलियों (Air Sacs- Alveoli) में पहुंचती है फेफड़ों में खून में मौजूद हीमोग्लोबिन ऑक्सिजन को बांध लेता है, फिर दिल उस ऑक्सिजन वाले खून को पंप करके पूरे शरीर में पहुंचाता है। इस ऑक्सिजन की मौजूदगी से ही शरीर के हर अंग को एनर्जी मिलती है। जो चीज हमारे लिए इतनी अहम है उसे हम स्मोकिंग यानी मुंह में धुआं भरकर खराब करने लगते हैं या तंबाकू चबाकर बर्बाद करने की कोशिश में रहते हैं। इससे अंग, कोशिकाएं कराहने लगती हैं। स्मोकिंग का असर शरीर के सभी अंगों और सभी कोशिकाओं पर पड़ता है।

इन सबसे लग सकती है तंबाकू की लत: तंबाकू की लत हर उस चीज से लग सकती है जिसमें निकोटीन होता है। कई बार इसकी शुरुआत एक कश या एक बार खाने से होती है और फिर सिलसिला शुरू हो जाता है। पहले दिन में एक बार, फिर दो और फिर तलब के अनुसार। इसलिए ज़िंदगी में पहला कश लगाने से पहले इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि कहीं यह सिलसिला न चल पड़े। एक बार लत लग जाए चाहे लत वह धुएं वाली हो (सिगरेट, बीड़ी, हुक्का आदि) या फिर बिना धुएं वाली (खैनी, गुटखा, जर्दा आदि), वेपिंग (इसमें धुएं की जगह भाप होती है) परेशानी घेर ही लेती है। यह लत छोटी-मोटी बीमारी (खांसी, दम फूलना आदि) से लेकर कैंसर जैसी गंभीर बीमारी पैदा कर सकती है।

तंबाकू में नुकसानदायक केमिकल

सिगरेट में 40 ऐसे केमिकल हैं, जो कैंसर की वजह बनते हैं। इनमें ये हैं ज्यादा खतरनाक:

निकोटीन: यह लत लगाने वाला केमिकल है। काफी शक्तिशाली है और तेजी से रिएक्शन करता है। सिगरेट की लत इसी की वजह से लगती है।

फॉर्मल्डिहाइड: काफी जहरीला होता है। इसका इस्तेमाल शवों को सुरक्षित रखने में किया जाता है। इससे कैंसर होने का खतरा रहता है। अमोनिया, एसिटोन आदि भी मौजूद होता है।

बेंजीन: इसमें कोयला और पेट्रोलियम जैसे ज्वलनशील पदार्थों का गुण होता है। यह सिगरेट की जलते रहने में मदद करता है।

टार: स्मोकिंग के समय धुएं के रूप में यह फेफड़ों में जमा होता है। इसकी वजह से फेफड़ों का रंग काला होता चला जाता है। फेफड़ों की क्षमता कम हो जाती है। दरअसल, स्मोकिंग के दौरान जितना टार बनता है उसका 70 फीसदी फेफड़ों में ही जमा होता है। यह फेफड़ों की क्षमता कम कर देता है।

इतना ज्यादा निकोटीन होता है सिगरेट और तंबाकू में

1 सिगरेट में करीब 8 से 12mg निकोटीन होता है जो जलकर 1 से 1.5 mg रह जाता है। निकोटीन की वजह से ही लत लगती है। साथ ही यह केमिकल के साथ रिएक्शन कर टार बनाता है। यह टार फेफड़ों के ऊपर परत के रूप में चढ़ जाता है। अलग-अलग सिगरेट में निकोटीन का स्तर अलग-अलग होता है। सूखे हुए 1 ग्राम तंबाकू में निकोटीन का स्तर 13.7 से 23.2mg तक होता है।

स्मोकिंग और तंबाकू से नुकसान

- अपने देश में कैंसर के सबसे ज्यादा मामले लंग्स कैंसर, स्मोकिंग की वजह से ही सामने आते हैं।
- इतना ही नही, शरीर के किसी भी हिस्से में होने वाले कैंसर की बड़ी वजह भी स्मोकिंग या तंबाकू का सेवन हो सकता है।
- मुंह के कैंसर और आहार नली के कैंसर का खतरा भी तंबाकू की वजह से काफी बढ़ जाता है।
- इनकी वजह से ब्रॉन्काइटिस (सांस की नलियों में सूजन) भी होती है। दुनिया में लोगों के किसी बीमारी से मरने की वजह में यह तीसरे नंबर पर है।
- डायबीटीज होने का खतरा भी तंबाकू की वजह से बढ़ सकता है। वहीं टीबी, दमा आदि के होने की एक बड़ी वजह स्मोकिंग है।
- अगर किसी को कोई दूसरी बीमारी है तो वह बीमारी भी नशे की लत की वजह से ज्यादा परेशान करती है।
- निकोटीन लेने की वजह से मानसिक सेहत भी सही नहीं रहती। कई लोगों को डिप्रेशन होने का अंदेशा भी बढ़ जाता है।
- धुएं या फिर बिना धुएं की लत की वजह से इन्फर्टिलिटी की परेशानी उभर सकती है। प्रेग्नेंसी कंसीव करने में भी परेशानी हो सकती है।

पुरुष-महिला की सेक्स लाइफ पर भी असर

पुरुषों में क्या हो सकती है परेशानी

पिछले 50 साल में पुरुषों में स्पर्म की संख्या में कुदरती तौर पर ही काफी गिरावट देखी जा रही है। ऐसे में अगर किसी को स्मोकिंग या तंबाकू की लत है तो मान लें कि यह गिरावट काफी ज्यादा हो सकती है। नुकसान इतना ही नहीं है, स्पर्म की मोबिलिटी (गति) भी कम होती जाती है। इस वजह से कई बार पुरुष पिता बनने में सफल नहीं हो पाता है। अगर यही लत किसी महिला को है तो गर्भ में पल रहे बच्चे को यह काफी नुकसान पहुंचा देता है। हकीकत यह है कि लंबे समय तक सिगरेट पीने या फिर तंबाकू खाने से इंसान की सेक्स की इच्छा पर भी विपरीत असर पड़ता है। स्मोकिंग खून की नसों को सिकोड़ देता है। यह खून को भी गाढ़ा कर देता है। इन वजहों से उत्तेजना होने पर खून का प्रवाह तेज नहीं हो पाता। लंबे समय तक स्मोकिंग करने से सेक्स की इच्छा और स्पर्म काउंट भी कम हो जाता है। जब कोई शख्स स्मोकिंग बंद करता है तो सेक्स की इच्छा की वापसी तो हो सकती है, लेकिन मुमकिन है कि उस शख्स का परफॉर्मेंस पहले जैसा न हो पाए।

महिलाओं में किस तरह की दिक्कत

निकोटीन की वजह से एस्ट्रोजन (सेक्स की इच्छा और प्राइवेट पार्ट में गीलेपन के लिए अहम हार्मोन) की कमी हो सकती है। स्मोकिंग और तंबाकू से ब्लड सर्कुलेशन कम होने लगता है। खून की नसें सिकुड़ने लगती हैं। ये प्रेग्नेंसी में बाधा उत्पन्न करते हैं। सेहतमंद एग पैदा नहीं हो पाते। IVF (कृत्रिम रूप से गर्भाधान) करवाने वाली महिलाओं में मिसकैरेज (गर्भपात) का खतरा ज्यादा होता है। इससे सर्विक्स के कैंसर का खतरा भी ज्यादा हो सकता है। पेसिव स्मोकिंग की वजह से वैसे तो सभी को हानि होती है, प्रेग्नेंट लेडी को ज्यादा खतरा होता है।

इतने फीसदी लोग हैं रिस्क पर

स्मोकिंग और तंबाकू

- **30-31%** लोग पूरे देश में किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन करते हैं।
- **10-11%** लोग सिर्फ स्मोकिंग करते हैं।
- **20-21%** लोग बिना धुएं वाला यानी सिर्फ तंबाकू चबाते हैं।
- **2-3%** लोग स्मोकिंग भी करते हैं और तंबाकू भी चबाते हैं।

सोर्स: Global Adult Tobacco Survey (GATS) स्टडी 2016-17

लत लगना

60-90% में स्मोकिंग की लत 18-19 की उम्र से पहले ही लग जाती है।

10 लाख से ज्यादा लोग हर साल स्मोकिंग, तंबाकू की वजह से जान गंवाते हैं। इनमें 1.3 लाख मौतें पैसिव स्मोकिंग (जो दूसरों का छोड़ा हुआ धुआं अपने अंदर लेते हैं) करने वालों की भी होती है।

लत के लक्षण

- 1 मिनट में दिल औसतन 70 से 90 बार धड़कता है। तंबाकू की लत लगने के बाद यह 90 से 110 बार तक धड़क सकता है।
- भूख कम महसूस होना
- लार और कफ ज्यादा बनना
- छोटी-छोटी बातों पर बेचैनी महसूस होना
- हर काम करने के लिए तंबाकू की जरूरत महसूस होना
- निकोटीन लेने की इच्छा बढ़ जाना
- चिंता बढ़ना, डिप्रेशन आदि महसूस होना
- सिर दर्द होना और ध्यान केंद्रित करने में दिक्कत होने लगना

नोट: ये लक्षण दूसरी बीमारी के भी हो सकते हैं। सही फैसला डॉक्टर ही कर सकते हैं।

कैसे निकलें लत से

जबसे स्मोकिंग या तंबाकू की लत को लात मारेंगे, उसी दिन से तन-मन के अच्छे दिन शुरू हो जाएंगे। पर यह भी सच है कि लत से निकलना आसान नहीं होता, लेकिन यह असंभव भी नहीं है। चूंकि मुश्किल होता है, इसलिए अगर 100 स्मोकर्स इसे छोड़ने की कोशिश करते हैं तो उनमें से 10 ही पूरी तरह छोड़ने में सफल हो पाते हैं। दरअसल, किसी भी लत से पीछा छुड़ाने में उस शख्स के आत्मबल यानी विल पावर की अहम भूमिका होती है। अगर कोई इसकी गिरफ्त से बाहर निकलना चाहता है तो इन बातों का ध्यान रख सकता है:

- हमेशा इस बात को समझना चाहिए कि नशे की लत से आजाद होना '**It's never too late**' यानी 'जब जागो तभी सवेरा' वाली बात होती है।
- यह सोचना चाहिए कि जिस दिन से इसे हाथ लगाना बंद करेंगे, इसके फायदे उसी दिन से शुरू हो जाएंगे।
- लत से निकलने के लिए एक तारीख तय करें। यह तारीख किसी का जन्मदिन, मैरिज एनिवर्सरी आदि हो सकती है।

उस दिन सिगरेट या तंबाकू आदि को फेंक दें। लाइटर को हटा दें और ठान लें कि आज के बाद कोई नशा नहीं करना है।

- ऐसे दोस्तों या ग्रुप को बाय-बाय कह दें जो नशा करते हों।
- धीरे-धीरे कम करते हुए सिगरेट से पीछा छुड़ाना बहुत मुश्किल है। मान लें आज किसी ने 10 की जगह सिर्फ 5 सिगरेट पीं। कल किसी बात की टेंशन हुई तो फिर से वह 10 या इससे भी ज्यादा सिगरेट पी सकता है। इसलिए अगर सिगरेट छोड़नी है तो एक ही दिन में टाटा, बाय-बाय करना होगा।

निकोटीन के विड्रॉल सिम्पटम्स आएं तो...

- इसका मुकाबला पहले अपने शौक को पूरा करके कर सकते हैं। जब तलब महसूस हो तो गीत-संगीत, डांस, बातचीत, कुकिंग आदि में लग जाएं।
- अगर शौक पूरा करने से भी बात न बने तो निकोटीन रिप्लेसमेंट थेरपी का सहारा ले सकते हैं। इसके लिए अपने डॉक्टर से मिलें। हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करें।

निकोटीन रिप्लेसमेंट थेरपी

निकोटीन से मुक्ति पाने के लिए निकोटीन रिप्लेसमेंट थेरपी दी जाती है। इसमें निकोटीन लॉजिन्जिस (**Nicotine Lozenges**) यानी मुंह में रखने वाली गोलियां, ट्रांसडर्मल निकोटीन (**Transdermal Nicotine**) यानी स्किन पर लगाने वाले पैच, निकोटीन इनहेलर (**Nicotine Inhaler**), निकोटीन नेजल स्प्रे (**Nicotine Nasal spray**), निकोटीन गम्स (**Nicotine Gums**) का प्रयोग किया जाता है। इसके अलावा च्यूइंग-गम का विकल्प भी होता है। इन दवाओं को डॉक्टर की सलाह से ही लेना चाहिए। इन तमाम दवाओं को तब लेने की सलाह दी जाती है, जब सिगरेट की बहुत ज्यादा तलब महसूस हो।

नशा से निकलने के लिए यहां करें कॉल

1800-11-2356

कब कॉल करें: मंगलवार से रविवार | **टाइमिंग:** सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक | **किस दिन बंद:** सोमवार

सिगरेट, बीड़ी, वेप, तंबाकू, गुटखा, जर्दा आदि में से कोई या कई तरह की लत हो तो इस नंबर पर डायल करें। यह केंद्र सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय का तंबाकू छोड़ो हेल्पलाइन नंबर है। अहम बात यह है कि एक बार किसी ने यहां कॉल की और अपनी सही डिटेल दी तो सालभर तक फॉलोअप करने की जिम्मेदारी सरकार (कॉल सेंटर वालों) की होती है। हमने दिए हुए नंबर पर कॉल की तो उन्होंने बताया कि एक से डेढ़ हफ्ते में किसी भी तरह की निकोटीन की लत को छुड़वाने की कोशिश करते हैं। सिगरेट, बीड़ी, तंबाकू आदि की पैकिंग पर हमारा हेल्पलाइन नंबर दिया रहता है। इस पर संपर्क करें। हम अपनी तरफ से पूरी मदद करते हैं।

सेहतमंद फेफड़ों के लिए जान लें ये-ये बातें

सिगरेट, बीड़ी, तंबाकू जैसी चीजों से पूरी तरह तौबा करना और पैसिव स्मोकर भी न बनना जरूरी है।

पैक्ड फूड आइटम्स और जंक फूड से बचें

ये फूड आइटम (नूडल्स, चिप्स, कुरकुरे, समोसे, रिफाइंड और मैदे से बने उत्पाद आदि) स्वाद में भले ही लजीज हों, पर सेहत को जलील करते हैं। ये एकतरफ ऐंटिऑक्सिडेंट तो कम बनाते हैं, लेकिन फ्री रेडिकल्स बहुत ज्यादा बनाते हैं। इससे हमारा पाचन तंत्र और इम्यूनिटी कमजोर होती है और सबसे अहम हम मोटे होते जाते हैं। कई बार शरीर में खून की कमी भी हो जाती है। नतीजा शरीर कमजोर हो जाता है। वैसे तो इन्हें खाना ही नहीं चाहिए, पर मन को मनाना मुश्किल होता है। इसलिए महीने में एक बार से ज्यादा ऐसी चीजों को नहीं खाना चाहिए। ज्यादा प्रोसेस्ड और अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड से बचें। चीनी भी घटाएं। कोल्ड ड्रिंक्स और पैक्ड जूस बिलकुल न लें।

सेहतमंद खाना खाएं

डाइट में सबकुछ हो यानी कार्बोहाइड्रेट (चावल, मिलेट्स की रोटी आदि), प्रोटीन (पनीर, दालें, अंडा आदि), मौसमी साग-सब्जियां (भिंडी, सहजन, परवल, लौकी आदि), सलाद (खीरा, चुकंदर, टमाटर आदि)। इनके अलावा 2 पीस या 2 प्लेट मौसमी फल (सेब, पपीता, केला, तरबूज आदि)। वहीं ड्रिंक्स में जलजीरा, छाछ, सत्तू, आम पना, नमकीन लस्सी आदि लें।

ऐसी हो खाने की प्लेट

- हमारी प्लेट में आधा हिस्सा फ्रूट्स-सलाद और सब्जियों का होना चाहिए। एक चौथाई हिस्सा कार्बोहाइड्रेट यानी अनाज और एक चौथाई प्रोटीन।
- रोटी या चावल ले रहे हैं तो भी प्लेट का चौथाई हिस्सा ही होगा। कच्ची सब्जियां या फल खाने से मेटाबॉलिजम और इम्यूनिटी तेज होती है।
- अगर दालों को कुछ घंटे तक भिगोकर रखने के बाद पकाएं तो अच्छा रहता है।
- अगर पेट हमेशा फूला रहता है तो ग्लूटेन युक्त और डेयरी प्रॉडक्ट्स से परहेज करें।

एक्सरसाइज करें

हर दिन 40 से 50 मिनट की एक्सरसाइज जरूरी है। इसके अलावा ब्रेथ होल्डिंग एक्सरसाइज और डीप ब्रीदिंग से भी फेफड़े मजबूत होते हैं। इनके अलावा ये तरीके भी हैं, जिनसे फेफड़े मजबूत होते हैं। पता लग जाता है कि फेफड़ों में कितना है दम:

Three Balls Spirometer: सांस की क्षमता को जांचने और बढ़ाने में 'थ्री बॉल्स स्पाइरोमीटर' का इस्तेमाल भी कारगर है। इसमें एक पाइप होता है और प्लास्टिक की 3 हल्की बॉल। पाइप के माध्यम से सांस अंदर खींचना होता है। अगर किसी के सांस अंदर खींचने से तीनों बॉल ऊपर उठ जाती हैं और बॉलों को कुछ सेकंड तक सांस रोककर होल्ड कर पाता होता है तो इसका मतलब है उसके फेफड़ों की क्षमता सही है।

अगर कोई तीनों बॉल नहीं उठ पा रहा तो उसे अपनी क्षमता को बढ़ाने की जरूरत है। इस मशीन का इस्तेमाल दिन में 2 से 3 बार कर सकते हैं।

सांस रोकने वाली एक्सरसाइज से भी फायदा

ऊपर बताई हुई एक्सरसाइज के अलावा सांस रोकने की क्षमता से भी पता चलता है कि फेफड़े कैसा काम कर रहे हैं। अगर कोई शख्स लंबी सांस खींचकर 45 सेकंड से 1 मिनट या इससे ज्यादा देर तक इसे रोककर रख ले तो यह मान लिया जाता है कि उसके फेफड़ों की क्षमता अच्छी है क्योंकि उसके फेफड़ों ने काफी अच्छी मात्रा में बाहर की हवा को शरीर के भीतर पहुंचाया। यहां इस बात का ध्यान रखें कि अगर कोई 30 सेकंड तक ही अपनी सांस रोक पाता है तो धीरे-धीरे कोशिशों से उसकी क्षमता भी बढ़ जाती है। परेशानी हो तो जबरदस्ती न करें।

ई-सिगरेट और वेप भी हैं खतरनाक

Q A वेपिंग (Vaping) शब्द वेपर (Vapour) से बना है। इसका मतलब है निकोटीन और दूसरे हानिकारक केमिकल एक इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस (E-Cigarette) के जरिए वेपर यानी वाष्प के रूप में मुंह के अंदर लेना। सीधे कहें तो ई-सिगरेट से सिगरेट पीने की प्रक्रिया को वेपिंग कहते हैं। दरअसल, इससे सिगरेट या बीड़ी आदि की तरह पूरी तरह धुएं के रूप में नशा नहीं होता, बल्कि यह भाप की तरह होता है जो कई केमिकल मिलाकर तैयार किया जाता है। धुआं न होने से लोग इसे हानिकारक नहीं मानते। यह गलत है।

यह कई तरह के फ्लेवर में मिलता है, मसलन: चॉकलेट, स्ट्रॉबेरी आदि। यह सिगरेट से 10 गुना तक महंगा होता है। वेपिंग में माचिस या लाइटर से आग नहीं लगाई जाती बल्कि बैटरी की मौजूदगी से हीट पैदा की जाती है। इसी गर्मी से वे केमिकल भाप में बदल जाते हैं। फिर उस भाप को वह शख्स मुंह में खींचता है। इससे नशा होता है यानी कुछ किक मिलती है। अहम बात यह है कि इसमें भी लत लगने वाला केमिकल निकोटीन ही होता है। जब कोई टीनऐजर वेपिंग शुरू करता है तो निकोटीन की वजह से धीरे-धीरे उसे इसकी लत लग जाती है। जब कभी उसे वेप का मौका नहीं मिलता तो वह फौरन ही सिगरेट आदि पीना शुरू कर देता है।

अपने देश में यह पूरी तरह बैन है। इसे खरीदना या बेचना गैरकानूनी है, लेकिन यह भी सच है कि विदेश से मंगाकर इसे यहां छुपाकर बेचा जाता है। परेशानी की बात यह है कि इसकी लत का शिकार 10 साल के बच्चे से लेकर 19 साल तक के युवा हो रहे हैं। उन्हें लगता है कि वेपिंग से कोई नुकसान नहीं है। इससे लत नहीं लगती। वे पूरी तरह गलत हैं। निकोटीन इनमें भी होता है, निकोटीन की वजह से वेपिंग की भी लत लगती है और इसका नुकसान भी करीब-करीब सिगरेट जितना ही है। इससे लगभग उतनी ही परेशानियां और बीमारियां होती हैं, जितनी सिगेटर, बीड़ी या फिर हुक्का आदि पीने से। यह भी फेफड़ों को कमजोर करता है। सांस फूलने आदि की परेशानियां इससे भी होती हैं।

स्मोकिंग, तंबाकू छोड़ते ही फायदा शुरू

Q स्मोकिंग छोड़ने के बाद फेफड़ों पर रिस्क कितना कम हो जाता है?

A अगर किसी को लत है और उसने नशा करना बंद कर दिया तो फायदा जरूर होता है। फेफड़ों के बीमार पड़ने की आशंका थोड़ी कम हो जाती है या फिर बीमारी की प्रक्रिया धीमी हो सकती है। शरीर में ब्लड सर्कुलेशन बेहतर हो जाता है, बीपी और शुगर को काबू करना आसान हो जाता है। वह शख्स पहले की तुलना में ऊर्जावान महसूस करता है। लेकिन यह कहना कि सब कुछ पहले जैसा हो जाता है, थोड़ा मुश्किल है। लेकिन फायदा तो दिख ही जाता है। इसलिए नशा शुरू ही नहीं करना चाहिए।

Q क्या सिगरेट की तुलना में बीड़ी, हुक्का, खैनी, गुटखा कम नुकसान करते हैं?

A ये सभी कैंसर पैदा करने वाले कारक हैं और सभी बहुत ज्यादा नुकसानदायक हैं। ये चीजें कई तरह की बीमारियां पैदा करती हैं। इनमें कोई भी किसी से कम या ज्यादा नहीं है।

Q पलूशन का असर फेफड़ों पर?

A जब एयर पलूशन बढ़ता है तो हवा में मौजूद धूल के छोटे-छोटे कण सांस के जरिए हमारे फेफड़ों तक पहुंच जाते हैं। इस दौरान ये कण नाक के सुराखों, सांस की नली आदि में भी परेशानी पैदा करते हैं। ड्राइ नोज, गले में खराश इसके अहम लक्षण हैं। गले में इनकी मौजूदगी की वजह से म्यूकस ज्यादा निकलता है। यह बलगम के रूप में बाहर आता है। शरीर में बहुत ज्यादा मात्रा में बेकार पदार्थ यानी ज्यादा फ्री-रेडिकल्स बनते हैं। जब शरीर के अंदर पलूशन की मौजूदगी ज्यादा होने लगती है तो ऐंटिऑक्सिडेंट की डिमांड भी ज्यादा होती है। अगर हम इसे सही मात्रा में नहीं लेंगे तो शरीर में एलर्जी, सांस फूलने की समस्या, सूखी या बलगम वाली खांसी होने लगती है। इसके बाद शरीर में ऊर्जा की कमी होने लगती है। सीधे कहें तो फेफड़ों पर सीधा असर होता है। इसलिए कोशिश यह होनी चाहिए कि जब पलूशन का स्तर ज्यादा हो तो घर से बाहर कम ही निकलें। अगर निकलना भी हो तो अच्छी क्वॉलिटी का मास्क पहनकर निकलें और स्मोकिंग आदि से दूर ही रहें।

जागरूक खबरें

स्वामी विवेकानंद की मूर्ति का कल अनावरण करेंगे देवनानी

उदयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी गुरुवार 29 मई को उदयपुर आएंगे। देवनानी इस एक दिवसीय यात्रा के दौरान उदयपुर में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे। देवनानी जयपुर से प्रातः वायुयान द्वारा उदयपुर पहुंचेंगे। देवनानी उदयपुर में प्रातः 8:00 बजे प्रताप गौरव केंद्र पहुंचकर महाराणा प्रताप जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित पुष्पांजलि कार्यक्रम में भाग लेंगे। देवनानी उदयपुर के होटल रेडिसन में गुरुवार को ही प्रातः 9:30 बजे आयोजित वर्तमान एवं पूर्व विधान सभा अध्यक्षों के समागम समारोह को भी संबोधित करेंगे। देवनानी उदयपुर के झाड़ोल में स्वामी विवेकानंद की मूर्ति का अनावरण भी करेंगे। देवनानी आज सीकर और चुरू यात्रा पर यात्रा पर रहेंगे। देवनानी सीकर के लक्ष्मणगढ में आयोजित सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार यज्ञानुष्ठान कार्यक्रम में भाग लेंगे। देवनानी का चुरू के सालासर में स्थित बालाजी मंदिर के दर्शन करने का भी कार्यक्रम है।

श्याम बाबा की भक्ति का जमेगा रंग, प्रवाहित होंगी भजनों की सरिता

भीलवाड़ा @ जागरूक जनता। लाखों भक्तों की आस्था के केन्द्र भीलवाड़ा के शास्त्रीनगर सी सेक्टर स्थित श्री श्याम मंदिर के 28वें वार्षिकोत्सव पर 30 मई शुरु वार को श्री श्याम मंदिर सेवा मण्डल समिति द्वार भक्ति से ओतप्रोत विविध आयोजनों के माध्यम से श्याम बाबा की आराधना कर अपनी श्रद्धा-भक्ति उनको समर्पित की जाएगी।

यूईएम जयपुर मेधावी छात्रों को दे रहा 100 प्रतिशत तक छात्रवृत्ति

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चौमूं। यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (यूईएम) जयपुर, जयपुर-सीकर राजमार्ग पर स्थित राजस्थान का एक प्रमुख निजी विश्वविद्यालय है, जो अपने स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी पाठ्यक्रमों के माध्यम से इंजीनियरिंग, प्रबंधन, फिजियोथेरेपी और कंप्यूटर एप्लीकेशन के क्षेत्र में कौशल आधारित और परिणामोन्मुखी तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करता है। यूईएम जयपुर से हजारों छात्र पहले ही उत्तीर्ण हो चुके हैं और भारत और विदेशों में शीर्ष बहुराष्ट्रीय कंपनियों में सेवा दे रहे हैं। यूईएम जयपुर के कुलपति प्रो. (डॉ.) बिस्वजय चटर्जी ने बताया कि प्रवेश वर्ष 2025-26 के लिए, विश्वविद्यालय मेधावी छात्रों के लिए विभिन्न पाठ्यक्रमों की ट्यूशन फीस के 100% तक छात्रवृत्ति प्रदान कर रहा है। विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों के लिए बीबीए (खेल प्रबंधन) और एमबीए (खेल प्रबंधन) पाठ्यक्रमों के लिए आकर्षक छात्रवृत्ति भी उपलब्ध है।

यूईएम जयपुर के रजिस्ट्रार प्रो. (डॉ.) प्रदीप कुमार शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय हर साल अपने विद्यार्थियों को विभिन्न श्रेणियों में करोड़ों रुपए की ट्यूशन फीस के बराबर छात्रवृत्ति वितरित करता है। कोर्सेरा, लिंक्डइन लर्निंग, इंफोसिस स्प्रिंगबोर्ड और एनपीटीईएल सर्टिफिकेशन के माध्यम से निशुल्क ऑनलाइन कोर्स के रूप में भी छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। इसके अलावा, आईआईटी और एनआईटी में पाठ्यक्रम अवधि के दौरान प्रसिद्ध सम्मेलनों, प्रतियोगिताओं और सेमिनारों के लिए निशुल्क पंजीकरण के रूप में भी छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। यूईएम जयपुर के वरिष्ठ प्रबंधक प्रवेश प्रो. आशुतोष गौतम ने बताया कि यूईएम जयपुर के सभी पाठ्यक्रमों में राजस्थान के मूल निवासी विद्यार्थियों और राजस्थान की छात्राओं को विशेष छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। नियमित छात्रवृत्ति के अलावा कुछ चयनित विद्यार्थियों को उनके पारिवारिक प्रमाण-पत्रों के आधार पर निशुल्क छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है, जिसमें पाठ्यक्रम की पूरी अवधि के लिए कुल ट्यूशन फीस माफ कर दी जाती है। वर्ष 2025-26 के लिए विश्वविद्यालय ने भावी विद्यार्थियों को नौकरी के लिए तैयार करने के लिए बड़ी योजनाएं बनाई हैं, जिसका उद्देश्य "अच्छी शिक्षा, अच्छी नौकरी" है।

माधव विश्वविद्यालय में बोस्टन सिइंटिफ़िक मल्टीनेशनल कंपनी द्वारा प्री-प्लेसमेंट टॉक का सफल आयोजन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

आबूरोड़। माधव विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल के निदेशक डॉ. अतुल कुमार मिश्रा के नेतृत्व में बोस्टन सिइंटिफ़िक मल्टीनेशनल कंपनी द्वारा एक ऑनलाइन प्री-प्लेसमेंट टॉक का आयोजन किया गया। यह आयोजन छात्रों को कंपनी की कार्यप्रणाली, करियर अवसरों और चयन प्रक्रिया से अवगत कराने के उद्देश्य से किया गया। इस सत्र में बोस्टन सिइंटिफ़िक मल्टीनेशनल की 'विस्तार' अर्ली करियर प्रोग्राम की विस्तृत जानकारी साझा की गई, जो भारत में युवाओं के लिए एक सुनहरा अवसर प्रदान करता है। इस दौरान बोस्टन सिइंटिफ़िक मल्टीनेशनल कंपनी की पृष्ठभूमि, प्रोग्राम के चयन की प्रक्रिया और भविष्य में कंपनी में उपलब्ध करियर संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई, इसके साथ ही छात्रों के सवालों के उत्तर भी कंपनी प्रतिनिधियों द्वारा दिए गए, जिससे उन्हें बोस्टन सिइंटिफ़िक मल्टीनेशनल कंपनी में संभावित करियर को लेकर स्पष्ट दिशा प्राप्त हुई। माधव विश्वविद्यालय के फार्मेसी बिभाग के अधिष्ठाता डॉ. सुशील भार्गव ने इस प्री-प्लेसमेंट टॉक के बारे मैं जानकारी देते हुए कहा की हम बोस्टन सिइंटिफ़िक जैसी वैश्विक कंपनी को माधव विश्वविद्यालय में प्री-प्लेसमेंट टॉक के लिए आमंत्रित कर गर्व महसूस कर रहे हैं। ऐसे आयोजनों से हमारे छात्रों को इंडस्ट्री की वास्तविक आवश्यकताओं को समझने और अपने करियर की दिशा तय करने में सहायता मिलती है। हम प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल के निदेशक डॉ. अतुल कुमार मिश्रा एवं उनकी टीम के प्रति आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने इस सत्र को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बिहारी जी मंदिर में नए पुजारी देवेंद्र भारद्वाज करेंगे ठाकुर जी की सेवा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

भरतपुर। किले स्थित बिहारी जी मंदिर का वीडियो सामने आने के बाद देवस्थान के सहायक आयुक्त मुकेश मीणा ने मंदिर के पुजारी को हटा दिया है। उनके स्थान पर देवेंद्र भारद्वाज को मंदिर का पुजारी लगाया गया है। वहीं वीडियो में दिखाई दे रहा पुजारी का भाई कृष्ण माधव पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। कृष्ण माधव ने मंदिर का ट्रस्ट बनाया हुआ था। जिसका अध्यक्ष वह खुद बना हुआ था।

देवस्थान विभाग के सहायक आयुक्त मुकेश मीणा ने बताया लेटर जारी करते हुए बताया है कि देवस्थान विभाग उदयपुर के आयुक्त फोन पर दिए निर्देश के बाद मनोज भारद्वाज अंशकालीन पुजारी को तत्काल प्रभाव से हटाया जाता है। मनोज भारद्वाज के स्थान पर देवेंद्र भारद्वाज अंशकालीन कार्यवाहक पुजारी के रूप में काम करेंगे। 23 मई को बिहारी जी मंदिर परिसर का एक वीडियो सामने आया था। जिसमें कुछ लोग फूहड़ गानों पर अश्लील डांस कर रहे थे। वीडियो में डांस कर रहे लोगों के पास बिहारी जी मंदिर का पुजारी मनोज भारद्वाज भी दिखाई दे रहा था। इसके अलावा वीडियो में पुजारी का भाई कृष्ण माधव भी डांस कर रहा था। वीडियो देवस्थान विभाग के संज्ञान में आया। जिसके बाद देवस्थान विभाग ने मथुरा गेट थाने में इसकी एक FIR भी दर्ज करवाई।

डांस के वीडियो के साथ कुछ फोटो भी सामने आए थे। जिसकी पुष्टि के लिए देवस्थान विभाग और मथुरा गेट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मंदिर के पास बने कमरे को चेक किया। साथ ही इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर राकेश मान ने मौके के वीडियो फोटो भी बनाये। FIR होने के बाद भी पुलिस न तो मामले पर कुछ कहने को तैयार है और न ही पुलिस ने मामले को लेकर कोई कार्रवाई की है।

नव नियुक्त सहायक प्राध्यापको के लिए 21 दिवसीय अभिमुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं अभिमुखीकरण प्रशिक्षण के निदेशक डॉ लोकेश गुप्ता ने बताया की यह महाविद्यालय राजस्थान का सबसे पुराना डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय है और डेयरी एवं खाद्य के उच्च तकनीकतंत्री 1982 से तैयार कर देश सेवा में अपना योगदान दे रहा है । महाविद्यालय की दूरदर्शी, विकासोन्नमुखी एवं तकनीकी सोच को मुक्त हृदय से अंगीकार करते हुए विश्वविद्यालय ने नव-नियुक्त सहायक प्राध्यापको के लिए 21 दिवसीय अभिमुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम की महत्ती जिम्मेदारी प्रदान की जिसे महाविद्यालय के कुशलतम स्टाफ़ के अविस्मरणीय योगदान से कुशलतम रूप से निर्वहन किया। उन्होंने इस अवसर पर विश्वविद्यालय के उपस्थित वरिष्ठ अधिकारी परिषद के सदस्यों एवं अन्य आगंतुको का अभिनन्दन करते हुए 21 दिवसीय कार्यक्रम का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया । साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त जिम्मेदारी के लिए कृतज्ञता ज्ञापित की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता एमपीयुएटी के कुलपति डॉ अजीत कुमार कर्नाटक ने की। अपने अध्यक्षीय उदबोधन में उन्होंने सभी नव-नियुक्त सहायक प्राध्यापको के स्वागत करते हुए कहा की स्थापना के समय से ही इस विश्वविद्यालय ने कृषि एवं सम्बन्धित क्षेत्रोँ में रोजगारोन्मुखी शिक्षण एवं उत्कृष्ट प्रशिक्षण प्रदान करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति अर्जित की है । अब नव-नियुक्त सहायक प्राध्यापको के सहयोग से नए संकल्प के साथ विश्व स्तर पर कीर्ति पताका फहरानी है जो की नव-नियुक्त एवं उर्जावान सहायक प्राध्यापको के सहयोग से ही सम्भव है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर एम बी एम विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अजय कुमार शर्मा ने नव-नियुक्त सहायक प्राध्यापको से कहा की कुशल शिक्षण के साथ नई तकनीको के समावेश से आधुनिक अनुसन्धान आज की माँग है और यही अपेक्षाए भी है। महाविद्यालय की सह-आचार्य एवं अभिमुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम की आयोजन-सचिव डॉ निकिता वधावन ने सभी अतिथियों एवं आगंतुकों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बताया की यह 21 दिवसीय अभिमुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम कौशल और नेतृत्व के नए क्षितिज खोलता हुआ नये मापदंडों की स्थापना करेगा। पूरे 21 दिन तक प्रतिभागियों के ज्ञान-उन्नयन हेतु विभिन्न विषय विशेषज्ञों को विशिष्ट रूप से आमंत्रित किया गया साथ ही प्रतिभागियों को प्रायोगिक एवं अनुभवात्मक प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु विभिन्न इकाईयों का न केवल भ्रमण कराया गया बल्कि व्यावहारिक प्रशिक्षण के उद्देश्य से स्वयं के हाथो से विभिन्न गतिविधियों को सम्पन्न करने का अवसर भी प्रदान किया गया।

गुजराती मोची प्रीमियर लीग 2025 ट्रॉफी एवं जर्सी अनावरण कार्यक्रम 13 को

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। श्री सांवरिया सेठ मंदिर परिसर में सभी 13 अतिथि टीमों के कप्तानों, आयोजक टीमों और स्थानीय युवा खिलाड़ियों की उपस्थिति में ट्रॉफी और जर्सी का भव्य अनावरण किया गया। लीग का आयोजन 13 से 15 जून तक रेलवे ग्राउंड ठोकर चौराहा उदयपुर में किया जायेगा। गुजराती मोची समाज द्वारा आयोजित प्रथम GMPL - गुजराती मोची प्रीमियर लीग 2025 की तैयारियों की शुरुआत धार्मिक ऊर्जा और सामाजिक एकता के साथ हुई। बैठक की शुरुआत सांवरिया सेठ के जयकारों और आरती के साथ हुई, जहां सभी खिलाड़ियों ने क्रिकेट प्रतियोगिता की सफलता के लिए आशीर्वाद लिया।

आयोजन का उद्देश्य

यह आयोजन केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि समाज की एकता, मेलजोल, परिचय, भाईचारा और प्रेम को सशक्त करने का माध्यम है। आयोजक महेश मुंडानिया, विजय चुहाड़िया, मनोज मुंडानिया, विशाल हंडेरिया, मनीष राठौड़, महावीर राठौड़, विशाल दाता, राहुल गुंजेटिया, हितेश हंडेरिया उपस्थित रहे।

बीकानेर देहात ज़िलाध्यक्ष पंचारिया ने सुनी जनसमस्याएं, दिया आश्वासन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

राजेरां। बीकानेर देहात ज़िलाध्यक्ष श्याम पंचारिया ने रूणिया बास मण्डल के राजेरां, हेमेरां, शेरेरां व खारड़ा गांवो का दौरा कर मोदी जी की पलाना में जनसभा में पधारने पर धन्यवाद दिया व ग्रामीणों की बीजली-पाणी की समस्याओं को सुना व अधिकारियों को अवगत करवाया।

राजेरां में सोशल मीडिया संभाग संयोजक कोजुराम सारस्वत, भाजयुमो मण्डल अध्यक्ष गणपत गोदारा ने स्वागत अभिनंदन किया। राजेरां के ग्रामीणों ने बीजली-पाणी की समस्याओं से अवगत कराया। ज़िलाध्यक्ष ने मौके पर ही अधिकारियों को अवगत करवाया । इस दौरान किसन शर्मा जगदीश गोदारा मदनलाल सारस्वत श्रवण कुमार सारस्वत सागरमल सारस्वत सुरजाराम सारस्वत बीरबल सारस्वत मुनीराम शर्मा राकेश सारस्वत गजानंद शर्मा मोहित सारस्वत मौजूद रहे।

खारड़ा में पंचायत समिति सदस्य रवि सारस्वत भाजयुमो जिला महामंत्री प्रदीप सारस्वत पुर्व सरपंच श्रीचंद सारस्वत व शेरेरां में कन्हैयालाल सारस्वत से मुलाक़ात की

नारी शक्ति को जागृत कर महिला मंडल का किया गठन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

अलवर। गायत्री परिवार अलवर के द्वारा सीताराम जी के मंदिर, कटला मोहल्ला, मालाखेडा में कन्या कौशल कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नारी स्वालंबन, नारी शिक्षा, बच्चों को संस्कार, स्वसुरक्षा एवं मोबाइल से बढती नजदीकीयाँ आदि विषयों पर चर्चा की गई। खंडवा छत्तीसगढ़ से आई बहने कुंवारी पूर्णिमा पँवार, कुंवारी तनु परिहार, कुमारी मोहिनी सूर्यवंशी ने अपने उद्बोधन में सभी माता बहनों को सभी विषयों पर जानकारी देते हुए प्रेरक प्रसंग सुनाए। इसके साथ ही माया गुप्ता, आशा तिवारी, नीता शर्मा, शशि गुप्ता, पूनम गुप्ता आदि ने भी सभी माता बहनों को अपने प्रयासों से जागरुक करते हुए एक महिला मंडल का गठन किया जो की मालाखेडा कस्बे मे सामाजिक शिक्षा व बच्चों के संस्कार पर कार्य करेंगी। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद के रूप में फलाहार का वितरण कर जन जागृति रैली भी संपूर्ण कस्बे के मुख्य मार्गो से निकल गई। इसमें विशेष सहयोग सतीश बडाया, राजेश गोयल, कल्लू राम जांगिड़, मुकेश गुप्ता, सुरेश जांगिड़, पुखराज गुप्ता, उमेश चन्द खण्डेलवाल, विनोद गुप्ता आदि का रहा।

शोधार्थी पुनीत वाधवा को कंप्यूटर साइंस में पीएचडी की उपाधि

आबूरोड @ जागरूक जनता। माधव विश्वविद्यालय के शोधार्थी पुनीत वाधवा को कंप्यूटर साइंस में पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। उन्होंने द प्लांट डिजीज डिटेक्शन यूजिंग जीएलसीएम और केएनएन क्लासिफिकेशन इन न्यूरल नेटवर्क्स मर्ज विथ द कांसेप्ट ऑफ़ मशीन लर्निंग विषय पर अपना शोध कार्य सफलता पूर्वक पूर्ण किया। यह शोध कार्य उनके मार्गदर्शक डॉ. गणपत जोशी के निर्देशन में संपन्न हुआ। वाधवा के शोध कार्य का मूल्यांकन डॉ. मंजू मंडोत, एसो. प्रो., जेआरएन राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर द्वारा किया गया। शोध का मुख्य उद्देश्य पौधों में होने वाली बीमारियों की समय पर पहचान कर उनकी रोकथाम को अधिक प्रभावी बनाना है, जिससे कृषि क्षेत्र में उत्पादकता को बढ़ावा मिल सके।

बिरला शिक्षा केन्द्र सत्र 2024-25

बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट परिणाम हेतु बिरला सीमेंट प्रबंधन द्वारा विद्यार्थी एवं शिक्षकों का किया सम्मान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। बिरला शिक्षा केंद्र सत्र 2024-25 में बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट परिणाम हेतु बिरला सीमेंट प्रबंधन द्वारा विद्यार्थी एवं शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि देवेश कुमार मिश्रा अध्यक्ष बिरला सीमेंट, विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरिता सिंह एवं आई एम सी टी एफ की वर्तमान अध्यक्षा सुशीला लड्ढा व अतिथि सुनील गुप्ता वाइस चेयरमैन बिरला सीमेंट, प्रदीप कुमार सिंह सेक्रेटरी बिरला सीमेंट एजुकेशन सोसाइटी रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की छवि के समक्ष दीप प्रज्वलन कर की गई। विज्ञान संकाय में जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी एवं फिजिकल एजुकेशन व जीवविज्ञान में शत प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। कक्षा 12वीं व 10वीं के, अन्य मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र व पुरस्कार प्रदान कर उनका अभिनंदन किया गया। कक्षा 9 व 11 के विद्यार्थियों के उत्साह वर्धन के लिए उन्हें विद्यालय स्तर पर अच्छे परिणाम के लिए पुरस्कार प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि महोदय श्रीमान देवेश कुमार मिश्रा जी ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उन्हें उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ दी। विद्यालय प्राचार्या रेखा यादव ने स्वागत उद्बोधन दिया एवं पधारे हुए समस्त अतिथि गण का स्वागत किया। विद्यालय के उपप्राचार्य वी.वी. बैंजामिन ने सत्र 2024-25 के बोर्ड परीक्षा परिणाम का संक्षिप्त विवरण दिया। मंच संचालन अध्यापिका रोजी ग्रेस व सोनिया शर्मा ने किया।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

....

फोन .... पिन कोड ☐☐☐☐☐☐

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक ☐☐☐☐☐☐ (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

चौथा स्तम्भ

सरपट

ज्ञानेन्द्र मिश्रा

चौथा स्तम्भ, सुनकर गर्व और उत्साह का अहसास होता है। लेकिन बात लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ की जायें तो हालात आज बद से बदत्तर है। शासन, प्रशासन और जनता के बीच एक सेतु के रूप में अपनी पहचान रखने वाला चौथा स्तम्भ आज खोखला सा नजर आने लगा है। सरकार किसी भी पार्टी की हो, पत्रकार सिर्फ ईसी आशा में है कि अब वो सरकार आएगी तो सब ठीक हो जायेगा। वो सरकार आएगी तो ये सुविधा चालू हो जायेगी। सरकार आती भी है और पत्रकार की आशा वहीं की वहीं रह जाती है। साप्ताहिक-पाक्षिक अखबारों पर सरकार की कोई नजर नहीं है। इसके विपरित ये अखबार आज भी पूरी ईमानदारी से अपना दायित्व निभा रहे हैं। सरकार की हर छोटी-बड़ी योजनाओं को वरियता से जनता के सामने रख रहे हैं। ऐसा हरगिज नहीं है कि हर साप्ताहिक अखबार सिर्फ फाइलों में ही छप रहा है या हर दैनिक नियमित अपने नियत समय पर प्रकाशित हो रहा है। लेकिन सरकार ने ऐसे दोयम दर्जे को परिभाषित करते हुए नियम बना रखे है कि ये तो साप्ताहिक अखबार है, इसके लिए ये नियम है। ये दैनिक है इसके लिए ये नियम है। बीते वर्षों में साप्ताहिक अखबारों को भी निविदायें, आपत्ति, लोक व अन्य विभागीय सूचनाएं प्रकाशन हेतु नियमित मिलती रही है। लेकिन वसुंधरा सरकार में ये सूचनाएं भी बंद कर दी गई। इसके बाद आज तक ये सूचनाएं बंद ही है। साप्ताहिक या छोटे अखबारों को शायद छोटा ही रखना सरकार की नियमावली में शामिल ही हो गया है। गौर करने वाली बात है कि बड़े अखबारों की अपेक्षा छोटे अखबार या साप्ताहिक अखबारों में सरकार की कार्यशैली को उच्च स्तर पर प्रकाशित किया जाता रहा है। फिर भी सरकार विज्ञापन नीति में कोई बदलाव नहीं कर रही है।

प्रदेश में सरकार की योजना हो या कोई आपदा, सुशासन हो या उपलब्ध्यि साप्ताहिक व छोटे अखबार अपनी पूरी तन्मयता से अपना कर्म कर रहे है। बड़े मीडिया हाउस में सरकार विज्ञापन की कटौती करती है तो वे सरकार की कमियों को ढूंढ-ढूंढकर प्रमुखता से प्रकाशित करते है, या यूं कहें कि वे सरकार का ब्लैकमेल करने का काम करते है। सरकार भी 10-15-20 अखबारों को ही मीडिया की संज्ञा देकर इपनी इतिश्री कर रही है। राज्य सरकार से जारी होने वाले सभी सजावटी विज्ञापन अगर साप्ताहिक और छोटे अखबारों को भी जारी किये जाए तो सरकार को बड़े मीडिया हाउसों की पॉलिसी का मोहरा नहीं बनना पड़ेगा। गौर करने वाली बात ये है कि प्रदेश में निगम, बोर्ड या अन्य स्वयत्तशाषी संस्थायें जो सजावटी या निविदा-टेंडर सूचनाएं प्रकाशित करवाती है तो कुछ मीडिया हाउसों में निर्धारित रेट के अलावा कॉमर्शियल रेट का तमगा लगाकर हजारों के विज्ञापन को लाखों में छाप रहे है। यहां तक की ऑर्डर पर ये भी लिखा जाता है कि उक्त अखबार में ही प्रकाशित करवायें। राज्य सरकार की नजर में सभी अखबार समान होने चाहिए, जो भारत सरकार के आरएनआई से रजिटर्ड और भारत सरकार और राज्य सरकार से राजकीय विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त हो। सरकार से यही आशा है कि एक बार नजर इनायत साप्ताहिक अखबारों पर भी करें।

(ये लेखक के अपने विचार है)

गांधीनगर में पीएम मोदी की गरजना, बोले- भारत ने तीन बार पाकिस्तान को युद्ध में धूल चटाई है

हम आतंकवाद के कांटे को निकालकर रहेंगे

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

गांधीनगर। गुजरात में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आज दूसरा दिन है। गांधीनगर में रोड शो के बाद अपने संबोधन की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं पिछले दो दिनों से गुजरात में हूं, कल वडोदरा, दाहोद, भुज, अहमदाबाद और आज सुबह गांधीनगर गया। जहां भी गया, ऐसा लगा जैसे देशभक्ति की लहर है, केसर सागर की गर्जना जैसी आवाज है। केसर सागर की गर्जना, लहराता तिरंगा और हर दिल में मातृभूमि के लिए अपार प्रेम। यह देखने लायक नजारा था, यह अविस्मरणीय दृश्य था।

सिंधु जल संधि पर पीएम मोदी ने क्या कहा?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "मैं नई पीढ़ी को बताना चाहता हूं कि कैसे हमारे देश को बर्बाद कर दिया गया। अगर आप 1960 की सिंधु जल संधि का अध्ययन करेंगे, तो आपको झटका लगेगा। यह तय हुआ था कि जम्मू-कश्मीर की नदियों पर बने बांधों की सफाई नहीं की जाएगी। गाद निकालने का काम नहीं होगा। तलछट साफ करने के लिए नीचे के गेट बंद रहेंगे। 60 साल तक ये गेट कभी नहीं खोले गए। जिन जलाशयों को 100% क्षमता तक भरना था, वे अब केवल 2% या 3% तक ही सीमित रह गए हैं। अभी, मैंने कुछ नहीं किया है और लोग वहां (पाकिस्तान) पसीना बहा रहे हैं। हमने बांधों की सफाई के लिए छोटे-छोटे गेट खोले हैं, और वहां बाढ़ आ गई है।"

चौथे नंबर की अर्थव्यवस्था बने

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 2014 में 26 मई को मुझे पहली बार देश के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने का अवसर मिला। उस समय, भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया में 11वें नंबर पर थी। हमने कोरोना से लड़ाई लड़ी, पड़ोसियों से मुसीबतें झेलीं, प्राकृतिक आपदा झेली इसके बावजूद इतने कम समय में 11वें नंबर की अर्थव्यवस्था से चौथे नंबर की अर्थव्यवस्था बने, क्योंकि हम विकास चाहते हैं, प्रगति चाहते हैं। हमारा लक्ष्य है, 2047 में हिंदुस्तान को विकसित होना ही चाहिए। हम आजादी के 100 साल ऐसे मनाएंगे कि दुनिया में विकसित भारत का झंडा फहरता रहेगा।"

पाक को 3 बार धूल चटाई

पीएम मोदी ने कहा, "शरीर कितना ही स्वस्थ क्यों ना हो, लेकिन अगर एक कांटा चुभता है तो पूरा शरीर परेशान रहता है। अब हमने तय कर लिया है उस कांटे को निकाल के रहेंगे।" अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने तीन बार पाकिस्तान को युद्ध में धूल चटाई। हम अपने पड़ोसियों का भी सुख-चैन चाहते हैं। ये हमारा हजारों सालों से चिंतन रहा है, लेकिन जब बार-बार हमारे सामर्थ्य को ललकारा जाए तो ये देश वीरों की भी भूमि है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान प्रॉक्सी वॉर नहीं युद्ध लड़ रहा है। पहले ही मुजाहिद्दीन को मार देते तो ये दिन नहीं देखना पड़ता। हम आतंकवाद के कांटे को निकालकर रहेंगे। उन्होंने कहा, "हम इसे छद्म युद्ध नहीं कह सकते, क्योंकि 6 मई के बाद मारे गए लोगों को पाकिस्तान में राजकीय सम्मान दिया गया।

कटनी चाहिए थी जंजीरें पर कट गई बुझाएं

कांग्रेस पर हमला बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि कश्मीर पर सरदार पटेल की बात नहीं मानी गई। पहले ही आतंकवादियों को मार देते तो ये दिन नहीं देखना पड़ता। 75 साल से हम आतंकवाद को झेल रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "1947 में जब मां भारती का बंटवारा हुआ, 'कटनी चाहिए थी जंजीरें पर कट गई बुझाएं'। देश तीन टुकड़ों में बंट गया। उसी रात कश्मीर में पहला आतंकी हमला हुआ। मां भारती के एक हिस्से पर पाकिस्तान ने मुजाहिद्दीन के नाम पर आतंकियों का इस्तेमाल कर कब्जा कर लिया। अगर उस दिन ये मुजाहिद्दीन मारे जाते और सरदार पटेल की इच्छा थी कि जब तक पीओके हमें नहीं मिल जाता, तब तक हमारी सेना रुके नहीं, लेकिन किसी ने उनकी नहीं सुनी और अब हम पिछले 75 सालों से आतंकवाद का सामना कर रहे हैं। पहलगाम भी इसका एक उदाहरण था। जब पाकिस्तान से हमारी जंग हुई तो हमने पाक को तीन बार हराया।"

"गुजरात के पास कभी सिर्फ नमक था, और आज हीरे"

गुजरात को लेकर पीएम मोदी ने कहा कि कहां ये राज्य जिसके पास नमक के सिवा कुछ नहीं था, वो आज हीरे के लिए जाना जाता है। कहां नमक और कहां हीरे। हमने योजनाबद्ध तरीके से काम किया।

संपादक : **ज्ञानेन्द्र मिश्रा** मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। **संपादकीय कार्यालय** : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

कांग्रेसनजनों ने प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू की मनाई पुण्यतिथि

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा देश के प्रथम प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि जिलाध्यक्ष भैरूलाल चौधरी की अध्यक्षता में विचार गोष्ठी करते हुए पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान जिलाध्यक्ष चौधरी, सुरेंद्र सिंह जाड़ावत, बद्रीलाल जाट जगपुरा, महेंद्र शर्मा ने पं नेहरू के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहां कि पंडित नेहरू जब प्रधानमंत्री बने तब देश बड़े संकट से गुजर रहा था, देश सुई बनाने में भी असमर्थ था। देश की आर्थिक एवं विकास स्थिति बहुत ही गंभीर थी फिर भी पंडित ने संघर्ष करते हुए देश को आगे बढ़ाया। पं नेहरू वह लीडर थे जिन्होंने भारत की आजादी के आंदोलन में हिस्सेदारी कर देश को आजाद करवाया।

राज्यपाल ने सलूंबर में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली

पात्र व्यक्ति को समय पर योजनाओं का लाभ सुनिश्चित हो-राज्यपाल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को सलूंबर कलेक्ट्रेट सभागार कक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाओं और कार्यक्रमों की अद्यतन प्रगति तथा प्राप्त उपलब्धियों पर विस्तार से समीक्षा करते हुए कहा कि लोगों के सामाजिक एवं आर्थिक स्तर में सुधार लाने के लिए सरकार द्वारा संचालित योजनाएं महत्वपूर्ण है। उन्होंने अधिकारियों को पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य करते हुए योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने भौगोलिक

परिस्थितियों एवं संसाधनों की कमी से प्रभावित क्षेत्र में सामाजिक आर्थिक स्तर में सुधार के लिए योजना एवं कार्यक्रम, स्थानीय नागारिकों के पलायन को रोके जाने के लिए किए जा रहे प्रयास सहित विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा की।

राज्यपाल ने इस दौरान महात्मा गांधी नरेगा योजना, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, उद्यान विभाग की योजनाएं, शिक्षा विभाग, टीकाकरण, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना,पशुपालन विभाग,प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना जीवन ज्योति बीमा योजना, वृक्षारोपण सहित केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तार से विभागवार समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे योजनाओं में लक्ष्यों की समय पर उपलब्धि हासिल कर जरुरतमंदों को राहत प्रदान करें।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि राष्ट्र और समाज की प्रगति के लिए शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है। हमारा प्रयास हो कि हर वर्ग के बालक-बालिका को गुणवत्तायुक्त शिक्षा मिले। राज्यपाल ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन, पालनहार योजना एवं छात्रवृत्ति योजनाओं की समीक्षा करते हुए पेंशन एवं छात्रवृत्ति राशि का समय पर भुगतान करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रत्येक ग्राम में नल व विद्युत कनेक्शन की आपूर्ति सुनिश्चित करने और मूलभूत सुविधाओं का विस्तार करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अधिकारी संवेदनशील रहकर केंद्र व राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन करावें ताकि सभी पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ सुगमता से मिले।

गौशालाओं की स्थिति में किया जायेगा सुधार-कुमावत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश की गौशालाओं में सुधार को लेकर सोमवार को पशुपालन, डेयरी एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत की अध्यक्षता में शासन सचिवालय में गोपालन विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में गौशालाओं को समय पर अनुदान देने, गौशाला की भूमि पर हुए अतिक्रमण हटवाने, गौ तस्करी कानून को और अधिक सख्त बनाने, मृत गौमाता के शव को समाधि देने के लिए अतिरिक्त भूमि का आवंटन करने की गौ सेवा समितियों के प्रतिनिधियों की मांग पर विचार विमर्श किया गया। इसके अलावा गौशालाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए ऑर्गेनिक खाद का विपणन सहकारी समितियों के माध्यम से करवाने, गौ-अर्क की बिक्री आयुर्वेद विभाग के माध्यम से करवाने के लिए उचित व्यवस्था कराने, गौशालाओं की शाखा खोलने के लिए नियमों में शिथिलता प्रदान करने, बछड़ों का बधियाकरण कराने, प्रदेश में गाय के कृत्रिम गर्भाधान के लिए उसी नस्ल का सीमन इस्तेमाल करने के सुझावों पर भी चर्चा हुई।

प्रधानमंत्री मोदी के बेहतर प्रबंधन के चलते भारत बनी विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था-राठौड़

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भारत आधिकारिक तौर पर जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। यह संभव हो पाया है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदृष्टि और बेहतर प्रबंधन के चलते। मोदी के नेतृत्व में देश समृद्ध हुआ, संपन्न हुआ और सुरक्षित हुआ है। 2014 से पहले जहां भारत की अर्थव्यवस्था विश्व में 11वें पायदान पर थी, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के विजन के चलते देश तरक्की की राह पर चला और 11 से चौथे नंबर पर अर्थव्यवस्था आ गई। इतना ही नहीं, भारत के शीर्ष नेतृत्व के प्रबंधन के चलते शीघ्र ही तीसरे पायदान पर पहुंच जाएगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने प्रदेश कार्यालय में मीडिया से वार्ता करते हुए बताया कि इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड IMF के आंकड़ों के अनुसार भारत की अर्थव्यवस्था 4.187 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की हो गई। भारत ने जापान को पछाड़कर यह पायदान हासिल किया है। अब अमेरिका, चीन और जर्मनी के बाद चौथी अर्थव्यवस्था भारत की है। राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने हर वर्ग, हर समुदाय और हर क्षेत्र के विकास के लिए कार्य योजनाएं तैयार की, फिर चाहे वो कृषि क्षेत्र हो, चिकित्सा क्षेत्र हो, शिक्षा क्षेत्र हो या फिर युवा, महिला, किसान और गरीब के कल्याण एवं उत्थान के कार्य हो। मोदी ने पिछले 11 सालों में देश के इन्फ्रास्ट्रेक्चर को बेहतर करने के साथ सेना को मजबूत किया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज विश्व भी भारत का लोहा मान रहा है। पहले जहां हम अधिक आयात करने की स्थिति में थे, वहीं आज भारत अधिक से अधिक निर्यात करने की स्थिति में आ गया है। विश्व में भारत की साख अन्य देशों की तुलना में अधिक है। जबकि हमारे से उपर चीन की अर्थव्यवस्था है, लेकिन चीन की विश्वसनीयता, प्रतिष्ठा विश्व में नहीं है। ऐसे में हमारे शीर्ष नेतृत्व का आभार और धन्यवाद, जिसने भारत को आर्थिक रूप से सशक्त करने का काम किया।

प्रशासन ने ग्राम नयातालाब से हटवाया अतिक्रमण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। ग्राम सादी में आयोजित रात्रि चौपाल में जिला कलक्टर आलोक रंजन द्वारा ग्राम नयातालाब में हो रखे अतिक्रमण को हटाने के संबंध में दिये गये निर्देशों की पालना में गंगरार उपखण्ड अधिकारी पंकज बडगुजर एवं गंगरार तहसीलदार पुष्पेन्द्र सिंह राजावत ने रामप्रसाद खटीक, नायब तहसीलदार साडास की नेतृत्व में 02 भू अभिलेख निरीक्षक एव 04 पटवारियों की टीम गठित कर अतिक्रमण हटाने हेतु निर्देशित किया।

जिसकी पालना में संयुक्त टीम द्वारा पुलिस जाब्ते की उपस्थिति में अतिक्रमण हटाया गया। तत्समय कुछ अतिक्रमियों द्वारा 05 दिन में अतिक्रमण हटाने का आश्वासन दिया था, परन्तु उनके द्वारा अतिक्रमण नहीं हटाया गया। जिस पर संयुक्त टीम द्वारा को पुनः पुलिस जाब्ते की उपस्थिति में अतिक्रमण हटाया गया। उक्त कार्यवाही के दौरान कुछ व्यक्तियों द्वारा शांति भंग करने की कोशिश की गई, जिनको समझाईश कर शांति व्यवस्था बहाल की गई। उक्त कार्यवाही के दौरान लगभग 300 सीमेण्टेड खम्भे, तार एवं जाली व लोहे की फाटक हटाये गये, जिससे कुल 5.60 हैक्टेयर चरनोट भूमि अतिक्रमण मुक्त कराया गया। वहीं सभी ग्रामवासियों का समझाईश की गई कि किसी प्रकार की राजकीय भूमि पर किसी प्रकार का अतिक्रमण न करें, अन्यथा अतिक्रमियों के विरूद्ध कठोरता से कार्यवाही कर बेदखल किया जायेगा, वही अतिकमियों के विरूद्ध नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जायेगी। ग्रामवासियों द्वारा राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग का आभार व्यक्त किया।

'विकसित कृषि संकल्प अभियान' के तहत वैज्ञानिक किसानों से करेंगे सीधा संवाद

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल की अध्यक्षता में पंत कृषि भवन के सभा कक्ष में केन्द्र व राज्य सरकार और आईसीएआर के सहयोग से चलाये जा रहे 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' के सफल क्रियान्वयन हेतु वीडियो कॉन्फ्रेन्सिग के माध्यम से सभी जिलों के संयुक्त निदेशक, समस्त कृषि विज्ञान केन्द्र, आईसीएआर के संस्थान, कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया।

शासन सचिव ने बताया कि यह अभियान 29 मई से 12 जून तक आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान में माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'लैब टू लैंड विजन' यानि प्रयोगशाला से खेत तकी की सोच को साकार करना है। इस दौरान कृषि विभाग के अधिकारी एवं वैज्ञानिक गांव-गांव पहुंचकर खेती की उन्नत तकनीकों की जानकारी किसानों को देंगे।

उन्होंने बताया कि 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' के तहत खरीफ मौसम में उगाई जाने वाली प्रमुख फसलों से सम्बन्धित आधुनिक तकनीकों, प्राकृतिक खेती और मृदा स्वास्थ्य कार्ड के बारे में जागरूक करना, केन्द्र व राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं व नीतियों के बारे में किसानों को शिविर लगाकर जानकारी दी जायेगी। उन्होंने बताया कि इन शिविरों में आईसीएआर एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक, कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन एवं मत्स्य विभाग के अधिकारी जन प्रतिनिधि, प्रगतिशील किसान, कृषि उद्यमी एपीओ और स्वयं सहायता समूह के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

उन्होंने सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को इस अभियान का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिये और स्थानीय जन प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित करने के लिए कहा। राजन विशाल ने बताया कि अभियान के सुचारू क्रियान्वयन हेतु राज्य एवं जिला स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त किये गये है। इस अभियान की राज्य स्तरीय मॉनिटरिंग के लिए निदेशक समेति आत्मा, दुर्गापुरा, जयपुर में नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है। इसी प्रकार जिला स्तर पर अभियान की मॉनिटरिंग के लिए संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार) कार्यालय में नियंत्रण कक्ष स्थापित किये गये हैं। बैठक में आयुक्त कृषि सुश्री चिन्मयी गोपाल, आयुक्त उद्यानिकी सुरेश कुमार ओला, अतिरिक्त निदेशक कृषि विपणन विभाग रविन्द्र कुमार शर्मा सहित कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

12वीं कक्षा में 93 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों का सम्मान समारोह

हमारी सरकार द्वारा उठाए गए कदमों से पिछले दो साल में बेहतर हुए बोर्ड परिणाम-दिलावर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि माध्यमिक शिक्षा के परीक्षाओं के परिणाम पिछले सालों से बेहतर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कक्षा 12वीं का कला संकाय का परीक्षा परिणाम वर्ष 2022-23 के मुकाबले वर्ष 2024-25 में 9.73 प्रतिशत बढ़ा है। विज्ञान संकाय के परीक्षा परिणाम में वर्ष 2022-23 के मुकाबले 2024-25 में 2.81 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि सभी संकायों का औसत परीक्षा परिणाम देखें तो वर्ष 2022-23 के मुकाबले 6 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि पिछले दो सालों में हमारी सरकार द्वारा शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में उठाए गए कदमों तथा शिक्षकों द्वारा की जा रही मेहनत का परिणाम दिखाई दे रहा है। उन्होंने इसके लिए शिक्षकों एवं अभिभावकों दोनों को बधाई दी।

शिक्षा मंत्री मंगलवार को कोटा के ज्ञान ज्योति कॉन्वेन्ट स्कूल में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान की उच्च माध्यमिक परीक्षा 2025 में सभी संकायों में सर्वश्रेष्ठ अंक अर्जित करने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों के सम्मान एवं संवाद कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज जिन बच्चों का सम्मान किया गया है उनमें 12वीं कक्षा के कला संकाय में 93 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले 77 बच्चे सरकारी स्कूलों से हैं जबकि 25 बच्चे निजी स्कूलों से हैं। उन्होंने कहा कि तीनों संकायों में 93 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले 152 बच्चे सरकारी स्कूलों से जबकि 113 बच्चे निजी स्कूलों से हैं।

दिलावर ने इस बार के परीक्षा परिणाम में छात्राओं के छात्रों से आगे निकलने पर खुशी जताते हुए कहा कि हमारी बालिकाएं आज सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं। वे वायु सेना में भर्ती होकर लड़ाकू विमान उड़ा रही हैं तो थल सेना में भी अपना पराक्रम दिखा रही हैं।

फाम द्वारा ऑल इण्डिया ट्रेड कॉन्फ्रेन्स का भव्य आयोजन

ऑनलाईन ट्रेड का होगा विरोध

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

मुम्बई। फैडरेशन ऑफ एसोसिएशन्स ऑफ महाराष्ट्र द्वारा ऑल इण्डिया ट्रेड कॉन्फ्रेन्स का आयोजन मुम्बई में वानखेड़े स्टेडियम स्थित चव्हाण सभागार में किया गया। आयोजन में निर्णय लिये गये कि ऑनलाईन ट्रेड तथा मेट्रो ट्रेड को भारत सरकार कानून बनाकर व्यवस्थित करें। बाजारों का व्यापार सुरक्षित रहना आवश्यक है। ऑनलाईन ट्रेड को व्यवस्थित रखने के लिये निर्णय लिया गया कि इसके विरोध का एक रोड़मैप तैयार किया जायें। आयेजन में यह भी निर्णय लिया गया कि यह आयोजन व्यापारी समाज की एकजुटता तथा जागरूकता के लिये मील का पत्थर साबित हो। व्यापारी का पैसा यदि कोई गलत तरीके से हड़पता है तो उसकी प्राथमिक संस्था के अलावा फाम राज्य स्तर पर तथा राष्ट्रीय स्तर पर बीयूवीएम उसकी लड़ाई लड़ेगी और पैसा हड़पने वाले का बायकॉट राष्ट्रीय स्तर पर किया जायेगा।

समारोह में राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष सुनील सिंघी, महाराष्ट्र के केबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, पूर्व केबिनेट मंत्री राजपुरोहित ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। समारोह की अध्यक्षता बीयूवीएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबूलाल गुप्ता ने की। समारोह के अग्रणी फैडरेशन ऑफ एसोसिएशन्स ऑफ महाराष्ट्र के अध्यक्ष जुझारू नेता जितेन्द्र शाह रहे। समारोह में बीयूवीएम के वरिष्ठ महामंत्री मुकुन्द मिश्रा, बीयूवीएम गवर्निंग बॉडी के संयोजक प्रहलाद खण्डेलवाल, व्यापारी कल्याण बोर्ड के सतीश चौहान, रमेश खण्डेलवाल, सुभाष गोयल, फाम के डायरेक्टर जनरल प्रीतेश शाह तथा शंकर ठक्कर, ग्रोमा के अध्यक्ष भीमजी भानुशाली, वरिष्ठ मार्गदर्शक नरसीमल जैन, फाम के सचिव समीर एवं सुशील कोठारी के साथ सैंकड़ों व्यापारियों ने भाग लिया। आयोजन में राजस्थान, पंजाब, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, दिल्ली, गुजरात, कर्नाटका, उड़ीसा, गोवा, पश्चिमी बंगाला, असम, आन्ध्रप्रदेश एवं तमिलनाडू के अग्रणी नेताओं ने भी शिरकत की। महाराष्ट्र के सभी जिलों के अध्यक्ष मंत्री उपस्थित रहे। मुम्बई के सभी एसोसिएशन्स भी शामिल हुए।

राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष सुनील सिंघी ने व्यापारी समाज को 20 सूत्रीय स्वदेशी संकल्प की शपथ दिलाई। फाम के अध्यक्ष जितेन्द्र शाह ने कहा कि 'व्यापारी एक रहेगा, तभी सुरक्षित रहेगा'। यह एक सम्मेलन नहीं है अपितु व्यापारी समुदाय की मंशा की घोषणा है। परिवर्तन पथ अग्रसर हो चुका है। केबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने कहा कि फाम की टीम व्यापारी समाज को एक नयी दिशा दे रही है। महाराष्ट्र सरकार फाम के साथ है। महाराष्ट्र सरकार में रहे पूर्व श्री पुरोहित ने कहा कि संस्था जब से बनी है तब से मैं प्रशासन में रहते हुए भी जुड़ा रहा हूँ। भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबूलाल गुप्ता ने कहा कि जीएसटी के तीन सोपान होने चाहिये। शून्य श्रेणी में सभी खाद्य वस्तुएं शामिल हो; 5 प्रतिशत की श्रेणी में आवश्यकता की सभी वस्तुएं शामिल हो तथा 12 प्रतिशत की दर श्रेणी में सभी विलासिता की वस्तुएं शामिल की जायें। श्री गुप्ता ने यह भी कहा कि पूरे भारत में जीएसटी की तरह 0.50 प्रतिशत की दर से हर कमोडिटी पर कृषि मण्डी टैक्स लगाया जायें, जो सारे देश के लिये लागू हो। एक प्रांत में मण्डी टैक्स चुकाकर दूसरे प्रांत में मण्डी टैक्स की दर जीएसटी की तरह लागत बढ़ने पर ही संधारित हो। ऑनलाई ट्रेड और मेट्रो ट्रेड को केन्द्र सरकार व्यवस्थित करें। बाजारों में बैठे व्यापारी ऑनलाईन ट्रेड कानून के अभाव में बेरोजगार हो रहे हैं; आत्महत्याएं करने को अग्रसर हो रहे हैं तथा दिवालिया हो रहे हैं; इन्हें बचाया जायें।

नासिक गोदावरी नदी किनारे संकल्प

बीयूवीएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबूलाल गुप्ता ने नासिक शहर के व्यापारियों के साथ गोदावरी (नदी) की पूजा अर्चना की। महाआरती में भाग लेते हुए गोदावरी नदी के तट पर व्यापारियों को संकल्प दिलाया कि ऑनलाई ट्रेड तथा मेट्रो ट्रेड को केन्द्र सरकार व्यवस्थित नहीं करती है तो एक संघर्ष सेना का गठन किया जायेगा और ऑनलाईन ट्रेड का कड़ा विरोध किया जायेगा। गुप्ता ने गोदावरी तट पर उपस्थित सभी व्यापारियों के साथ देश के व्यापारियों से निवेदन किया कि वे संकल्प लें कि जब तक ऑनालाईन ट्रेड को व्यवस्थित करने के लिये केन्द्र सरकार कानून नहीं बनायेगी तब तक ऑनाईन ट्रेड का विरोध किया जायेगा। हाथ उठाकर उपस्थित सभी व्यापारियों ने संकल्प दोहराया।

अग्निशमन कार्मिका का किया स्वागत

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। जिले के वीर अग्निशमन कर्मियों ने ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत बाड़मेर की सीमावर्ती क्षेत्र में 18 दिन तक अदम्य साहस और सेवा भावना से कार्य का किया। धोबी समाज विकास समिति द्वारा मंगलवार को इन सभी फायर फाइटर्स के पुनः चित्तौड़गढ़ लौटने पर नगर परिषद परिसर में माल्यार्पण व केसरिया उपरना ओढ़ाकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर सुनिल रजक, अजय, अनिल, उदय लाल, सत्यनारायण, देवराज, रूप लाल, परस राम, राजू, नंद किशोर लौहार, मनोज, दिनेश गवारिया, भीम राज सालवी, नारायण लाल, कालू, सूरज, सुन्दर, हेमराज, छगनलाल आदि मौजूद रहे।

शनि जयंति पर भक्तों को शरबत व गुलाब जामुन का प्रसाद वितरित

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। शनि जयंती के अवसर पर श्री हजारेश्वर महादेव मंदिर महंत चंद्र भारती के सानिध्य एवं उनके भक्तों द्वारा 501 किलो दूध का शरबत और गुलाब जामुन का प्रसाद वितरण किया गया। श्रवण सामवेदी ने बताया कि हजारेश्वर महादेव मंदिर में शनि मंदिर भी है, उनका प्रातः काल अभिषेक किया गया। अभिषेक के दौरान सभी भक्तों को गुलाब का शरबत एवं गुलाब जामुन का प्रसाद वितरण किया गया। इसमें 501 किलो दूध का शरबत एंव 51 किलो गुलाब जामुन सभी भक्तों को वितरण किया गया। साथ ही हजारेश्वर महादेव मंदिर में शनि भगवान के समक्ष 56भोग लगाकर महा आरती की गई। पं विष्णु शर्मा, मुकेश शर्मा, गोपाल, शिव प्रकाश, मुरलीधर, शिव शंकर, प्रकाश, मुकेश जोशी, युगल किशोर व्यास, शंकर, संसार चंद्र माली, शिव माली, योगेश पुरी आदि ने प्रसाद वितरण किया।

माधव विवि मेधावी छात्रों को दे रहा 100% फीस माफी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

आबूरोड। माधव विश्वविद्यालय ने शिक्षा के क्षेत्र में एक नई पहल करते हुए नये छात्रों के लिए छात्रवृत्ति योजना की घोषणा की है, जिससे आर्ट्स, कॉमर्स एंड मैनेजमेंट, एप्लाइड साइंस व इंजीनियरिंग संकाय में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को उनकी बारहवीं कक्षा के अंकों के आधार पर प्रथम सेमेस्टर की फीस में भारी छूट मिलेगी।

विश्वविद्यालय के प्रेसिडेंट डॉ राजीव माथुर ने जानकारी देते हुए बताया कि जिन छात्र-छात्राओं ने 12वीं कक्षा में 90% से अधिक अंक प्राप्त किए हैं, उन्हें प्रथम सेमेस्टर की पूरी फीस माफ की जाएगी। वहीं 80 प्रतिशत से 90 प्रतिशत अंकों वालों में छात्राओं को 100 प्रतिशत और छात्रों को 80 प्रतिशत तक फीस में छूट दी जाएगी। इसी तरह 70 से 80 प्रतिशत अंक लाने वाले छात्राओं को 80 प्रतिशत और छात्रों को 70 प्रतिशत फीस छूट मिलेगी। 60 से 70 प्रतिशत अंक वालों के लिए छात्राओं को 70 प्रतिशत व छात्रों को 60 प्रतिशत तक और 50 प्रतिशत से 60 प्रतिशत के बीच अंक लाने वाली छात्राओं को 60 प्रतिशत व छात्रो को 50 प्रतिशत फीस में छूट का लाभ मिलेगा। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ भावेश कुमावत ने बताया कि यह योजना मेधावी छात्रों को प्रोत्साहित करने व उच्च शिक्षा को सुलभ बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस पहल से हजारों छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक सहयोग मिलेगा और उनके सपनों को पंख मिलेंगे।

सेवा को स्वभाव बनाएं- प्रशांत अग्रवाल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। 'भाव के बिना व्यक्तित्व का विकास नहीं हो सकता। भाव ही व्यक्ति को कर्म के लिए प्रेरित करते हैं।' यह बात नारायण सेवा संस्थान में त्रिदिवसीय 'अपनों से अपनी बात' कार्यक्रम के पहले दिन अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने कही। उन्होंने कहा कि दृढ़ इच्छा शक्ति और संवेदना जिस व्यक्ति में है, वही समाज में सम्मान का पात्र बनता है। वह असंभव को भी संभव बना देता है।

कार्यक्रम में देशभर से जन्मजात विकलांगता व पोलियो की निःशुल्क सर्जरी व कृत्रिम हाथ-पांव लगवाने के लिए आए दिव्यांगजन व उनके परिजन उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि व्यक्ति के विकास में जरूरतमंदों की सेवा का भी बड़ा महत्व है। पीड़ितों, दिव्यांगों व असहायों की मदद से न केवल उन्हें राहत मिलेगी बल्कि सेवा करने वाले के जीवन में आने वाली समस्याएं भी स्वतः दूर होंगी। इसीलिए हमारे शास्त्रों में दान' को महत्वपूर्ण माना गया है। व्यक्ति को अपनी आय का 10वां हिस्सा दीन-दुखियों की सेवा में लगाना ही चाहिए। जिसने सेवा को स्वभाव बना लिया उसके लिए सफलता के शिखर चढ़ना सहज होगा। कार्यक्रम में बिहार से आए दिव्यांग रोहित यादव ने बताया कि सड़क हादसे में एक पांव खोने के बाद वे अवसाद ग्रस्त हो गए थे। लेकिन यहां कृत्रिम पांव लगने के बाद उन्हे नई जीवनी शक्ति मिली है और परिवार का फिर से आर्थिक सम्बल बन सकेंगे । उन्होंने कहा कि वे पांव कटने के बाद लगातार भगवान का स्मरण करते रहे। दो वर्ष पूर्व सलूम्बर में करंट से एक हाथ गंवा देने वाले सुरेंद्र मीणा ने भी तकलीफ के दिनों को याद करते हुए कहा कि आत्मविश्वास कभी नहीं खोया। व्यक्ति को निराश नहीं होना चाहिए क्यों कि निराशा भी मृत्यु के समान ही है। झारखंड के निर्मल कुमार, करौली के एस बीर सिंह, धर्मेंद्र, भरतपुर के अखिल वर्मा ने भी विचार व्यक्त किए।

गूगल,खींप,खेजड़ी, पीलू और फोग आदि दुर्लभ होती प्रजातियों की सुरक्षा आवश्यक-कुलपति डॉ. सिंह

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोबनेर। श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में कृषि विश्वविद्यालय व सोसाइटी ऑफ़ हॉर्टिकल्चर एंड रिसर्च डेवलपमेंट के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति व मुख्य वक्ता डॉ. बलराज सिंह एवं विशिष्ट अतिथि पद्मश्री सें सम्मानित पर्यावरणविद् हिम्मता राम भांभू रहे। कार्यक्रम की शुरुआत "फोगलै रो रायतो, काचरी रो साग, बाजरी री रोटड़ी, जाग्या म्हारा भाग" जैसी मशहूर राजस्थानी कहावत से हुई। इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस की थीम "प्रकृति के साथ सामंजस्य और सतत विकास" है जिसका उद्देश्य जैव विविधता के संरक्षण को सतत विकास से जोड़ते हुए पर्यावरण के साथ संतुलित जीवन शैली को बढ़ावा देना है।

कुलपति डॉ. बलराज सिंह ने शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में जैव विविधता की चुनौतियों एवं समाधान पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में जलवायु परिवर्तन और मानवीय हस्तक्षेप के कारण जैव विविधता सरंक्षण पर जोर दिया जाना चाहिए। उन्होंने प्रकृति संरक्षण में सामूहिक सहभागिता को समय की आवश्यकता बताया व प्रकृति से जुड़ने और उसकी विरासत के संरक्षण को हमारी सभी की जिम्मेदारी बतायी। उन्होंने संकटग्रस्त पौधों का संरक्षण और उनका पारिस्थितिक व औषधीय महत्व पर ज़ोर दिया ।

कुलपति डॉ बलराज सिंह ने जैव विविधता के महत्व को बताते हुए कहा कि कुछ दुर्लभ और संकटग्रस्त पौधों–जैसे गूगल, खींप,फोग आदि का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। ये प्रजातियाँ धीरे-धीरे विलुप्ति की कगार पर हैं, जबकि इनका पारिस्थितिकीय महत्व बहुत अधिक है। विशेष रूप से, इन पौधों की जड़ें रेत के टीलों को स्थिर कर मृदा अपरदन संरक्षण में अहम भूमिका निभाती हैं। उन्होंने बताया कि वैज्ञानिक अनुसंधान द्वारा फोग पौधे की जड़ों का उपयोग प्रोस्टेट कैंसर जैसे असाध्य रोग की दवा के निर्माण में एक प्रमुख घटक के रूप में प्रयोग किए जाने की पुष्टि हुई हैं, जो इसे औषधीय दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बनाता है।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने हमारे विश्वविद्यालय को विभिन्न प्रजातियों के 2.5 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य दिया है। इस अभियान में मोरिंगा (सहजन), नीम, जामुन और खेजड़ी जैसे बहुउपयोगी पौधों को शामिल किया जाएगा। विश्वविद्यालय में बड़े पैमाने पर मोरिंगा के पौधे नर्सरी के माध्यम से तैयार किए जा रहे हैं। मोरिंगा को 'वंडर ट्री' भी कहा जाता है यह पौधा पोषक तत्वों का भंडार है। इसके पत्ते, फलियां, छाल और जड़–हर भाग का औषधीय और पोषणात्मक दृष्टिकोण से अलग-अलग उपयोग होता है, जिससे यह पेड़ मानव स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी है। साथ ही उन्होंने बताया कि शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में जैव विविधता की रक्षा और उसके सतत विकास के लिए जैविक विविधत बनाए रखना आवश्यक है। यह पारिस्थितिकी तंत्र को संतुलित बनाए रखने में मदद करता है और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित करता है। जैव विविधता पृथ्वी पर जीवन के लिए नींव के समान है। यह केवल पेड़-पौधों और जानवरों की गिनती नहीं है, बल्कि यह हमारे पारिस्थितिक तंत्र की स्थिरता, मानव अस्तित्व और भावी पीढ़ियों के लिए संसाधनों की निरंतरता से जुड़ी हुई है। आज, जब हम जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, भूमि कटाव और प्राकृतिक आपदाओं का सामना कर रहे हैं, तो जैव विविधता का संरक्षण अत्यधिक आवश्यक हो गया है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में संशोधित पीकेसी लिंक परियोजना को मिल रही गति–मुख्यमंत्री

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार महत्वाकांक्षी संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल लिंक परियोजना (राम जल सेतु लिंक परियोजना) को धरातल पर लागू करने के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। इसी क्रम में परियोजना के प्रथम चरण में चम्बल नदी पर एक्वाडक्ट निर्माण के लिए राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड (एनबीडब्ल्यूएल) से स्वीकृति के बाद मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक ने अन्तिम स्वीकृति प्रदान कर दी है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि इस एक्वाडक्ट के माध्यम से रामगढ (कूल नदी), महलपुर (पार्वती नदी) व नवनेरा (कालीसिंध नदी) बैराज का पानी चम्बल नदी को पार करके मेज बैराज में डाला जाएगा तथा बीसलपुर और ईसरदा बांध तक लिफ्ट के माध्यम से ले जाया जा सकेगा। 2280 मीटर लम्बाई के इस एक्वाडक्ट का एक छोर कोटा के पीपल्दासमेल गांव और दूसरा छोर बून्दी के गुहाटा गांव से जुड़ेगा।

इससे कोटा की सुल्तानपुर तहसील के लोगों को बून्दी से गुजर रहे कोटा-सवाईमाधोपुर हाईवे से पक्की सड़क द्वारा एक अतिरिक्त मार्ग उपलब्ध होगा। साथ ही, परियोजना में नवनेरा बैराज से मेज एनिकट तक फीडर निर्माण की कार्यवाही को गति मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश के 17 जिलों को पेयजल एवं सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने वाली इस परियोजना के प्रथम चरण के अंतर्गत 9400 करोड़ रुपये के कार्यादेश जारी कर योजना की क्रियान्विति शुरू कर दी गई है। इस चरण में पैकेज-2 के अन्तर्गत चम्बल नदी पर एक्वाडक्ट का निर्माण किया जा रहा है।

ऊर्जा संरक्षण की दिशा में मिसाल बना आवासन मंडल

'आवास भवन' को ऊर्जा मंत्रालय के BEE द्वारा मिली 5 स्टार रेटिंग

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान आवासन मण्डल ने ऊर्जा संरक्षण की दिशा में मिसाल कायम की है। भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय के अधीनस्थ प्रतिष्ठित ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी (BEE) द्वारा मुख्यालय भवन "आवास भवन" को 5 स्टार रेटिंग से सम्मानित किया गया है। यह उपलब्धि भवन की ऊर्जा दक्षता, पर्यावरणीय उत्तरदायित्व और सतत विकास के प्रति मण्डल की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस उपलब्धि को राजस्थान में सरकारी भवनों के लिए एक प्रेरणास्त्रोत के रूप में देखा जा सकता है।

ऊर्जा प्रदर्शन सूचकांक (Energy Performance Inde& - EPI) भवन के डिजाइन और निर्माण के दौरान ऊर्जा दक्षता का मूल्यांकन करता है। यह ऊर्जा उपयोग का माप है, जो प्रति वर्ग मीटर या प्रति व्यक्ति ऊर्जा खपत को दर्शाता है। EPI का उपयोग करके ऊर्जा दक्षता में सुधार के लिए बेहतर इंसुलेशन, अधिक कुशल उपकरण या नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग किया जाता है। इसका उपयोग ऊर्जा दक्षता को मापने व सुधारने में किया जाता है। ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार के BEE द्वारा राजस्थान आवासन मण्डल, आवास भवन (मुख्यालय) के बिल्ट-अप एरिया 18513.75 वर्ग मीटर, connected load wz® KW, तथा तय मानकों के आधार पर EPI – 14.3 kWh/(sqm/year) पर 5 स्टार रेटिंग प्रदान की गई है।

इस अवसर पर आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने कहा की यह सम्मान हमारे लिए अत्यंत गर्व की बात है, और यह हमारी टीम के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। हम ऊर्जा दक्षता जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं और प्रयासरत है कि हमारी आवासीय योजनाओं में भी हम 5 स्टार रेटिंग प्राप्त करें। राज्य सरकार की मंशानुसार राजस्थान आवासन मण्डल आगे भी ऊर्जा संरक्षण, पर्यावरणीय संतुलन और सतत शहरी विकास के लिए कार्य करता रहेगा।

विंशतितम कल्याण महाकुंभ का भव्य आयोजन की तैयारी जोरों पर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। मेवाड़ के प्रसिद्ध श्री कल्लाजी वेदपीठ पर विराजित मेदपाट मणिभूषण, धरादित्य, परम शौर्यशाली श्री शेषावतार कल्लाजी राठौड़, वेद माता गायत्री, स्कंद माता, पंचमुखी हनुमान जी एवं काल भैरव जी के श्रद्धापूरित विग्रहों का विंशतितम 20 वें कल्याण महाकुंभ के भव्य आयोजन की तैयारियां इन दिनों जोरों पर चल रही हैं। वेदपीठ के पदाधिकारियों ने मंगलवार को ऋतुराज वाटिका में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि कल्याण महाकुंभ के उपलक्ष्य में गत दिनों नगर के साथ विभिन्न क्षेत्रों में प्रत्येक घर मे निमंत्रण दिए गए । साथ ही कल्याण नगरी में 7 हजार से अधिक घरों के बाहर राम नाम के स्टीकर लगाए गए ।कल्याण नगरी में कल्याण महाकुंभ का भव्य आयोजन ज्येष्ठ शुक्ला पूर्णिमा 11 जून से आषाढ़ कृष्णा अष्टमी 19 जून तक किया जाएगा।

आध्यात्मिक कल्याण महा पदयात्रा 1 जून को

कल्याण महाकुंभ के भव्य आयोजन के जन जागरण के लिए प्रथम चरण में आध्यात्मिक कल्याण महा पदयात्रा ज्येष्ठ शुक्ला षष्टी रविवार 1 जून को आयोजित की जाएगी। यह पदयात्रा 1 जून को प्रातरू सवा 4 बजे कल्याणनगरी के ठाकुर श्री कल्लाजी के मंदिर से प्रारंभ होकर चित्तौड़ दुर्ग स्थित कल्लाजी की छत्री तक आयोजित होगी। हजारों की संख्या में कल्याण महा पदयात्रा में भाग लेने वाले पदयात्रियों के लिए पूरे मार्ग में ग्रामवासियों एवं श्रद्धालुओं द्वारा विशेष व्यवस्थाएं प्रारंभ कर दी गई हैं।

सवा 11 करोड़ राम नाम मंत्र जाप, 2100 अखण्ड सुंदरकांड जारी

कल्याण महाकुंभ के उपलक्ष्य में चौत्र नवरात्रि की प्रतिपदा से वेदपीठ के आचार्यों, बटुकों एवं कल्याण भक्तों द्वारा सवा ग्यारह करोड़ राम नाम के जाप किये जा रहे हैं। जिसके तहत अब तक लगभग 5 करोड़ जाप किए जा चुके हैं। साथ ही 1500अखण्ड सुन्दरकाण्ड के पाठ भी हो चुके है ।10 जून तक सवा 11 करोड़ राम नाम जाप एवं 2100 अखण्ड सुंदरकांड पाठ पूर्ण होंगे । वेदपीठ की ओर से भक्तों से आग्रह किया गया हैं कि इस वर्ष आयोजित होने वाले श्री राम महायज्ञ की सफलता के लिए इस मंत्र का अधिकाधिक जाप कर महायज्ञ में सहभागी बने।

श्री रामचरित मानस पारायण जारी

20 वें कल्याण महाकुंभ के उपलक्ष्य में इस वर्ष आयोजित होने वाले अनुष्ठान में अब तक 125 यजमानों द्वारा श्री रामचरित मानस पारायण के लिए पंजीयन कराया जा चुका हैं। वेदपीठ के प्रवक्ता ने बताया कि ध्यानकेन्द्र में वेदपीठ के बटुकों द्वारा यजमानों से पूजन कराने के साथ ही आयोजन के लिए श्रद्धालुओं द्वारा पंजीयन भी करवाया जा रहा हैं।

श्री राम कथा 11 जून से

वेदपीठ द्वारा आयोजित कल्याण महाकुंभ के दौरान पुराणों की आध्यात्मिक व्याख्या की श्रृंखला में इस वर्ष परम् पूज्य दीदी माँ मंदाकिनी श्री रामकिंकर जी रामायणम धाम आश्रम, अयोध्या के श्रीमुख से कल्याण नगरी में श्री राम कथा का रसामृत पाने का सौभाग्य प्राप्त होगा। यह कथा 11 जून से 19 जून तक अपराह्न 3 बजे से वेदपीठ परिसर में आयोजित होगी। 20 वें कल्याण महाकुंभ के प्रथम दिवस ज्येष्ठ शुक्ला पूर्णिमा 11 जून को कलशोत्सव एवं भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा, जो प्रातरू 7 बजे ढ़ाबेश्वर महादेव से प्रारंभ होकर नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए वेदपीठ परिसर में संपन्न होगी।

51 कुण्डीय श्री राम महायज्ञ 13 से

कल्याण महाकुंभ के उपलक्ष्य में सप्त दिवसीय 51 कुण्डीय श्री राम महायज्ञ आषाढ़ कृष्णा द्वितीया से अष्टमी यानि 13 से 19 जून तक प्रातरू 7 बजे से वेदपीठ परिसर में आयोजित किया जाएगा। जिसके लिए श्रद्धालुओं द्वारा प्रतिदिन पंजीयन की कार्रवाई की जा रही हैं। वेदपीठ के पदाधिकारियों ने बताया कि अब तक 1300 से अधिक यजमानों का पंजीयन कराया जा चुका हैं।

मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक

पीएलडीबी के प्रशासक एवं अध्यक्षों को भी करें योजना के क्रियान्वयन में शामिल-राजपाल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल ने कहा कि सहकारी भूमि विकास बैंकों के समस्त पात्र ऋणी सदस्यों को मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत योजना का लाभ दिलवाया जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंकों में योजना के अंतर्गत प्रगति धीमी है, वे विशेष प्रयास कर वसूली में सुधार के प्रयास करें।

राजपाल मंगलवार को अपेक्स बैंक सभागार में प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंकों में मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि योजना से लाभान्वित करने के लिए सरपंचों को पात्र ऋणियों की सूची उपलब्ध करवाकर उनके माध्यम से पात्र व्यक्तियों को प्रोत्साहित किया जाए। योजना के पात्र व्यक्तियों को एकत्र कर सरपंच की उपस्थिति में प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा समझाइस के माध्यम से भी ऋणी सदस्यों को योजना का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि पीएलडीबी के प्रशासक एवं अध्यक्षों को भी मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत योजना के क्रियान्वयन में शामिल किया जाए। साथ ही, ग्राम सेवा सहकारी समितियों एवं स्थानीय एनजीओ को भी इस कार्य में सम्मिलित किया जाए। प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि सभी अतिरिक्त रजिस्ट्रार (खण्ड), उप रजिस्ट्रार एवं केन्द्रीय सहकारी बैंकों के प्रबंध निदेशकों को भी प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंकों को फिर से मुख्यधारा में लाने के लिए एकजुट होकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि योजना का लाभ लेने वाले ऋणी सदस्यों को पुनः नया ऋण उपलब्ध करवाया जाए, जिससे उन्हें 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान योजना का भी लाभ मिल सके। राजपाल ने कहा कि जिन प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंकों में हाल ही में नये सचिवों को कार्यभार सौंपा गया है, वे त्वरित रूप से सक्रिय होकर योजना में अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि योजना के अंतर्गत जिन लाभार्थियों को बड़ी राहत मिलती है, उनका विभिन्न माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि अन्य ऋणी सदस्य भी योजना का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित हो सकें।

राजपाल ने योजना में राज्य औसत से अधिक प्रगति के लिए दौसा, बिलाड़ा, भीलवाड़ा, बीकानेर, चूरू एवं रायसिंहनगर आदि पीएलडीबी की सराहना करते हुए और अधिक प्रगति हासिल करने के लिए निरन्तर सक्रिय रहने के निर्देश दिए। उन्होंने 10 करोड़ रुपये से अधिक अवधिपार ऋण एवं एक हजार से अधिक पात्र ऋणियों वाले प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंकों को वसूली के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त रजिस्ट्रार (खण्ड) अधिक अवधिपार राशि एवं कम वसूली करने वाले प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंकों की नियमित रूप से मॉनिटरिंग करें।

बैठक में राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक के प्रबंध संचालक जितेन्द्र प्रसाद ने योजना के अंतर्गत नोटिस तामील और पात्र ऋणियों से वसूली की प्रगति से अवगत कराते हुए बताया कि अब तक लगभग 44 करोड़ रुपये की वसूली की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि राज सहकार एप सीएम ओटीएस 2025-26 पोर्टल का उद्घाटन 9 मई, 2025 को सहकारिता मंत्री द्वारा किया जा चुका है तथा पोर्टल के माध्यम से ही वसूली रसीद और प्रमाण पत्र जारी किए जा रहे हैं।

बैठक में राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक के वरिष्ठ अधिकारी, समस्त अतिरिक्त रजिस्ट्रार (खण्ड), जिला उप रजिस्ट्रार एवं प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंकों के सचिव उपस्थित रहे।

कोरोना के केस सामने आने के बाद चिकित्सा मंत्री ने ली बैठक

वैरियंट घातक नहीं, लेकिन लक्षण नजर आएं तो चिकित्सक से परामर्श लें

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। देशभर में कोरोना के केस सामने आने के बाद चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के अनुसार कोरोना का वर्तमान मे सामने आया वैरियंट घातक नहीं है, लेकिन आमजन खांसी–जुकाम या बुखार जैसे लक्षण नजर आने पर सामान्य एहतियात बरतते हुए चिकित्सा संस्थान जाकर आवश्यक परामर्श, जांच एवं उपचार लें। खींवसर ने कहा कि संवेदनशील वर्ग जैसे बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं, गंभीर बीमारियों से ग्रसित रोगी एवं बच्चे कोरोना के केसेज को देखते हुए स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। आईएलआई के लक्षण नजर आने पर चिकित्सक से परामर्श लें एवं भीड़–भाड़ से बचें। उन्होंने चिकित्सा विभाग के अधिकारियों से कहा कि चिकित्सा विशेषज्ञों ने वर्तमान स्थितियों के दृष्टिगत कोरोना से ज्यादा खतरा नहीं बताया है, लेकिन चिकित्सा संस्थानों में जांच, दवा एवं उपचार के लिए आवश्यक इंतजाम रखे जाएं, ताकि आईएलआई लक्षणों के मरीजों को जरूरी जांच एवं उपचार मिल सके। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने ऑक्सीजन प्लांट्स की क्रियाशीलता पर बल देते हुए कहा कि प्रदेश में विभिन्न चिकित्सा संस्थानों में स्थापित ऑक्सीजन प्लांट्स की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। इनकी क्रियाशीलता सुनिश्चित करने के साथ ही बंद ऑक्सीजन प्लांट्स को शीघ्र ठीक करवाएं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की ओर से कोरोना के संबंध में समय–समय पर जारी दिशा–निर्देशों की पालना की जाए।

प्रदेश में मंगलवार को 9 केस सामने आए

निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने बताया कि प्रदेश में मंगलवार को कोरोना के 9 केस सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि 2 केस एम्स जोधपुर में, 2 सवाई मानसिंह अस्पताल जयपुर में तथा 4 केस बी लाल लैब जयपुर एवं 1 केस अनाविक डायग्नोस्टिक सेंटर जयपुर में आया है। इस वर्ष अब तक 32 केस सामने आ चुके हैं। इनमें अजमेर में 2, बीकानेर में एक, डीडवाना में 3, जयपुर में 13, जोधपुर में 6, फलौदी में 1, सवाई माधोपुर में एक, उदयपुर में 4 एवं एक अन्य केस सामने आया है।

भाजपा की नीति और सरकार के कल्याणकारी कार्यों पर जनता की मोहर-मुकेश दाधीच

पंचायती राज और नगर निकाय उप चुनावों में भाजपा के 5 प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पंचायती राज और नगर निकाय उप चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के 5 प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित हुए। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच ने बताया कि पंचायती राज एवं नगरीय निकाय उप चुनावों में भाजपा के प्रत्याशियों के निर्विरोध निर्वाचन भाजपा की नीतियों और राज्य सरकार के कल्याणकारी कार्यों पर जनता की मोहर है। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ साल में राज्य सरकार ने गरीब कल्याण एवं विकास को जिस तरह गति दी और भाजपा के कार्यकर्ताओं ने जनता के सुख–दूख में भागीदारी निभाई, जिसका सुखद परिणाम हमें मिला है।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच ने कहा कि जिन सीटों पर चुनाव होना है, वहां भी भाजपा के कार्यकर्ता पुरी प्रतिबद्धता और जन सरोकार के अपने संकल्प के साथ जुटा हुआ है, जिसके परिणाम भी ऐतिहासिक रहेंगे। उन्होंने बताया कि नगर निकाय उपचुनाव में कोटपुतली नगर पालिका के वार्ड 17 से शारदा देवी, नागौर जिले के कुचेरा नगर पालिका के वार्ड 17 से आरती देवी और गंगानगर के करणपुर नगर पालिका के वार्ड 23 से जितेंद्र सिंह (समर्थित निर्दलीय) निर्विरोध निर्वाचित हुए है।

इस प्रकार पंचायती राज उपचुनाव में पंचायत समिति डीग के वार्ड 9 से रामरतन (समर्थित निर्दलीय) और करौली जिले के श्रीमहावीर जी पंचायत समिति के वार्ड 15 से विमला देवी निर्विरोध निर्वाचित हुई है।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने की 21 हाई कोर्ट जजों के तबादले की सिफारिश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने अपनी बैठक में भारत के कई हाई कोर्ट के 21 जजों के ट्रांसफर की सिफारिश की है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के निर्णय में जज सुजॉय पॉल को तेलंगाना से कलकत्ता हाई कोर्ट, जज वी कामेश्वर राव को कर्नाटक से दिल्ली हाई कोर्ट एवं जज लानुसुंगकुम जमीर को गुवाहाटी से हाई कोर्ट में ट्रांसफर करने की सिफारिश की गई है। जज सुमन श्याम को गुवाहाटी से बॉम्बे हाई कोर्ट भेजा गयाअन्य प्रमुख सिफारिशों में जज नितिन वासुदेव साम्ब्रे को बॉम्बे से दिल्ली, जज अश्विनी कुमार मिश्रा को इलाहाबाद से पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट और जज सुमन श्याम को गुवाहाटी से बॉम्बे हाई कोर्ट भेजा जाना शामिल है।

मुख्यमंत्री दुग्ध संबंल योजनाः पशुपालन मंत्री ने सीएम का जताया आभार

पशुपालकों के खाते में 88.43 करोड़ रू. की अनुदान राशि डीबीटी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य के दुग्ध उत्पादकों को 88.43 करोड़ रू. अनुदान राशि का भुगतान किया है। यह राशि मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना के तहत दी गई है। राज्य सरकार की ओर से सहकारी समितियों से जुड़ी डेयरियों पर दूध देने वालों को 5 रुपए प्रति लीटर के हिसाब से भुगतान किया जाता है।

पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में प्रदेश के करीब साढे चार लाख पशुपालक किसानों के बैंक खाते में यह राशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से हस्तांतरित की गई है। उन्होंने बताया कि हमारी सरकार राजस्थान के प्रत्येक पशुपालक की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने, पशुपालन क्षेत्र को विकसित करने तथा किसानों की आय बढ़ाने हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बजट घोषणा-2025-25 में इस योजना के लिए घोषित की गई 500 करोड़ रुपए की राशि का भुगतान कर दिया गया है। अब बजट घोषणा 2025-26 के लिए घोषित अनुदान राशि में से जनवरी, फरवरी, मार्च व अप्रेल-2025 माह की बकाया अनुदान राशि 200 करोड़ रुपए की डिमांड के लिए वित्त विभाग को प्रस्ताव भेज दिया गया है, जो कि जल्द ही लाभार्थी पशुपालक किसानों को राशि डीबीटी कर दी जाएगी।

टैक्स रिटर्न भरने की आखिरी तारीख 15 सितंबर

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने अभी तक कोई आधिकारिक तारीख घोषित नहीं की है, लेकिन रिपोर्ट्स के अनुसार, यह प्रक्रिया जून 2025 के पहले हफ्ते से शुरू हो सकती है। टैक्स डिपार्टमेंट ने वित्त वर्ष 2025 का इनकम टैक्स रिटर्न (ITR) फाइल करने की आखिरी तारीख 31 जुलाई से बढ़ाकर 15 सितंबर 2025 कर दी है। इनकम टैक्स विभाग ने आज यानी, मंगलवार 27 मई को इसकी जानकारी दी।

ITR फाइलिंग की प्रोसेस जून के पहले हफ्ते से शुरू हो सकती है। आमतौर पर ये 1 अप्रैल से शुरू हो जाती है, लेकिन इस साल इसमें देरी हो रही है। पिछले साल भी ये अप्रैल में शुरू हुई थी। देरी की वजह ढ्ढञ्जक्र फॉर्म के लिए जरूरी ऑनलाइन टूल्स उपलब्ध नहीं होना है।

माधव विश्वविद्यालय में उद्योगों की क्रांति

100 से अधिक स्टार्टअप्स और 10 अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के साथ माधव बिजनेस पार्क होंगा स्थापित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

आबूरोड़। माधव विश्वविद्यालय एक बार फिर अपनी दूरदर्शी सोच और नवाचार के लिए सुर्खियों में है। विश्वविद्यालय के परिसर में जल्द ही "माधव बिजनेस पार्क" की स्थापना की जाएगी, जिसमें 100 से अधिक स्टार्टअप कंपनियां अपने कार्यालय शुरू करेंगी, साथ ही 10 से अधिक अंतरराष्ट्रीय कंपनियां भी यहां अपना परिचालन शुरू करेंगी। इस अनूठी पहल की जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के निदेशक डॉ. संजीव सेठ ने बताया कि इन कंपनियों को कार्यालय स्थान निशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे नवोदित उद्यमियों को न केवल प्रोत्साहन मिलेगा, बल्कि छात्रों को भी शिक्षा के साथ ही रोजगार के बेहतरीन अवसर प्राप्त होंगे। माधव बिजनेस पार्क का उद्देश्य छात्रों को इंडस्ट्री से जोड़ना है, जिससे उन्हें इंटर्नशिप, लाइव प्रोजेक्ट्स, और फुल टाइम जॉब के अवसर मिलेंगे। इससे विश्वविद्यालय एक इनोवेशन और एंटरप्रेन्योरशिप हब बनकर उभरेगा। यह पहल न केवल विश्वविद्यालय और छात्रों के लिए, बल्कि पूरे क्षेत्र के आर्थिक विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगी। अंतरराष्ट्रीय कंपनियों की मौजूदगी से स्थानीय टैलेंट को वैश्विक स्तर पर पहचान मिलेगी। माधव विश्वविद्यालय की यह पहल बताती है कि जब शिक्षा संस्थान उद्योगों से जुड़ते हैं, तो विकास की रफ्तार कई गुना बढ़ जाती है। माधव बिजनेस पार्क निस्संदेह आने वाले समय में देशभर के युवाओं और उद्यमियों के लिए एक प्रेरणा केंद्र बनेगा।

सहायक विद्युत निरीक्षक (ऊर्जा विभाग) भर्ती-2025

योग्यताविहीन अभ्यर्थी करें ऑनलाइन आवेदन विदड्रॉ अन्यथा हो सकती है कार्रवाई

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक विद्युत निरीक्षक (ऊर्जा विभाग) भर्ती-2025 के अन्तर्गत वांछित योग्यता न होने पर भी ऑनलाइन आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को आवेदन विदड्रॉ करने का अवसर दिया गया है। आयोग सचिव ने बताया कि गत 2 अप्रेल को इस भर्ती का विज्ञापन जारी कर 15 अप्रेल से 14 मई तक ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किये गये थे। आयोग द्वारा की गई रेण्डम/सेम्पल जांच में यह पाया गया कि कतिपय आवेदकों के पास अनिवार्य योग्यता नहीं होने के उपरांत भी उनके द्वारा आवेदन किया गया है। आयोग द्वारा उक्त शैक्षणिक व वांछित योग्यता न होने पर भी आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को आगाह किया जाता है कि वे अपना ऑनलाइन आवेदन पत्र दिनांक 6 जून 2025 तक विदड्रॉ कर ले अन्यथा उनके विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता – 2023 की धारा 217 को अन्तर्गत कार्रवाई की जायेगी। ऑनलाइन आवेदन विदड्रॉ करने का लिंक 28 मई से 6 जून तक सक्रिय रहेगा।

ओवैसी ने कुवैत में पाकिस्तान की खोली पोल

आतंकियों की भर्ती बंद नहीं कर रहा, पाक की ग्रे लिस्ट में लाया जाए

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान की पोल खोलने विदेश गए भाजपा सांसद बैजयंत पांडा के नेतृत्व में ग्रुप -1 के सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने कुवैत में रह रहे भारतीय प्रवासियों के एक समूह को संबोधित किया। इस मौके पर AIMIM प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि हमें उम्मीद है कि पाकिस्तान को FATF (फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स) की ग्रे लिस्ट में लाया जाएगा और यह बहुत महत्वपूर्ण है। अन्यथा, पाकिस्तान आतंकवादियों की भर्ती बंद नहीं कर रहा है।

पाकिस्तान पर भरोसा नहीं किया जा सकताः ओवैसी

उन्होंने कहा कि जर्मनी में FATF की ग्रे लिस्ट के बारे में पिछली बैठक से पहले, पाकिस्तान कह रहा था कि साजिद मीर मर चुका है। साजिद मीर मुंबई में हुए 26/11 के भयावह आतंकवादी हमले के मुख्य साजिशकर्ताओं और योजनाकारों में से एक था... उस समय तक, पाकिस्तान कह रहा था कि वह मर चुका है। लेकिन जब FATF की बैठक हो रही थी, तो तुरंत पाकिस्तान आया और कहा कि वह जीवित है और हमारी अदालतों ने उसे सजा भी सुनाई है। इसलिए, पाकिस्तान में लोग मर सकते हैं, लोग जीवित भी हो सकते हैं। इस तरह से, वहां पूरा सिस्टम काम करता है। इसलिए, यह बहुत महत्वपूर्ण है कि अब IMF ने बहुत सारी शर्तें रखी हैं। लेकिन हमें लगता है कि यह पर्याप्त नहीं है।

GCC को निभानी चाहिए भूमिका

अवैसी ने कहा कि पाकिस्तान को FATF की ग्रे लिस्ट में वापस लाना होगा और इसके लिए, क्योंकि कुवैत के पास GCC के महासचिव हैं, उन्हें बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। ओवैसी ने कुवैत और खाड़ी सहयोग परिषद से भी सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, "GCC के वर्तमान महासचिव के रूप में कुवैत की भारत को पाकिस्तान को जवाबदेह ठहराने में मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका है। बता दें कि प्रतिनिधिमंडल में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे, फागनोन कोन्याक, रेखा शर्मा और सतनाम सिंह संधू के साथ-साथ डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद और वरिष्ठ राजनयिक हर्ष श्रृंगला सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता शामिल हैं। यह प्रतिनिधिमंडल सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन और अल्जीरिया के राजनयिक मिशन पर है।

आर.ए.एस/आर.टी.एस. संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा-2023

मुख्य परीक्षा परिणाम के क्रम में उत्तीर्ण 33 अभ्यर्थियों को ऑनलाइन भरना होगा विस्तृत आवेदन-पत्र और सेवा प्राथमिकता क्रम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। आर.ए.एस/आर.टी.एस. संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा-2023 के गत 2 जनवरी को घोषित मुख्य परीक्षा परिणाम के क्रम में 25 अप्रेल को जारी किए गए परिणाम में उत्तीर्ण 3 अभ्यर्थी तथा 27 मई को जारी किए गए परिणाम में उत्तीर्ण 28 अभ्यर्थियों एवं पूर्व में ऑनलाइन विस्तृत आवेदन पत्र प्रस्तुत नहीं करने वाले 2 अभ्यर्थियों को विस्तृत आवेदन-पत्र और सेवा प्राथमिकता क्रम ऑनलाइन भरने होंगे।

विस्तृत आवेदन पत्र और सेवा प्राथमिकता क्रम ऑनलाइन भरने का लिंक 28 मई से 1 जून (रात्रि 12 बजे तक) उपलब्ध रहेगा। इसके पश्चात् कोई अवसर देय नहीं होगा। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। आयोग सचिव ने बताया कि विस्तृत आवेदन पत्र एवं सेवा प्राथमिकता क्रम ऑनलाईन भरने के उपरांत ही साक्षात्कार में प्रवेश दिया जावेगा। अभ्यर्थी विस्तृत आवेदन-पत्र एवं सेवा प्राथमिकता क्रम भरने के संबंध में जारी किए दिशा-निर्देशों की पालना करना आवश्यक रूप से सुनिश्चित करें। उक्त सभी अभ्यर्थी एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर रिक्रूटमेंट पोर्टल में मॉय रिक्रूटमेंट सेक्शन के अन्तर्गत डिटेल्ड फार्म कम स्क्रूटनी लिंक को क्लिक कर विस्तृत आवेदन पत्र एवं सेवा प्राथमिकता क्रम अनिवार्य रूप से ऑनलाइन भरें। आयोग द्वारा ऑफलाईन भरे गये विस्तृत आवेदन पत्र और सेवा प्राथमिकता क्रम स्वीकार नहीं किये जायेंगे। ऑनलाइन विस्तृत आवेदन-पत्र एवं सेवा प्राथमिकता क्रम के संबंध में पूर्व में जारी दिशा-निर्देशों व प्रेस नोट दिनांक 9 जनवरी का अभ्यर्थी आवश्यक रूप से अवलोकन करें।

सेवावार पदक्रम अनुसार भरें सेवा प्राथमिकता क्रम

इस परीक्षा के अंतर्गत आयोग की वेबसाइट पर राज्य एवं अधीनस्थ सेवाओं का सेवावार पदक्र म 9 जनवरी 2025 को जारी किया गया है। अभ्यर्थी उक्तानुसार जारी सेवा प्रपत्र को ध्यान में रखते हुए ही सेवा प्राथमिकता क्रम भरें। अभ्यर्थी द्वारा सेवा प्राथमिकता प्रपत्र में जिन सेवाओं को प्राथमिकता क्रम दिया जाएगा, उन्हें केवल उन्हीं सेवाओं हेतु विचारित किया जाएगा। अनुसूचित क्षेत्र के अभ्यर्थियों द्वारा एसए एवं एनएसए दोनों प्रकार की सेवाओं के लिए प्राथमिकता क्रम नहीं भरने की स्थिति में उनका दोनों प्रकार की सेवाओं के पदों के लिए विचारण संभव नहीं होगा। केवल उत्कृष्ट खिलाडी तथा बहुविकलांगता श्रेणी के अभ्यर्थी विस्तृत आवेदन पत्र एवं सेवा प्राथमिकता क्रम ऑनलाईन भरे जाने के उपरांत दिनांक 6 जून तक अपने विस्तृत आवेदन पत्र मय सेवा प्राथमिकता क्रम (2 प्रतियों में) एवं आवश्यक दस्तावेजों की स्व-हस्ताक्षरित छायाप्रति के आयोग कार्यालय में डाक अथवा व्यक्तिशः आवश्यक रूप से जमा करावें। शेष सभी अभ्यर्थी विस्तृत आवेदन पत्र मय सेवा प्राथमिकता क्रम (2 प्रतियों में) एवं आवश्यक दस्तावेजों की स्व-हस्ताक्षरित छायाप्रति के साक्षात्कार के समय साथ लाएं।